वर्ष 11 अंक 110
पृष्ठ 12
नई दिल्ली, गुरुवार
29 जनवरी 2026
मूल्य: 4 रुपये

नेशनल एक्सप्रेस

हर खबर समय पर

nationalexpressindia | nationalexpressindia | www.nationalexpress.co.in

DELHIN/2015/65411
डाक पंजीयन सं.-DL(S)-17/3531/2018-20

03 पीडब्ल्यूडी दिल्ली में धूल मुक्त चार 'आदर्श सड़कें' विकसित करेगा | 06 जंगलराज की आहटें और महासचिव का विलापः ऋषभदेव शर्मा | 11 रोहित ने कहा टी20 विश्व कप में अर्शदीप और हार्दिक होंगे सफलता की कुंजी

पुणे में विमान दुर्घटना में महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार, चार अन्य लोगों की मौत

पुणे, (भाषा) महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार और चार अन्य लोगों की बुधवार सुबह पुणे जिले में बारामती हवाई अड्डे के निकट विमान दुर्घटना में मृत्यु हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

पवार पांच फरवरी को होने वाले जिला परिषद चुनाव के लिए पुणे जिले में चार रैलियों को संबोधित करने के वास्ते सुबह मुंबई से रवाना हुए थे।

दुर्घटना में जान गंवाने वालों में कैप्टन सुमित कपूर भी शामिल हैं, जिनके पास 15,000 घंटे का उड़ान अनुभव था। 1,500 घंटे का उड़ान अनुभव रखने वालीं सह-पायलट कैप्टन शांभवी पाठक, निजी सुरक्षा अधिकारी (पीएसओ) विधिप जाधव; और विमान परिचारिका पिंकी माली की भी दुर्घटना में मौत हो गई। सरकार ने एक बयान जारी किया जिसमें दुर्घटना का क्रम विस्तार से बताया गया है।

विमान यातायात नियंत्रण कक्ष (एटीसी) ने बुधवार सुबह खराब दृश्यता के बाद हवा में एक चक्कर लगाने के बाद लियरजेट विमान को उतरने की अनुमति दे दी थी। लेकिन अंततः अनुमति मिलने के बाद भी विमान ने एटीसी को कोई 'रीड-बैक' या प्रतिक्रिया नहीं दी और कुछ ही क्षण बाद रनवे किनारे पर वह दुर्घटनाग्रस्त हो गया और उसमें आग लग गई।

मुर्मू, मोदी, शाह समेत देशभर के नेताओं ने विमान दुर्घटना में अजित पवार की मृत्यु पर शोक जताया

विमान संचालन की भाषा में, "चक्कर लगाना" एक मानक प्रक्रिया है जिसमें पायलट लैंडिंग का प्रयास रोक देता है और पुनः लैंडिंग के लिए विमान ऊपर ले जाना शुरू करता है। खराब मौसम, अस्थिर लैंडिंग पथ, या रनवे पर यातायात जैसी वजहों से सुरक्षित लैंडिंग पूरी नहीं होने की स्थिति में ऐसा किया जाता है। यह एक आपात स्थिति नहीं, बल्कि एक एहतियाती सुरक्षा कदम है।

विमान संचालन की भाषा में ही, "रीडबैक" एक महत्वपूर्ण सुरक्षा प्रक्रिया है, जिसमें पायलट एटीसी से मिले निर्देशों या संदेश को दोहराता है। इससे यह सुनिश्चित होता है कि पायलट ने नियंत्रक के निर्देश ठीक ढंग से समझ लिए हैं। नागर विमानन मंत्री के. राममोहन नायडू ने पुणे में पत्रकारों से कहा कि विमान खराब दृष्यता के बीच जमीन पर उतरने का प्रयास कर रहा था। नागर विमानन मंत्रालय के बयान में वीएसआर वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड के लियरजेट 45 के दुर्घटनाग्रस्त होने से चंद मिनट पहले का विवरण दिया। इस दुर्घटना में विमान में सवार पवार समेत सभी पांच लोगों की मौत हो गई।

बयान में कहा गया है कि विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी) ने जांच का जिम्मा संभाल लिया है। बयान के अनुसार, वीएसआर वेंचर्स के बेड़े में सात लियरजेट 45 विमान (जिसमें यह दुर्घटनाग्रस्त विमान भी शामिल है), पांच एम्बरर 135बीजे विमान, चार किंग एयर बी200 विमान और एक पिलाटस पीसी-12 विमान शामिल हैं।

उड़ानों की निगरानी करने वाली 'फ्लाइट रडार' के अनुसार, विमान ने मुंबई से सुबह आठ बजकर 10 मिनट पर उड़ान भरी और सुबह लगभग आठ बजकर 45 मिनट पर यह रडार से गायब हो गया। डीजीसीए के एक अधिकारी ने बताया कि विमान में पवार, उनके निजी सुरक्षा अधिकारी और एक परिचारिका, चालक दल के दो सदस्यों (कैप्टन और सह-पायलट) समेत पांच लोग सवार थे। पुलिस अधीक्षक संदीप सिंह गिल ने बताया कि दुर्घटना के बाद विमान में आग लग गई। उन्होंने कहा, ''विमान में सवार सभी लोगों को तुरंत अस्पताल ले जाया गया।' पवार के परिवार में उनकी पत्नी सुनेत्रा और दो बेटे पार्थ और जय हैं। सुनेत्रा राज्यसभा सदस्य हैं। अजित पवार की अगुवाई वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) ने हाल में पुणे और पिंपरी चिंचवड में हुए निकाय चुनाव में अपने चाचा शरद पवार की राकांपा (शप) के साथ गठबंधन में चुनाव लड़ा था।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और देश के विभिन्न दलों के कई अन्य नेताओं ने अजित पवार के निधन पर शोक व्यक्त किया। बारामती पहुंचे महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने पवार के निधन को दुखद और अविश्वसनीय बताया और कहा कि उन्होंने एक अच्छा मित्र खो दिया है।

एक प्रत्यक्षदर्शी के अनुसार, विमान हवा में "थोड़ा अस्थिर" दिख रहा था और जैसे ही वह जमीन से टकराया, विस्फोट हो गया। एक अन्य प्रत्यक्षदर्शी ने कहा कि दुर्घटना के बाद विमान में भीषण आग लग गई।

महाराष्ट्र सरकार ने 30 जनवरी तक तीन दिनों का राजकीय शोक घोषित किया है। इस दौरान सभी सरकारी भवनों पर राष्ट्रध्वज आधा झुका रहेगा। बृहस्पतिवार को बारामती में राजकीय सम्मान के साथ अजित पवार का अंतिम संस्कार किया जाएगा।

राकांपा के अनुसार, प्रधानमंत्री मोदी और गृहमंत्री शाह पूर्वाह्न 11 बजे विद्या प्रतिष्ठान मैदान में होने वाले अंतिम संस्कार में शामिल हो सकते हैं।

विमान दुर्घटना में अजित पवार की मौत हादसा ही है, इसमें राजनीति को न लायें: शरद पवार

पुणे, (भाषा) पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को परोक्ष रूप से झिड़की लगाते हुए राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के अध्यक्ष शरद पवार ने बुधवार को कहा कि अजित पवार और चार अन्य लोगों को ले जा रहे विमान का दुर्घटनाग्रस्त होना एक हादसा था और इसे राजनीतिक रंग न दिया जाए। शरद पवार ने पत्रकारों से कहा कि अजित की मृत्यु महाराष्ट्र के लिए एक बड़ा सदमा है, जिसने एक मेहनती और कुशल नेता को खो दिया है। उन्होंने कहा कि यह क्षति अपूरणीय है। उन्होंने कहा, "सभी चीजें हमारे हाथ में नहीं होतीं।" राकांपा (एसपी) प्रमुख ने कहा, "कोलकाता से यह अफवाह फैली कि इस घटना में कुछ राजनीति हो सकती है। लेकिन ऐसा कुछ नहीं है। इससे राजनीति का कोई लेना-देना नहीं है। यह एक दुर्घटना थी। मैं आपसे अनुरोध करता हूं कि इसमें राजनीति को न घसीटें।"

ममता, खरगे और अखिलेश ने अजित पवार विमान हादसे की जांच की मांग उठाई

नयी दिल्ली, (भाषा) कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बुधवार को महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री अजित पवार से संबंधित विमान हादसे पर दुख जताते हुए इस मामले की जांच की मांग की। तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख बनर्जी ने यह भी कहा कि यह जांच उच्चतम न्यायालय की निगरानी में होनी चाहिए। अजित पवार और चार अन्य लोगों की बुधवार सुबह पुणे जिले के बारामती के पास विमान दुर्घटना में मृत्यु हो गई। ममता ने पत्रकारों से कहा, "हमें सिर्फ उच्चतम न्यायालय पर भरोसा है। बाकी सभी एजेंसियां पूरी तरह से भ्रष्ट हो चुकी हैं।" उन्होंने यह भी संकेत दिया कि अजित पवार अपने चाचा शरद पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी में लौटने की योजना बना रहे थे। उन्होंने कहा कि हाल के दिनों में सामने आई खबरों से ऐसे कदम के संकेत मिल रहे थे।

एएआईबी की टीम बारामती विमान दुर्घटनास्थल पर पहुंची; फॉरेंसिक जांच शुरू की

मुंबई, 28 जनवरी (भाषा) वायुयान दुर्घटना अन्वेषण ब्यूरो (एएआईबी) की एक विशेषज्ञ टीम बारामती में हुए विमान हादसे की फॉरेंसिक जांच शुरू करने के लिए दुर्घटनास्थल पर पहुंची। बुधवार सुबह हुए विमान हादसे में महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार और चार अन्य लोगों की मृत्यु हो गई। जांच में दिल्ली स्थित वीएसआर वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा संचालित 'लीयरजेट 45' विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने के तकनीकी कारणों पर ध्यान केंद्रित किए जाने की उम्मीद है। एएआईबी के अधिकारी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, "जांच टीम दुर्घटनास्थल पर पहुंच गई है। वे जांच में जुट गए हैं।" हालांकि, अधिकारी ने और अधिक जानकारी देने से इनकार कर दिया। इससे पहले दिन में, एएआईबी को हादसे की जांच का जिम्मा सौंपा गया।

मैकाले के षड्यंत्रों ने लोगों में हीनभावना भरी, इस सरकार ने ही उसे तोड़ने का साहस किया है: मुर्मू

नयी दिल्ली, (भाषा) राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार को कहा कि गुलामी के कालखंड में मैकाले के षड्यंत्रों ने भारत के लोगों में हीनभावना भरी थी, लेकिन आजादी के बाद पहली बार इस सरकार ने ही उसे तोड़ने का साहस किया है।

संसद के दोनों सदनों की संयुक्त बैठक में अपने अभिभाषण में राष्ट्रपति ने कहा कि विकसित भारत के लक्ष्य तक पहुंचने के लिए जितना महत्व आधुनिक विकास को देना है, उतना ही महत्व अपने राष्ट्रीय आत्मसम्मान और सांस्कृतिक स्वाभिमान को भी देना है। उन्होंने कहा, ''सांस्कृतिक दृष्टिकोण से भारत विश्व के समृद्धतम देशों में से एक है। मेरी सरकार इस विरासत को देश की ताकत बनाने के लिए काम कर रही है।''

मुर्मू ने ब्रिटिश शासन के एक अधिकारी का जिक्र करते हुए कहा, ''गुलामी के कालखंड में मैकाले के षड्यंत्रों द्वारा भारत के लोगों में हीन-भावना भरने का काम किया गया था। अब आज़ादी के बाद पहली बार मेरी सरकार ने ही उसे तोड़ने का साहस किया है।''

उन्होंने कहा कि आज देश अपनी सांस्कृतिक धरोहरों को सहेजने और संवारने के लिए हर मोर्चे पर काम कर रहा है। उन्होंने कहा, ''इसी दिशा में मेरी सरकार के प्रयासों से सवा सौ वर्षों बाद भगवान बुद्ध के

राष्ट्रपति अभिभाषण के दौरान विपक्ष ने जी राम जी अधिनियम का विरोध किया

पवित्र अवशेष वापस भारत लौटे हैं। उन्हें अब सामान्य जनमानस के दर्शन के लिए समर्पित किया गया है।''

मुर्मू ने कहा कि इस वर्ष सौराष्ट्र के सोमनाथ मंदिर के नवनिर्माण के 75 वर्ष भी पूरे होने जा रहे हैं।

उन्होंने कहा, ''सोमनाथ मंदिर पर हुए आक्रमण के बाद एक हजार वर्षों की यात्रा, भारत की धार्मिक निष्ठा, सनातन संस्कृति और चिर आस्था का प्रतीक है। इस अवसर पर जिस उत्साह से देश भर के लोगों ने सोमनाथ स्वाभिमान पर्व में हिस्सा लिया है, वह अतुलनीय है।''

राष्ट्रपति ने कहा कि कुछ ही समय पूर्व, राजेन्द्र चोल द्वारा गंगईकोंडा-चोलापुरम् की स्थापना के भी 1000 वर्ष पूरे हुए। इस अवसर ने भी करोड़ों देशवासियों को अपने अतीत पर गर्व करने का मौका दिया है। उन्होंने कहा कि दीपावली की पूरी दुनिया में बढ़ती लोकप्रियता के साथ ही यूनेस्को द्वारा उसे मान्यता देना भारतीयों के लिए गर्व की बात है।

राष्ट्रपति ने कहा, ''जब हम अपनी परम्पराओं और संस्कृति का सम्मान करते हैं, तो विश्व भी उनका सम्मान करता है।'' उन्होंने कहा, ''पिछले साल यूनेस्को ने हमारे पर्व दीपावली को अपनी 'मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत' की सूची में शामिल किया है। दीपावली की पूरी दुनिया में बढ़ती लोकप्रियता के साथ ही यूनेस्को द्वारा उसे मान्यता देना हम सब भारतीयों के लिए गर्व की बात है।''

मुर्मू ने कहा, ''सरकार देश की आदिवासी विरासत को संरक्षित करने के लिए आदिवासी संग्रहालय भी बनवा रही है। इसी क्रम में हाल में छत्तीसगढ़ में शहीद वीर नारायण सिंह आदिवासी स्वतंत्रता संग्राम सेनानी संग्रहालय को लोकार्पित भी किया गया है।''

भारत-यूरोपीय संघ एफटीए और पूर्व के व्यापार समझौतों से युवाओं के लिए अनगिनत अवसर पैदा होंगे: प्रधानमंत्री मोदी

नयी दिल्ली, (भाषा) प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को कहा कि भारत द्वारा कई देशों के साथ किये गए मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) और एक दिन पहले दिल्ली में भारत-यूरोपीय संघ के बीच हुए 'ऐतिहासिक' एफटीए से लाखों भारतीय युवाओं के लिए अवसर के अनगिनत द्वार खुलेंगे।

उन्होंने दिल्ली छावनी में वार्षिक 'राष्ट्रीय कैडेट कोर पीएम रैली' को संबोधित करते हुए कहा कि पूरी दुनिया भारत के युवाओं को 'बहुत भरोसे' से देख रही है और इस भरोसे का कारण 'कौशल और संस्कार' है।

मोदी ने कहा, ''मैंने लाल किले से संबोधित करते हुए कहा था, 'यही समय है, सही समय है'। देश के युवाओं के लिए यह अधिकतम अवसरों का समय है।'' उन्होंने रेखांकित किया कि सरकार का प्रयास यह सुनिश्चित करना है कि युवाओं को इस अवधि का 'अधिक से अधिक लाभ' मिले।

प्रधानमंत्री ने कहा, ''इसका एक उदाहरण आपने कल ही देखा। भारत और यूरोपीय संघ ने एक ऐतिहासिक

मुक्त व्यापार समझौते पर सहमति जताई। इससे पहले, भारत ने ओमान, न्यूजीलैंड, ब्रिटेन, संयुक्त अरब अमीरात, ऑस्ट्रेलिया और मॉरीशस जैसे देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौते किए हैं। इन सभी समझौतों से हमारे लाखों युवाओं के लिए अवसर के अनगिनत द्वार खुलेंगे।''

उन्होंने कहा, ''भारत-यूरोपीय संघ मुक्त समझौते को दुनिया के लिए 'पासा पलटने वाला' कहा जा रहा है। आपके लिए, यह एफटीए आकांक्षाओं को साकार करने की आजादी देने वाला है।''

प्रधानमंत्री ने कहा, ''युद्ध केवल सीमाओं, टैंक या तोपों के उपयोग तक ही सीमित नहीं है, आज की लड़ाई ''कोड से क्लाउड'' तक कई मोर्चों पर लड़ी जा रही है। भारत और यूरोपीय संघ ने मंगलवार को एक ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर किए। इसे अब तक का सबसे बड़ा व्यापार समझौता कहा जा रहा है। इसका उद्देश्य दो अरब लोगों का बाजार तैयार करना है।

प्रधानमंत्री मोदी और यूरोपीय संघ के शीर्ष नेतृत्व ने नियम-आधारित विश्व व्यवस्था की रक्षा के लिए व्यापार और रक्षा का बड़े पैमाने पर लाभ उठाने हेतु एक परिवर्तनकारी पांच वर्षीय एजेंडे का अनावरण किया।

अमेरिका के साथ तनावपूर्ण संबंधों के बीच मोदी द्वारा यूरोपीय संघ के नेताओं उर्सुला फॉन डेर लायन और एंटोनियो कोस्टा की शिखर वार्ता की मेजबानी के बाद दोनों पक्षों ने दो महत्वपूर्ण समझौतों पर हस्ताक्षर किए। इनमें से एक सुरक्षा और रक्षा सहयोग से जुड़ा है जबकि दूसरा समझौता यूरोप में भारतीय प्रतिभाओं की आवाजाही से संबंधित है।

मोदी ने मंगलवार को कहा था, ''यह सिर्फ एक व्यापार समझौता नहीं है। यह साझा समृद्धि के लिए एक नया खाका है।'' अधिकारियों के अनुसार, यह मुक्त व्यापार समझौता वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के लगभग एक चौथाई हिस्से पर लागू होता है। इसके तहत यूरोपीय संघ को होने वाले भारतीय निर्यात के 99 प्रतिशत पर शुल्क कम हो जाएंगे और यूरोपीय संघ से भारत को होने वाले निर्यात के 97 प्रतिशत से अधिक पर शुल्क में कटौती होगी।

नेशनल कैडेट कोर (एनसीसी) की 'पीएम रैली' करियप्पा परेड ग्राउंड में आयोजित की गई।

इटर्नल के शेयरों में लिवाली आने से भी घरेलू बाजार को समर्थन मिला
दूसरे दिन भी शेयर बाजार में तेजी, सेंसेक्स 487 अंक उछला

मुंबई, (भाषा) भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) के बीच ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौता होने से बढ़े उत्साह के बीच बुधवार को घरेलू शेयर बाजार लगातार दूसरे सत्र में तेजी के साथ बंद हुए। बीएसई सेंसेक्स 487 अंक चढ़ गया जबकि एनएसई निफ्टी में 167 अंक की तेजी रही। कारोबारियों ने कहा कि भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, रिलायंस इंडस्ट्रीज और इटर्नल के शेयरों में लिवाली आने से भी घरेलू बाजार को समर्थन मिला।

बीएसई का 30 शेयर वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स 487.20 अंक यानी 0.60 प्रतिशत उछलकर 82,344.68 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 646.49 अंक की तेजी के साथ 82,503.97 अंक तक पहुंच गया था। वहीं एनएसई का मानक सूचकांक निफ्टी 167.35 अंक यानी 0.66 प्रतिशत बढ़कर 25,342.75 अंक पर बंद हुआ। रेलिगेयर ब्रोकिंग लिमिटेड के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (अनुसंधान) अजीत मिश्रा ने कहा, ''खरीदारी में नए सिरे से आई दिलचस्पी ने सकारात्मक गति को और बढ़ावा दिया जबकि चुनिंदा प्रमुख शेयरों में उल्लेखनीय लाभ सहित कंपनी-विशिष्ट कारकों ने तेजी को और समर्थन दिया।''सेंसेक्स के समूह में शामिल कंपनियों में से भारत इलेक्ट्रॉनिक्स के शेयर में दिसंबर तिमाही के नतीजों के बाद करीब नौ प्रतिशत का उछाल आया। इसके अलावा इटर्नल, बजाज फाइनेंस, पावर ग्रिड, ट्रेंट, महिंद्रा एंड महिंद्रा और अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयर में भी तेजी रही।

दूसरी तरफ, एशियन पेंट्स के शेयर में चार प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई। इसके अलावा मारुति सुजुकी, सन फार्मा, इन्फोसिस और भारती एयरटेल के शेयर भी नुकसान में रहे। भारत और यूरोपीय संघ के बीच एफटीए को अंतिम रूप देने से लगभग दो अरब लोगों का बाजार बनेगा और यह वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद के करीब एक चौथाई हिस्से को कवर करेगा।

इस समझौते से यूरोपीय संघ को 99 प्रतिशत भारतीय निर्यात पर शुल्क घटेगा जबकि ईयू से 97 प्रतिशत आयात पर भारत में शुल्क कम होगा। बीएसई पर सूचीबद्ध कंपनियों में से 2,920 शेयरों में तेजी रही जबकि 1,315 शेयरों में गिरावट रही और 138 अन्य अपरिवर्तित रहे।क्षेत्रवार सूचकांकों में पूंजीगत उत्पाद खंड में सर्वाधिक 5.32 प्रतिशत की उछाल रही जबकि तेल एवं गैस खंड में 3.94 प्रतिशत, औद्योगिक खंड में 3.51 प्रतिशत और ऊर्जा खंड में 3.42 प्रतिशत की तेजी रही। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, मंगलवार को विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने 3,068.49 करोड़ रुपये के शेयर बेचे जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने 8,999.71 करोड़ रुपये की शुद्ध खरीदारी की।

एनरिच मनी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) पोनमुडी आर. ने कहा, ''वैश्विक संकेतों में सुधार और भारत-यूरोपीय संघ एफटीए के सफल समापन के बाद बाहरी व्यापार के मोर्चे पर नए सिरे से आशावाद के समर्थन से भारतीय शेयर बाजार में सत्र का समापन सकारात्मक रुख के साथ हुआ।''

भारत में व्यापार को व्यवहारिक ही नहीं, आध्यात्मिक भी माना गया है: बाबा विनोबा

व्यापार को यहां एक सुव्यवस्थित धर्म माना गया है। हमें व्यापार प्रामाणिकता से करना चाहिए,यह बात तो सभी धर्मों में कही गई है।सत्य निष्ठा एक धर्म है। परन्तु व्यापार स्वयंमेव एक धर्म है। इस बात का भान हमारे देश को है। हमारे यहां तो गीता में कहा गया कि कृषि_गोरक्ष्य_ वाणिज्यम। वैश्य का धर्म व्यापार करना है।अगर वह व्यापार नहीं करेगा, तो कर्तव्य से च्युत होता है। यह भी कहा गया है कि जो मनुष्य निष्कामता से और अनन्य नीति से वेद का अध्ययन करेगा, उसे जैसा मोक्ष हासिल होगा, वैसा ही मोक्ष वैश्य को हासिल होगा, जो निष्काम बुद्धि से और सेवा बुद्धि से व्यापार करेगा। व्यापारी अच्छा काम करेगा,तो लोगों का उस पर भरोसा रहेगा और वह अच्छा पैसा कमायेगा, यह तो दुनिया जानती है।लेकिन अच्छा व्यापार करने से वह मोक्ष भी पायेगा, यह सिर्फ हिन्दू धर्म में ही है। समाज सेवा परायण वैश्य को साधक और भक्त की श्रेणी में दाखिल किया है। संपत्तिदान पर दादा धर्माधिकारी ने लिखते हुए कहा कि_ संग्रह को भी पाप माना गया है। उस पर कलकत्ते के एक भाई ने शंका उठाई और कहा कि वाणिज्य वैश्य का धर्म माना गया है उसमें संग्रह तो जरूर होगा। उस संग्रह का उपयोग विश्वस्त वृत्ति के तौर पर करने की अपेक्षा ठीक हो सकती है,लेकिन उसे ही अधर्म या पाप मानना कहां तक उचित होगा। पाप पुण्य की व्याख्या उत्तरोत्तर सूक्ष्म होती जाती है।आज जो धर्म मालूम पड़ता है, वही आगे की अवस्था में अधर्म हो जाता है। समाज में धर्म, अधर्म, पाप, पुण्य की द्विविध व्याख्याएं अटल हैं। एक परिशुद्ध व्याख्या और दूसरी व्यावहारिक व्याख्या।

गीता ने वाणिज्य को वैश्य का धर्म बताया,लेकिन संग्रह को धर्म नहीं बताया। वाणिज्य में संग्रह होते हुए भी यह आवश्यक नहीं है कि वाणिज्य में संग्रह होना ही चाहिए।ऐसा नहीं मान सकते। अहिंसा सत्य अस्तेय यह पंच व्रत सारे मानव समाज को लागू हैं।यानी वे सार्वजनिक धर्म हैं। तो वे वैश्य वर्ग को भी लागू होते ही हैं। उसमें तो अपरिग्रह की गिनती होती है। इसका अर्थ तो यही हुआ कि वैश्य को भी अपरिग्रह की दृष्टि रखकर ही अपना वर्ण धर्म निभाना है। वाणिज्य में अनैतिक उपायों को तो मंजूर कर ही नहीं सकते। जिस किसी उपाय से धन प्राप्त हो,प्राप्त करके विश्वस्त वृत्ति से उपयोग करो,यह संभव नहीं। संग्रह की एक मर्यादा है। बाबा कहते थे कि वाणिज्य एक वर्ण धर्म है ,मुनाफे का एक साधन होते हुए भी वह विशेष मुनाफे का जरिया नहीं होना चाहिए और न घाटा ही होना चाहिए। अर्थात सेवाधर्मी वणिक को अपना मेहनतानामात्र मिले।इससे अधिक मुनाफा अधर्म ही होगा। और अगर घाटा हुआ तो वह भी अधर्म ही होगा, क्योंकि उसमें असावधानी जैसे दोष होंगे और वर्ण के अस्तित्व पर उससे प्रहार होगा।पी यह विचार करने पर संग्रह की वृत्ति शून्यवत हो जाएगी। वैश्य वर्ण के बहुत से लोग कृषि और गो रक्षा में भी लगे हैं। क्योंकि यह समाज की बहुत बड़ी जरूरत है। वाणिज्य तो गौण वैश्य धर्म होगा, क्योंकि उत्पादन के बाद ही विनिमय हो सकता है। मुख्य कार्य उत्पादन ही माना जाएगा। बहुत से बहुत किसान के बराबर मेहनताना वैश्य वर्ण को भी मिलना चाहिए। कोई यह कहे कि किसान से ज्यादा बुद्धि वणिक को लगानी पड़ती है तो यह भी बात सिद्ध होने लायक नहीं है। कोई व्यापारी कितना भी बुद्धिमान क्यों न हो वह धनिक कैसे बन सकता है? कोई किसान तो उत्पादन बढ़ाकर धनिक बन सकता है। लेकिन व्यापारी तो किसान के माल को ही इधर उधर पहुंचाने वाला व्यक्ति है न। बैंक में पैसा पड़ा है तो क्या बैंकर श्रीमान बन जाएगा? लेकिन आजकल यह संभव है। अब व्यापारी देश में काफी धनिक हैं। तो यह समझना चाहिए कि उन्होंने अपना धर्म समझा नहीं है। आजकल उन्होंने दयाधर्म के काम को भी अपने धंधे का साधन मान लिया है। जबकि धर्म अलग चीज है और धंधा अलग चीज है। व्यापारी तो किसान का सेवक होना चाहिए क्योंकि किसान की मदद ही करता है। किसान जो उत्पादन करता है उसके विपणन की व्यवस्था व्यापारी वर्ग ही करता है। किसान वह काम नहीं कर सकता है।

अग्रोहा विकास समिति -1 द्वारा श्री वेंकटेश मंदिर में सहस्त्र स्वर्ण कमल पूजा का आयोजन

(नेशनल एक्सप्रेस ब्यूरो) मुंबई

अग्रोहा विकास समिति -1 द्वारा श्री वेंकटेश देवस्थान (तिरुपति बालाजी) मंदिर, फणसवाड़ी, मुंबई में सहस्त्र स्वर्ण कमल पूजा अर्चना, विशेष दर्शन और आरती का आयोजन किया गया। संस्था के मार्गदर्शक आनन्द प्रकाश गुप्ता (मित्तल) ने बताया कि भगवान की भोग आरती के बाद सभी को गोष्टी भोजन प्रसाद दिया गया।

कार्यक्रम के जजमान देवकीनंदन लाला अग्रवाल रहे। अग्रोहा विकास समिति 1 के गोपाल प्रसाद जिंदल, देवेन्द्र ओ अग्रवाल, विनोद तिलकराज अग्रवाल, अरुण बुबना, अजय कोकडा, राजाराम पोद्दार, विजय अग्रवाल, कृष्णा अग्रवाल, संदीप बाजोरिया, ओमप्रकाश अग्रवाल, बृजबिहारी मित्तल, विनोद केडिया, अशोक अग्रवाल, रणछोड़दास अग्रवाल आदि ने पूजा अर्चना में उपस्थित रहकर सहयोग किया। अंत में सभी को घर ले जाने के लिए श्री वेंकटेश देवस्थान (तिरुपति) मंदिर का प्रसाद भी दिया गया।

ईरान में अशांति का भारतीय कंपनियों पर खास असर नहीं

मुंबई, (भाषा) घरेलू क्रेडिट रेटिंग एजेंसी क्रिसिल ने बुधवार को कहा कि ईरान में अशांति का भारतीय कंपनियों पर अब तक कोई खास प्रभाव नहीं पड़ा है। रेटिंग एजेंसी ने कहा कि हालांकि तनाव जारी रहने या बढ़ने पर कच्चे तेल की कीमतें बढ़ने की स्थिति में तेल रिफाइनिंग, विमानन और कच्चे तेल से जुड़े क्षेत्रों जैसे विशेष रसायन, पेंट, पेट्रोकेमिकल्स और सिंथेटिक वस्त्र उद्योग पर असर पड़ सकता है। क्रिसिल ने कहा, ₹ईरान में जारी अशांति का अब तक भारत के वैश्विक व्यापार या घरेलू कंपनियों की वित्तीय स्थिति पर कोई खास असर नहीं पड़ा है। ईरान की वैश्विक कच्चे तेल की आपूर्ति में चार प्रतिशत से अधिक हिस्सेदारी है। यदि वहां तनाव बढ़ता है और उत्पादन बाधित होता है।

लाला लाजपत राय को भारत रत्न देने की मांग अभिमन्यु गुप्ता ने प्रधानमंत्री से किया आग्रह

नेशनल एक्सप्रेस ब्यूरो

आज सुप्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी, राष्ट्रवादी चिंतक और "पंजाब केसरी" के नाम से विख्यात लाला लाजपत राय जी के जन्मदिवस के पावन अवसर पर उन्हें भारत के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न से सम्मानित किए जाने की मांग उठी है। अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अभिमन्यु गुप्ता ने इस संबंध में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी से मरणोपरांत भारत रत्न प्रदान करने का आग्रह किया है।

अभिमन्यु गुप्ता ने कहा कि लाला लाजपत राय जी भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के ऐसे महानायक थे, जिन्होंने देश की आज़ादी के लिए अपना संपूर्ण जीवन समर्पित कर दिया। उन्होंने अंग्रेजी हुकूमत के विरुद्ध निर्भीक होकर संघर्ष किया और साइमन कमीशन के विरोध के दौरान अंग्रेजों की लाठियों से गंभीर रूप से घायल होकर शहीद हो गए। उनका बलिदान भारत के स्वतंत्रता आंदोलन के इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में अंकित है।

उन्होंने कहा कि लाला लाजपत राय न केवल एक प्रखर स्वतंत्रता सेनानी थे, बल्कि एक महान समाज सुधारक, शिक्षाविद् और राष्ट्रनिर्माता भी थे। उन्होंने युवाओं में राष्ट्रभक्ति की भावना जागृत की और स्वदेशी आंदोलन को नई दिशा दी। उनका जीवन त्याग, साहस और देशभक्ति की अनुपम मिसाल है। अभिमन्यु गुप्ता ने कहा कि ऐसे महान राष्ट्रनायक को भारत रत्न से सम्मानित करना न केवल उनके योगदान का सम्मान होगा, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को भी देशभक्ति और बलिदान की प्रेरणा देगा। उन्होंने विश्वास जताया कि केंद्र सरकार इस मांग पर गंभीरता से विचार करेगी।

उन्होंने अपने वक्तव्य के अंत में कहा, "लाला लाजपत राय अमर हैं और सदैव भारतवासियों के हृदय में जीवित रहेंगे।"

सीएटल में गौरव और उल्लास के साथ मनाया गया भारत का 77वाँ गणतंत्र दिवस

साध्वी भगवती सरस्वती की गरिमामयी उपस्थिति, नए कांसुलर एप्लीकेशन सेंटर का उद्घाटन और छत से फहराया गया तिरंगा बना आकर्षण

नेशनल एक्सप्रेस ब्यूरो

ऋषिकेश, भारत और वैश्विक भारतीय समुदाय के लिए यह अवसर अत्यंत गौरवपूर्ण रहा जब अमेरिका के सीएटल शहर में भारत का 77वाँ गणतंत्र दिवस पूरे सम्मान, उत्साह और गरिमा के साथ मनाया गया। कड़ाके की ठंड के बावजूद भारतीय मूल के नागरिकों और स्थानीय प्रशासन की सक्रिय सहभागिता ने इस आयोजन को ऐतिहासिक बना दिया।

इस विशेष अवसर पर परमार्थ निकेतन, ऋषिकेश की अंतरराष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त आध्यात्मिक लीडर डॉ. साध्वी भगवती सरस्वती जी की गरिमामयी उपस्थिति ने समारोह को विशेष ऊँचाई प्रदान की। उन्होंने अपने संदेश में कहा कि भारत केवल एक भू-भाग नहीं, बल्कि एक जीवंत चेतना है, जहाँ लोकतंत्र शासन व्यवस्था ही नहीं, बल्कि कर्तव्य, करुणा और सत्य का धर्म है। उन्होंने कहा कि भारतीय संविधान आधुनिक युग में ऋषियों की "वसुधैव कुटुम्बकम्" की भावना का साकार रूप है।

समारोह का शुभारंभ सीएटल स्थित फेडरल रिज़र्व भवन पर राष्ट्रीय ध्वज फहराने के साथ हुआ। इस अवसर पर सीएटल की मेयर सुश्री केटी विल्सन, भारत के काउंसल जनरल श्री प्रकाश गुप्ता, साध्वी भगवती सरस्वती जी सहित अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। कार्यक्रम

के दौरान नए इंडिया कांसुलर एप्लीकेशन सेंटर का उद्घाटन भी किया गया, जो अब सीएटल स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास के साथ सह-स्थित होगा। इस सेंटर की छत से तिरंगा फहराया गया, जो इतनी ऊँचाई पर स्थित है कि दूर पैसिफिक महासागर से भी दिखाई देता है।

मेयर केटी विल्सन ने अपने संबोधन में भारत और सीएटल के बीच लंबे समय से चले आ रहे मैत्रीपूर्ण संबंधों की सराहना की और भारत-अमेरिका सहयोग को और मजबूत करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की। वहीं काउंसल जनरल श्री प्रकाश गुप्ता ने भारतीय समुदाय को बेहतर सेवाएँ उपलब्ध कराने और द्विपक्षीय संबंधों को नई ऊँचाइयों तक ले जाने के लिए निरंतर प्रयासरत रहने की बात कही।

इस अवसर को और भी ऐतिहासिक बनाते हुए वॉशिंगटन स्टेट सीनेट ने विशेष सत्र आयोजित कर प्रस्ताव संख्या 8674 सर्वसम्मति से पारित किया, जिसमें भारत की लोकतांत्रिक विरासत, संवैधानिक मूल्यों और विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र के रूप में उसकी भूमिका को सम्मानित किया गया। यह प्रस्ताव भारतीय-अमेरिकी स्टेट सीनेटर मंका ढींगरा द्वारा प्रस्तुत किया गया तथा सीनेटर वंदना स्लैटर ने इसका समर्थन किया।

कार्यक्रम में 300 से अधिक भारतीय-अमेरिकी नागरिकों ने भाग लिया और देशभक्ति गीतों, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों तथा तिरंगे के सम्मान के साथ गणतंत्र दिवस को उत्सव के रूप में मनाया। साध्वी भगवती सरस्वती जी की उपस्थिति ने इस आयोजन को केवल एक समारोह नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति, लोकतंत्र और आध्यात्मिक मूल्यों का वैश्विक उत्सव बना दिया।

यह आयोजन न केवल भारत के 77वें गणतंत्र दिवस का उत्सव था, बल्कि भारत की विचारधारा, संस्कृति और लोकतांत्रिक चेतना का अंतरराष्ट्रीय मंच पर सशक्त और सम्मानजनक प्रदर्शन भी रहा।

देश को तोड़ने वाली ताकतों से सतर्क रहने की जरूरत: आचार्य प्रमोद कृष्णम

यूजीसी विधेयक, सनातन, योगी आदित्यनाथ और 2027 के चुनाव पर खुलकर बोले कल्कि धाम पीठाधीश्वर

नेशनल एक्सप्रेस ब्यूरो

हापुड़। श्री कल्कि धाम के पीठाधीश्वर आचार्य प्रमोद कृष्णम बुधवार को हापुड़ के गांव श्यामनगर पहुंचे, जहां उन्होंने एक अरिष्टि कार्यक्रम में भाग लिया। इस अवसर पर उन्होंने मीडिया से बातचीत करते हुए देश, समाज और राजनीति से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर अपनी बेबाक राय रखी।

आचार्य प्रमोद कृष्णम ने कहा कि भारत को आज उन ताकतों से सावधान रहने की आवश्यकता है जो देश को तोड़ने का प्रयास कर रही हैं। उन्होंने कहा कि कुछ लोग जाति और धर्म के नाम पर समाज में भेदभाव फैलाने की कोशिश कर रहे हैं, जबकि भारत की शक्ति उसकी एकता में निहित है। जाति और धर्म के आधार पर नफरत फैलाना राष्ट्रहित के खिलाफ है।

यूजीसी विधेयक को लेकर देशभर में हो रहे विरोध पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा कि भारत एक लोकतांत्रिक देश है और हर नागरिक को विरोध दर्ज कराने का अधिकार है। हालांकि, कोई भी ऐसा फैसला या आंदोलन उचित नहीं ठहराया जा सकता, जो समाज को विभाजित करने का कार्य करे। आचार्य प्रमोद कृष्णम ने कहा कि वर्ष 2027 का चुनाव अभी दूर है, लेकिन इसके लिए राजनीतिक चक्रव्यूह रचा जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस चक्रव्यूह में कंधा शंकराचार्य का बनाया जा रहा है, जबकि निशाना सनातन पर साधा जा रहा है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि यह लड़ाई किसी व्यक्ति की नहीं, बल्कि सनातन और सत्य की है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को लेकर पूछे गए सवाल पर आचार्य प्रमोद कृष्णम ने कहा कि उन्हें बदनाम करने के प्रयास किए जा रहे हैं, लेकिन अंततः सत्य की ही जीत होगी। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय राजनीतिक स्वार्थ से ऊपर उठकर राष्ट्रीय धर्म निभाने का है।

स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के साथ हुए कथित दुर्व्यवहार पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा कि स्थानीय पुलिस प्रशासन को संयम और संवेदनशीलता बरतनी चाहिए थी। उन्होंने कहा कि सनातन की सरकार में संतों का सम्मान सर्वोपरि होना चाहिए और इस पर किसी भी प्रकार का समझौता नहीं होना चाहिए।

आगामी चुनावों को लेकर उन्होंने कहा कि राजनीति की शतरंज बिछाई जा रही है, जिसमें कई लोग शकुनि और जयद्रथ की भूमिका निभा रहे हैं, लेकिन इतिहास गवाह है कि अंत में विजय सत्य और धर्म की ही होती है। यूजीसी के नए नियमों पर अपनी बात रखते हुए उन्होंने दोहराया कि समाज को बांटने वाला कोई भी निर्णय राष्ट्र के हित में नहीं हो सकता।

एटीएम से निकासी 2025 में घटी, प्रति लेनदेन की राशि बढ़ी

नयी दिल्ली, (भाषा) देश में एटीएम से नकद निकासी में 2025 के दौरान गिरावट देखी गई जबकि प्रति लेनदेन की औसत राशि बढ़ी है। बुधवार को एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। वित्तीय संस्थानों को लॉजिस्टिक समर्थन और एटीएम संचालन से जुड़ी सेवाएं देने वाली कंपनी सीएमएस इन्फो सिस्टम्स की रिपोर्ट 'भारत में उपभोग रुझान 2025' कहती है कि देश के भीतर उपभोक्ता खर्च के लिए नकद का इस्तेमाल अब भी बड़े पैमाने पर हो रहा है।

रिपोर्ट के मुताबिक, देशभर में एटीएम से मासिक औसत नकद निकासी 2025 में 1.21 करोड़ रुपये रही, जो वित्त वर्ष 2024-25 में 1.30 करोड़ रुपये थी। एटीएम से प्रति लेनदेन की औसत राशि 4.5 प्रतिशत बढ़कर 2025 में 5,835 रुपये हो गई, जबकि 2024 में यह 5,586 रुपये थी। सीएमएस ने एक बयान में कहा कि कस्बों और ग्रामीण क्षेत्रों में नकद निकासी की प्रवृत्ति अधिक रही, जहां प्रति एटीएम मासिक औसत निकासी 1.30 करोड़ रुपये रही जबकि महानगरों एवं शहरी क्षेत्रों में यह क्रमशः 1.18 करोड़ एवं 1.11 करोड़ रुपये थी।

यूजीसी का नया कानून और गुरुकुल की स्मृति: प्रो. गीता सिंह

कृष्ण—सुदामा की कुटिया से आज के विश्वविद्यालय तक

भारत में शिक्षा कभी केवल डिग्री अर्जन का साधन नहीं रही। वह समाज, संस्कृति और चरित्र-निर्माण की प्रक्रिया रही है। आज जब यूजीसी के नए कानून को लेकर देशभर में विश्वविद्यालयों, शिक्षकों और छात्रों के बीच असंतोष और विरोध की आवाज़ें उठ रही हैं, तब यह प्रश्न केवल किसी विधायी प्रावधान का नहीं रह जाता। यह प्रश्न बन जाता है—हम किस तरह की शिक्षा और किस तरह का समाज चाहते हैं?इस संदर्भ में भारतीय चेतना अनायास ही हमें उस समय की ओर ले जाती है, जब कृष्ण और सुदामा एक साथ संदीपनि आश्रम में शिक्षा ग्रहण कर रहे थे।गुरुकुल की उस कुटिया में न कोई रैंकिंग थी, न मान्यता एजेंसी, न केंद्रीकृत नियामक ढांचा। फिर भी वहाँ शिक्षा समान थी—राजकुमार और निर्धन ब्राह्मण के बीच कोई भेद नहीं। एक ही गुरु, एक ही श्रम, एक ही अनुशासन। उस शिक्षा का उद्देश्य न नौकरी था, न पद, बल्कि मनुष्य-निर्माण था। यही कारण है कि वही शिक्षा आगे चलकर समाज और राष्ट्र को दिशा देने वाली शक्ति बनी।आज यूजीसी के नए कानून के विरोध में उठ रही चिंताओं को इसी परिप्रेक्ष्य में समझने की आवश्यकता है। शिक्षकों और शिक्षाविदों की एक बड़ी चिंता यह है कि कहीं विश्वविद्यालयों की अकादमिक स्वायत्तता सीमित न हो जाए, कहीं शिक्षा अत्यधिक केंद्रीकरण की ओर न बढ़ जाए, और कहीं शिक्षक केवल नीति-पालक बनकर न रह जाए।गुरुकुल परंपरा में गुरु की स्वायत्तता उसकी सबसे बड़ी शक्ति थी। गुरु केवल पाठ्यक्रम पढ़ाने वाला नहीं, बल्कि जीवन का उदाहरण था। मूल्यांकन भी उसी के विवेक से होता था और शिक्षा समाज के यथार्थ से जुड़ी होती थी। आज यदि कानून इतने प्रभावी हो जाएँ कि शिक्षक का विवेक सीमित हो, नवाचार बाधित हो और शिक्षा स्थानीय सामाजिक संदर्भ से कट जाए, तो असंतोष स्वाभाविक है।यह कहना उचित नहीं होगा कि शिक्षा व्यवस्था में सुधार या नियमन की आवश्यकता नहीं है। आधुनिक समय में गुणवत्ता, पारदर्शिता और उत्तरदायित्व सुनिश्चित करने के लिए कानून आवश्यक हैं। किंतु प्रश्न यह है कि—क्या कानून शिक्षा की आत्मा को सशक्त बना रहे हैं या केवल उसके ढांचे को नियंत्रित कर रहे हैं?गुरुकुल में कानून नहीं थे, पर मर्यादा थी। नियम नहीं थे, पर संस्कार थे। शिक्षा का लक्ष्य समाज के प्रति उत्तरदायित्व और व्यक्ति के आंतरिक विकास से जुड़ा था। आज यूजीसी कानून के विरोध में जो स्वर उभर रहा है, उसमें यह चिंता भी निहित है कि कहीं शिक्षा धीरे-धीरे सामाजिक दायित्व से हटकर केवल बाज़ारोन्मुख न हो जाए।कृष्ण—सुदामा की शिक्षा हमें यह भी सिखाती है कि समानता केवल नीति से नहीं, दृष्टि से आती है। जब शिक्षा मनुष्य को केंद्र में रखती है, तब ही वह समावेशी और न्यायपूर्ण बनती है। यदि विश्वविद्यालय केवल प्रशासनिक इकाइयाँ बन जाएँ और शिक्षा एक प्रक्रिया मात्र रह जाए, तो वह समाज की चेतना से कट जाती है।इस विमर्श का उद्देश्य कानून का विरोध करना नहीं, बल्कि संवाद की आवश्यकता को रेखांकित करना है। नीति-निर्माण में शिक्षकों और अकादमिक समुदाय की सक्रिय भागीदारी, विविधता और स्थानीयता के प्रति सम्मान, तथा गुरु—शिष्य संबंध की गरिमा—ये किसी भी शिक्षा सुधार की आधारशिला होने चाहिए।अंततः सुदामा जब द्वारका पहुँचे, तो उनके पास न डिग्री थी, न पद। उनके पास था—गुरु से प्राप्त संस्कार, आत्मसम्मान और जीवन-दृष्टि। आज की शिक्षा व्यवस्था को भी यही प्रश्न स्वयं से पूछना होगा—क्या हम ऐसे मनुष्य गढ़ रहे हैं जो समाज को दिशा दें, या केवल तंत्र में समाहित हो जाएँ?यूजीसी का कोई भी नया कानून तभी सार्थक होगा, जब वह आधुनिक विश्वविद्यालयों में भी कृष्ण—सुदामा की उस कुटिया की आत्मा को जीवित रख सके।

(लेखिका CPDHE दिल्ली विश्वविद्यालय में निदेशक हैं।)

पीडब्ल्यूडी दिल्ली में धूल मुक्त चार 'आदर्श सड़कें' विकसित करेगा

नयी दिल्ली, (भाषा) दिल्ली की आबोहवा को धूल मुक्त बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) ने राष्ट्रीय राजधानी के चार प्रमुख मार्गों को 'आदर्श सड़क' के रूप में विकसित करने का फैसला लिया है। अधिकारियों का दावा है कि ये सड़कें पूरी तरह से धूल मुक्त होंगी।

यह प्रायोगिक परियोजना वायु प्रदूषण से निपटने के लिए 160 किलोमीटर लंबे सड़क नेटवर्क के पुनर्विकास की पीडब्ल्यूडी की एक व्यापक योजना का हिस्सा है।

अधिकारियों के अनुसार, इस परियोजना के लिए चार विशिष्ट सड़कों की पहचान की जाएगी, जहां गड्ढों की मरम्मत, पूरी सड़क को पक्का करने तथा वहां हरियाली बढ़ाने का काम किया जाएगा।

पीडब्ल्यूडी के एक अधिकारी ने कहा, ''अगर यह परियोजना सफल होती है, तो इसे दिल्ली की अन्य सड़कों पर भी लागू किया जाएगा। सड़कों की पहचान करने की प्रक्रिया जारी है। इन्हें पक्का किया जाएगा और धूल कम करने के अन्य उपाय लागू किए जाएंगे।''

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने इस महीने की शुरुआत में वायु प्रदूषण और सड़कों की धूल को नियंत्रित करने के उपायों पर चर्चा के लिए एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की थी। दिल्ली सरकार के मुताबिक, शहर की लगभग 3,300 किलोमीटर लंबी सड़कों को पुनर्निर्माण या उन्नयन की आवश्यकता है, जिसमें से लगभग 800 किलोमीटर सड़कें लोक निर्माण विभाग के अधीन हैं, 1,200 किलोमीटर नगर निगम के तहत आती हैं और लगभग 1,000 किलोमीटर अनधिकृत कॉलोनियों में हैं।

अधिकारियों ने बताया कि इस साल 160 किलोमीटर लंबी सड़कों को पक्का करने का लक्ष्य रखा गया है और व्यापक हरियाली कार्य के लिए 85.70 किलोमीटर लंबे सड़क मार्ग की पहचान की गई है। उन्होंने बताया कि परियोजना की कुल लागत 400 करोड़ रुपये से अधिक हो सकती है।

अधिकारियों के अनुसार, पीडब्ल्यूडी इस प्रस्तावित परियोजनाओं के तहत सड़कों के किनारों और उसके डिवाइडर को पूरी तरह से पक्का करने के साथ-साथ वहां पेड़-पौधे लगाने का भी काम करेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा, ''सड़कों की बार-बार खुदाई करने से बचने के लिए भूमिगत पाइप बिछाए जाएंगे। इसके लिए जल्द ही निविदाएं की जाएंगी। इस कार्य को एक वर्ष के भीतर पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।''

अधिकारियों ने बताया कि पीडब्ल्यूडी दो और परियोजनाओं पर काम शुरू करने जा रहा है। उन्होंने बताया कि पहली परियोजना के तहत, सड़कों के लिए 70 सफाई मशीनें और पानी की टंकियां, जबकि दूसरी परियोजना के तहत, धूल को उड़ने से रोकने के लिए पानी छिड़कने वाली 250 मशीनें तैनात की जाएंगी।

उत्तरपूर्वी दिल्ली में सड़क दुर्घटना में एक की मौत

नयी दिल्ली, (भाषा) उत्तरपूर्वी दिल्ली के सोनिया विहार इलाके में बुधवार सुबह एक सड़क दुर्घटना में 26 वर्षीय एक व्यक्ति की मौत हो गई और एक अन्य घायल हो गया। पुलिस ने यह जानकारी दी।

पुलिस ने बताया कि सुबह करीब आठ बजे सोनिया विहार थाने को इस घटना की जानकारी मिली और पुलिस की एक टीम तुरंत घटनास्थल पर पहुंची, जहां एक मोटरसाइकिल के पास दो घायल व्यक्ति पड़े मिले।

पुलिस ने बताया कि दोनों घायलों को तत्काल जेपीसी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने आयुष प्रताप सिंह को मृत घोषित कर दिया।

उन्होंने बताया कि दूसरे घायल व्यक्ति राज कुमार (30) का इलाज चल रहा है।

पुलिस ने बताया कि कानून की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है और दोषियों का पता लगाने और उन्हें गिरफ्तार करने के लिए जांच जारी है।

न्यायालय ने आतंकी वित्तपोषण के आरोपी कारोबारी की जमानत याचिका पर सुनवाई के लिए सहमति जताई

नयी दिल्ली, (भाषा) उच्चतम न्यायालय संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के उस कारोबारी की जमानत याचिका पर सुनवाई के लिए बुधवार को सहमत हो गया , जिसके खिलाफ कश्मीर घाटी में आतंकवाद के कथित वित्त पोषण को लेकर गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के तहत मामला दर्ज किया गया था।

न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, न्यायमूर्ति संदीप मेहता और न्यायमूर्ति एनवी अंजारिया की पीठ ने नवल किशोर कपूर की याचिका पर राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है।

याचिकाकर्ता की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता शादान फरासत ने बताया कि नवल किशोर कपूर सात साल से अधिक समय से हिरासत में है और आतंकवाद के वित्तपोषण का आरोप भी साबित नहीं हुआ है। उन्होंने दलील दी कि अभियोजन पक्ष के अनुसार, कपूर ने घाटी में अलगाववादी और आतंकवादी गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए ज़हूर अहमद शाह वटाली को कुछ पैसे दिए थे, लेकिन उस पैसे का इस्तेमाल बैंकों के ऋण चुकाने में किया गया था। कपूर ने पिछले साल दिल्ली उच्च न्यायालय द्वारा उनकी याचिका खारिज करने संबंधी आदेश को शीर्ष अदालत में चुनौती दी थी।

उच्च न्यायालय ने कहा था कि अभियोजन पक्ष ने प्रथम दृष्टया यह साबित कर दिया है कि आरोपी ने घाटी में अलगाववादी और आतंकवादी गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए भारत में विदेश से धन लाने में वटाली की सहायता की थी।

उच्च न्यायालय ने कपूर की उस याचिका को खारिज कर दिया था, जिसमें उसने अधीनस्थ अदालत के 2019 के आदेश को चुनौती दी थी। उक्त आदेश में उसे जमानत देने से इनकार कर दिया गया था। कपूर को जुलाई 2018 में गिरफ्तार किया गया था। आरोपियों में पाकिस्तान स्थित लश्कर-ए-तय्यबा प्रमुख हाफिज मोहम्मद सईद भी शामिल है, जिस पर विभिन्न संगठनों से प्राप्त धन का इस्तेमाल कर आगजनी और पथराव जैसी अन्य गैरकानूनी गतिविधियों को अंजाम देने का आरोप है।

एनआईए का दावा है कि अलगाववादी मुख्य रूप से हवाला नेटवर्क और बिचौलियों पर निर्भर थे, जो कश्मीर घाटी में भारत विरोधी गतिविधियों को अंजाम देने के लिए विदेशों से भारत में धन लाते थे।

जनवरी 2019 में कपूर के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया गया था, जिसमें उसे भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) और यूएपीए की धाराओं के तहत आरोपित किया गया था।

अदालत ने रोहिणी अदालत परिसर गोलीबारी मामले में किशोर को हत्या का दोषी करार दिया

नयी दिल्ली, (भाषा) दिल्ली की एक अदालत ने 2017 में यहां के रोहिणी अदालत परिसर के नजदीक 38 वर्षीय एक विचाराधीन कैदी की गोली मारकर हत्या करने के मामले में बुधवार को एक किशोर को दोषी करार दिया।

अदालत ने कहा कि आरोपी के खिलाफ मामला संदेह से परे साबित हुआ है।

अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश अमित सहरावत की अदालत किशोर के खिलाफ भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 302 (हत्या) और शस्त्र अधिनियम के प्रावधानों के तहत दाखिल आरोप पत्र पर सुनवाई कर रही थी।

विशेष लोक अभियोजक आदित्य कुमार ने बताया कि हरियाणा की जेल में बंद राजेश उर्फ काला को 29 अप्रैल, 2017 को रोहिणी जिला अदालत लाया जा रहा था, तभी अदालत परिसर के बाहर किशोर ने उसकी गोली मारकर हत्या कर दी। उन्होंने बताया कि नाबालिग को मौके पर ही पकड़ लिया गया।

अदालत ने अपने 41 पृष्ठों के आदेश में कहा कि घटना के चश्मदीद तीन पुलिस अधिकारियों ने अभियोजन पक्ष के मामले का समर्थन किया था और उनकी गवाही के अनुसार, नाबालिग को देसी पिस्तौल के साथ पकड़ा गया था।

फैसले में कहा गया कि फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला (एफएसएल) की रिपोर्ट में अभियोजन पक्ष के दावे की पुष्टि हुई क्योंकि रिपोर्ट में प्रमाणित किया गया घटनास्थल से बरामद गोली (जो पीड़ित को लगी थी) जब्त देसी पिस्तौल से दागी गई थी।

अदालत ने कहा कि गवाहों की गवाही और एफएसएल रिपोर्ट ने किशोर के खिलाफ मामले को बिना किसी संदेह के साबित कर दिया है।

न्यायाधीश ने नाबालिग को शस्त्र अधिनियम के तहत प्रतिबंधित हथियार या गोला-बारूद रखने और इस्तेमाल करने का दोषी पाया। अदालत उसकी सजा को लेकर बाद में दोनों पक्षों की दलीलें सुनेगी।

दिल्ली पुलिस के एएसआई ने घर पर की आत्महत्या

नयी दिल्ली, (भाषा) दिल्ली पुलिस के एक सहायक उपनिरीक्षक (एएसआई) ने बुधवार को यहां अपने आवास पर कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। बाहरी उत्तरी जिले की जिला जांच इकाई (डीआईयू) में ड्यूटी ऑफिसर के रूप में तैनात एएसआई रविंदर ने कथित तौर पर जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया, जिसके बाद वह अपने घर पर अस्वस्थ पाए गए। परिजन उन्हें हरियाणा के सोनीपत जिले के खरखोदा स्थित एक अस्पताल ले गए, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस के अनुसार, प्रारंभिक जानकारी से पता चलता है कि यह घटना तड़के घटी। अधिकारी ने कहा, ''उनकी (एएसआई की) हालत देखकर परिजन उन्हें तुरंत अस्पताल ले गए, लेकिन उन्हें बचाया नहीं जा सका।'' पुलिस के अनुसार, 1998 में दिल्ली पुलिस में भर्ती हुए रविंदर ने लगभग 28 वर्षों तक सेवा की और उनके परिवार में उनकी मां, पत्नी, एक बेटी तथा एक बेटा हैं।

जन सुरक्षा के मद्देनजर पायलट की थकान से जुड़े मानदंडो को नजर अंदाज नहीं किया जा सकता: उच्च न्यायालय

नयी दिल्ली, (भाषा) दिल्ली उच्च न्यायालय ने बुधवार को कहा कि पायलट की थकान से जुड़े डीजीसीए के नियमों का अनुपालन न किए जाने के कारण जन सुरक्षा को लेकर उत्पन्न चिंताओं को "नजरअंदाज" नहीं किया जा सकता है।

मुख्य न्यायाधीश डी के उपाध्याय और न्यायमूर्ति तेजस कारिया की पीठ ने डीजीसीए के पांच दिसंबर 2025 के फैसले के खिलाफ दाखिल एक जनहित याचिका (पीआईएल) पर सुनवाई के दौरान यह टिप्पणी की।

नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने इस फैसले के तहत पायलटों के लिए अनिवार्य थकान प्रबंधन नियमों में ढील प्रदान की थी।

यह जनहित याचिका हाल ही में इंडिगो की उड़ान संचालन में बड़े पैमाने पर हुई बाधा को ध्यान में रखते हुए दायर की गई थी।

पीठ ने मामले की सुनवाई बृहस्पतिवार के लिए सूचीबद्ध की और डीजीसीए के वकील को निर्देश प्राप्त करने को कहा।

पायलटों के लिए नए उड़ान-ड्यूटी मानदंडों को लागू करने के लिए एयरलाइन की पर्याप्त तैयारी न होने के कारण इंडिगो ने दिसंबर के पहले सप्ताह में देशभर में सैकड़ों उड़ानें रद्द कर दी थीं।

डीजीसीए ने पांच दिसंबर, 2025 को उड़ान ड्यूटी समय सीमा (एफडीटीएल) में छूट दी ताकि इंडिगो अधिक पायलट को ड्यूटी पर तैनात कर सके और व्यवधानों को कम करके परिचालन को सामान्य कर सके।

विमानन नियामक ने साप्ताहिक विश्राम अवधि के बदले छुट्टी लेने की अनुमति देकर उड़ान-ड्यूटी के नियमों में ढील दी है।

बुधवार को एयरलाइन के वकील ने कहा कि पायलटों द्वारा दायर एक याचिका पहले से ही उच्च न्यायालय की एकल न्यायाधीश पीठ के समक्ष लंबित है और जनहित याचिका दायर करने वाले याचिकाकर्ता का इस मामले से कोई लेना-देना नहीं है। हालांकि, अदालत ने कहा कि याचिकाकर्ता एक पूर्व विमान अभियंता है और यह मुद्दा आम जनता की सुरक्षा से जुड़ा है।

अदालत ने कहा, ''इस चिंता को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।''

पीठ ने कहा, ''इसका यात्रियों की सुरक्षा से सीधा संबंध है। जब तक नियमों को चुनौती नहीं दी जाती या उनमें कोई खामी नहीं पाई जाती, उन्हें लागू करना होगा। नियम कब से लागू हैं लेकिन उनका पालन नहीं हो रहा था। हम नियमों के औचित्य पर विचार नहीं कर रहे हैं। जब नियम लागू हैं, तो संशोधन होने तक इसका पालन किया जाना अनिवार्य है।'' हालांकि, अदालत ने यह भी माना कि याचिकाएं कभी-कभी नियामकों पर दबाव बनाती हैं और वे उसके आगे झुक जाते हैं।

अदालत ने डीजीसीए के वकील से कहा, ''हम इस पर कल सुनवाई करेंगे। कृपया निर्देश लेकर आइए।''

याचिकाकर्ता ने आरोप लगाया है कि थकान संबंधी नियमों में ढील अवैध रूप से केवल इंडिगो को दी गई और यह प्रथम दृष्टया दुर्भावनापूर्ण है।

हालांकि, अदालत ने कहा कि ढील से संबंधित अधिसूचना सभी एयरलाइनों पर लागू होती है।

याचिका में कहा गया है कि अंतरराष्ट्रीय नागरिक उड्डयन संगठन (आईसीएओ) के तहत डीजीसीए का दायित्व है कि वह पायलटों के थकान संबंधी नियमों को समान रूप से लागू करे, असुरक्षित रोस्टरिंग रोके, पर्याप्त कर्मचारी सुनिश्चित करे, एयरलाइनों की तैयारी का आकलन करे और नियमों का उल्लंघन करने वाले उड़ान कार्यक्रमों को निलंबित करे।--

दिल्ली हवाई अड्डे पर बुजुर्ग की मौत के बाद परिजनों ने हीरे की अंगूठी गायब होने का दावा किया, प्राथमिकी दर्ज

नयी दिल्ली, (भाषा) दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर अचानक तबीयत बिगड़ने के बाद जान गंवाने वाले 69 वर्षीय व्यक्ति के परिजनों ने आरोप लगाया है कि चिकित्सा आपात स्थिति के दौरान बुजुर्ग की पांच कैरेट की हीरे की अंगूठी गायब हो गई थी।

यह घटना चार जनवरी को तड़के घटी। बुजुर्ग के परिजनों द्वारा यह दावा किए जाने के बाद कि टर्मिनल तीन पर उनके (बुजुर्ग के) अचेत होने के दौरान मची अफरातफरी में व्यक्ति द्वारा पहनी गई कीमती वस्तुएं गायब हो गई, दिल्ली पुलिस ने मामला दर्ज किया।

प्राथमिकी के अनुसार, बुजुर्ग राजस्थान के निवासी थे और एक समूह के साथ अजरबैजान के बाकू जाने वाली उड़ान में सवार होने वाले थे, लेकिन प्रस्थान क्षेत्र में सुबह लगभग चार बजे अचानक अचेत हो गए। एयरपोर्ट स्टाफ ने मेडिकल टीम को सूचना दी, जो मौके पर पहुंची और सीपीआर देकर उन्हें होश में लाने की कोशिशें शुरू कीं। बुजुर्ग को आपातकालीन कक्ष में ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने बाद में उन्हें मृत घोषित कर दिया। पीड़ित के बेटे ने पुलिस को बताया कि उसके पिता लगभग 30 वर्षों से यह अंगूठी पहने हुए थे। उसने कहा, ''यह अंगूठी मेरी मां और परिवार के लिए बहुत मूल्यवान है क्योंकि यह मेरे पिता की आखिरी निशानी है।''

परिजनों का आरोप है कि चिकित्सा सहायता प्रदान करते समय हीरे की अंगूठी गायब हो गई। पुलिस ने बताया कि एयरपोर्ट पुलिस ने 24 जनवरी को मामला दर्ज किया। विस्तृत जांच जारी है और टीमें लापता वस्तुओं का पता लगाने के लिए प्रस्थान और चिकित्सा आपातकालीन क्षेत्रों के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही हैं।

77वें गणतंत्र दिवस का जश्न

डी ब्लॉक साकेत में उत्साह और राष्ट्रीय गर्व के साथ मनाया गया

नेशनल एक्सप्रेस ब्यूरो

77वें गणतंत्र दिवस का जश्नडी ब्लॉक साकेत के घर 136-219 के निवासियों ने मिलकर भारत के उत्साह और राष्ट्रीय गर्व के साथ मनाया। इस कार्यक्रम में राष्ट्रध्वज फहराने के बाद राष्ट्रगान हुआ, जिससे एक पवित्र और देशभक्ति का माहौल बन गया।

सामुदायिक एकता का प्रतीककार्यक्रम में विभिन्न आयु वर्ग के निवासियों ने सक्रिय भागीदारी की, जिससे एकता, सौहार्द और भारतीय संविधान के आदर्शों के प्रति सम्मान का प्रदर्शन हुआ।

राष्ट्र के प्रति समर्पण व्यक्त करते हुएइस अवसर पर स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदानों और राष्ट्र के प्रति नागरिकों की जिम्मेदारियों को भी याद किया गया।

निवासी कल्याण संघ ने सभी प्रतिभागियों को धन्यवाद दिया और गणतंत्र दिवस के इस कार्यक्रम को एक सार्थक और गरिमामय सामुदायिक आयोजन बनाने के लिए आभार व्यक्त किया।

सनातन धर्म को आज सबसे बड़ा खतरा आंतरिक विभाजन से : मोरारी बापू

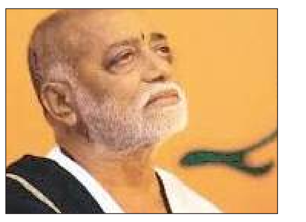

नई दिल्ली, (भाषा) प्रख्यात कथावाचक मोरारी बापू ने बुधवार को कहा कि सनातन धर्म को आज सबसे बड़ा खतरा आंतरिक विभाजन से है। उन्होंने उन संप्रदायों पर चिंता व्यक्त की जो मनगढंत देवताओं को स्थापित करने, बढ़ावा देने और पवित्र ग्रंथों में अनधिकृत बदलाव (क्षेपक) कर झूठी कथाएं प्रचारित कर रहे हैं।

मोरारी बापू ने यहां कहा, ''भले ही ऐसे संप्रदायों को अन्य शक्तिशाली 'गादियों' का समर्थन मिल जाए, लेकिन 'व्यास पीठ' उन्हें कभी मान्यता नहीं देगी। व्यास पीठ अनादि काल से सनातन धर्म के वास्तविक मूल्यों, शास्त्रों और भगवान राम, कृष्ण, शिव एवं मां दुर्गा जैसे आराध्य देवों के प्रति अडिग रही है।'' मोरारी बापू ने इसके साथ ही कहा कि सनातन धर्म को किसी ऐतिहासिक तिथि या कालखंड की सीमाओं में नहीं बांधा जा सकता। उन्होंने कहा कि यह धर्म सभी आध्यात्मिक परंपराओं का सार है। उन्होंने यह राय नयी दिल्ली के 'भारत मंडपम' में आयोजित नौ दिवसीय रामकथा के समापन पर व्यक्त की।

आनन्द डिग्री कॉलेज (855)
चाऊपुरा मौलवी, धनौरा (अमरोहा)

आवश्यकता है
प्राचार्य एवं सहायक प्रवक्ता:
हिंदी, अंग्रेजी, भूगोल,, समाजशास्त्र, अर्थशास्त्र, शिक्षा शास्त्र, गृह विज्ञान, गणित, भौतिक व रसायन विज्ञान, जंतु व वनस्पति विज्ञान, वाणिज्य। योग्यता व वेतन यूजीसी के अनुसार। योग्य अभ्यर्थी 07 कार्य दिवसों में अपना आवेदन पत्र समस्त शैक्षणिक प्रमाण-पत्रों सहित तीन प्रतियों में महाविद्यालय में जमा करवाएं।
सम्पर्क करें:
प्रबंधक 9927404252

कार्यालय नगर पालिका परिषद गंगाघाट, उन्नाव

नगर गंगाघाट को बनाये नं0-1
"नागरिकों से अपील

1. पालीथीन की बिक्री व उपयोग पूर्णतः प्रतिबन्धित है। निरीक्षण के दौरान प्रतिबन्धित पालीथीन की विकी व उपयोग पाये जाने पर सामग्री जब्त करते हुये जुर्माना भी हो सकता है। किसी भी प्रकविकी प्लास्टिक / थर्माकोल के बैग गिलास, कप, प्लेट थाली आदि का प्रयोग स्वास्थ्य एवं पर्यावरण की दृष्टि से हानिकारक है, इसलिये इसका उपयोग कदापि न करें।

2 प्लास्टिक / थर्माकोल के बैग, गिलास, कप, प्लेट, थाली आदि के स्थान पर कपड़े कागज आदि द्वारा निर्मित उत्पाद का प्रयोग, मानवहित, स्वास्थ्य व पर्यावरण की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। कोई भी दुकानदार, थोक विक्रेता, ठेला वालों, फेरी वालों, फल वालों, सब्जी वालों सहित अन्य जनमानस द्वारा प्लास्टिक / थर्माकोल के बैग, गिलास, कप, प्लेट, थाली आदि का प्रयोग / क्रय / विक्रय करते हुए पाया जाता है तो वह ठोस अपशिष्ट प्रबन्धन की नीति के क्रम में नगर पालिका उपविधि के अन्तर्गत पेनाल्टी / जुर्माना शुल्क वसूल किया जायेगा।

3. नगर पालिका सीमान्तर्गत भवन निर्माण सामग्री (निष्प्रयोज्य सामग्री) को खुली जगहों (खाली प्लॉट एवं सड़क किनारे) पर फेंकने पर एस०डब्लूएम० नियम 2016 तथा नगर पालिका उपविधि के अनुसार प्रथम बार उल्लंघन करने पर रु० 500/- तथा पुनरावृत्ति पाये जाने पर रु० 1000/- प्रति प्रकरण जुर्माना हो सकता है। कोई भी व्यक्ति सी० एण्ड डी० वेस्ट से सम्बन्धित सूचना स्वच्छ भारत मिशन प्रगारी के मो० नं0 8382035276 पर देकर सी०एण्ड डी० वेस्ट से सम्बन्धित सेवायें नियमानुसार पालिका से प्राप्त कर सकता है। सार्वजनिक मार्ग / नाली पर मलबा डालने पर उपरोक्तानुसार जुर्माना वसूल किया जायेगा।

समस्त सदस्यगण
न०पा०प० गंगाघाट, उन्नाव

कौमुदी पाण्डेय अध्यक्ष
न०पा०प० गंगाघाट, उन्नाव

पैंतीस वर्ष से कम आयु के रोगियों में पाए जाते हैं 60 प्रतिशत मानसिक विकार : भारतीय मनोरोग सोसायटी

नयी दिल्ली, (भाषा) विशेषज्ञों का मानना है कि लगभग 60 प्रतिशत मानसिक विकार 35 वर्ष से कम आयु के व्यक्तियों में पाए जाते हैं। भारतीय मनोरोग सोसायटी के 77वें वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन (एएनसीआईपीएस-2026) में भारत के मानसिक स्वास्थ्य परिदृश्य की एक बेहद चिंताजनक तस्वीर सामने आई है।

उच्च स्तरीय वैज्ञानिक विचार-विमर्श के दौरान साझा किए गए आंकड़ों से यह स्पष्ट होता है कि भारत में मानसिक बीमारी अब वृद्धावस्था के चरणों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि किशोरों, युवाओं और करियर के अपने सबसे उत्पादक वर्षों में भी लोगों को मानसिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। भारतीय मनोरोग सोसायटी का यह चार दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन 28 से 31 जनवरी तक दिल्ली के यशोभूमि में आयोजित किया जा रहा है, और इसमें देश भर से हजारों मनोचिकित्सक, चिकित्सक, शोधकर्ता और नीति निर्माता एक साथ आए हैं। एएनसीआईपीएस-2026 में विशेषज्ञों ने इस बात पर प्रकाश डाला कि मानसिक विकार की समस्या कम उम्र में अक्सर किशोरावस्था या युवावस्था के दौरान सामने आती है, और इनके शुरू होने की औसत आयु 19 से 20 वर्ष के बीच होती है।

इस सम्मेलन में प्रस्तुत वैश्विक और भारतीय अध्ययन एक गंभीर तस्वीर पेश करते हैं।

'मॉलिक्यूलर साइकियाट्री' नामक पत्रिका में प्रकाशित बड़े पैमाने के एक अंतरराष्ट्रीय अध्ययन में सात लाख से अधिक व्यक्तियों पर नजर रखी गई। अध्ययन से पता चला है कि मानसिक विकार की 34.6 प्रतिशत समस्या 14 वर्ष की आयु से पहले, 48.4 प्रतिशत 18 वर्ष की आयु से पहले और 62.5 प्रतिशत 25 वर्ष की आयु तक शुरू हो जाती है। इन निष्कर्षों से पता चलता है कि अधिकांश रोगियों के लिए मानसिक बीमारी वयस्कता से काफी पहले शुरू हो जाती है, जो चुपचाप शैक्षिक परिणामों, करियर पथों, रिश्तों और जीवन की समग्र गुणवत्ता को प्रभावित करती है।

विशेषज्ञों ने बताया कि 25 वर्ष की आयु तक, ध्यान अभाव अतिसक्रियता विकार (एडीएचडी), चिंता विकार और खाने संबंधी मानसिक विकारों के अधिकांश मामले सामने आ चुके होते हैं।

अवसाद, मादक पदार्थों के सेवन संबंधी विकार और व्यवहार संबंधी लत जैसी समस्याएं पहले की तुलना में कम उम्र में भी सामने आ रही हैं।

भारतीय मनोरोग सोसायटी ने चेतावनी दी है कि जब मानसिक विकार शुरुआती अवस्था में होते हैं और उनका उपचार नहीं किया जाता है, तो वे अक्सर दीर्घकालिक हो जाते हैं, जिससे व्यक्ति को दीर्घकालिक नुकसान होता है। एएनसीआईपीएस-दिल्ली के आयोजन सचिव और होप केयर इंडिया के निदेशक डॉ. दीपक रहेजा ने कहा कि ये आंकड़े तत्काल कार्रवाई की मांग करते हैं।

डॉ. रहेजा ने कहा, ''जब 60 प्रतिशत मानसिक विकार 35 वर्ष से कम आयु के लोगों को प्रभावित कर रहे हैं, तो यह स्पष्ट हो जाता है कि भारत का मानसिक स्वास्थ्य संकट हमारी पिछली धारणा से कहीं अधिक तेजी से सामने आ रहा है। ये वो वर्ष हैं जब व्यक्ति पढ़ाई कर रहे होते हैं, अपना करियर बना रहे होते हैं और समाज में योगदान दे रहे होते हैं। मानसिक विकार की जल्दी पहचान, स्कूल और कॉलेज आधारित मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम; ये हमारे राष्ट्र के भविष्य की रक्षा के लिए आवश्यक हैं।

संविलियन विद्यालय मलेशिया में तिथि भोजन कार्यक्रम आयोजित

नेशनल एक्सप्रेस/धनौरा। विकास खंड के गांव मलेशिया स्थित संविलियन विद्यालय में तिथि भोजन कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यार्थियों को विशेष भोजन कराया गया। कार्यक्रम के दौरान बच्चों को खीर, पूरी एवं सब्जी परोसी गई, जिसे बच्चों ने उत्साहपूर्वक ग्रहण किया। विद्यालय की इंचार्ज रानी शशि दिवाकर ने बताया कि शासन के निर्देशानुसार विद्यालय में तिथि भोजन कार्यक्रम नियमित रूप से संचालित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बच्चों को पौष्टिक एवं सुरक्षित भोजन उपलब्ध कराने के साथ-साथ स्वच्छता और साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखा जाता है। तिथि भोजन कार्यक्रम के दौरान विद्यालय परिसर में व्यवस्था सुचारु रही। बच्चों में भोजन को लेकर उत्साह देखा गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को संतुलित आहार उपलब्ध कराना तथा उनकी विद्यालय उपस्थिति को प्रोत्साहित करना है।

डिप्टी सीएमओ ने सीएचसी का किया निरीक्षण, व्यवस्थाएं पाई संतोषजनक

नेशनल एक्सप्रेस संवाददाता

धनौरा। डिप्टी सीएमओ डॉ. सतीश भास्कर ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण का उद्देश्य स्वास्थ्य सेवाओं की वास्तविक स्थिति का आकलन करना था। निरीक्षण के दौरान अस्पताल की सभी व्यवस्थाएं मानकों के अनुरूप पाई गईं, जिस पर डिप्टी सीएमओ ने संतोष व्यक्त किया।

डॉ. सतीश भास्कर ने दोपहर में अस्पताल पहुंचकर सर्वप्रथम उपस्थिति पंजिका का अवलोकन किया, जिसमें सभी चिकित्सक व कर्मचारी उपस्थित मिले। इसके उपरांत उन्होंने ओपीडी, प्रसव कक्ष, दवा वितरण केंद्र एवं वार्डों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने मरीजों से संवाद कर उपलब्ध कराई जा रही स्वास्थ्य सुविधाओं की जानकारी भी ली। निरीक्षण में अस्पताल परिसर की साफ-सफाई उत्कृष्ट पाई गई। दवा स्टॉक की जांच में सभी आवश्यक दवाएं पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध मिलीं। मरीजों द्वारा बाहर से दवा लिखने संबंधी कोई शिकायत नहीं पाई गई। डिप्टी सीएमओ ने कहा कि अस्पताल की व्यवस्थाएं संतोषजनक हैं तथा सरकार की स्वास्थ्य योजनाओं का लाभ पारदर्शी तरीके से आमजन तक पहुंचाया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान अभिषेक वर्मा, विनोद कुमार, शैली यादव एवं डॉ. कुलदीप शर्मा भी उपस्थित रहे। टीम द्वारा अस्पताल के अभिलेखों व तकनीकी पहलुओं का भी निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के उपरांत डिप्टी सीएमओ ने स्टाफ को निर्देश दिए कि मरीजों के साथ विनम्र व्यवहार करते हुए इसी सेवा भाव से कार्य करते रहें।

कानून व्यवस्था को लेकर बछरायूं क्षेत्र में पैदल गश्त

नेशनल एक्सप्रेस संवाददाता

बछरायूं। क्षेत्राधिकारी अंजली कटारिया ने थानाध्यक्ष कुलदीप सिंह एवं पुलिस बल के साथ थाना क्षेत्र के विभिन्न इलाकों में पैदल गश्त कर कानून एवं सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। पैदल गश्त के दौरान पुलिस अधिकारियों ने मुख्य मार्गों, चौराहों, बाजारों एवं संवेदनशील स्थलों पर भ्रमण किया। इस दौरान संदिग्ध व्यक्तियों व वाहनों की जांच की गई तथा स्थानीय नागरिकों से संवाद कर उनकी समस्याएं सुनी गईं। पुलिस द्वारा आमजन से अपील की गई कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को दें। क्षेत्राधिकारी ने निर्देश दिए कि अपराध नियंत्रण एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए नियमित रूप से पैदल गश्त की जाए।

उन्होंने कहा कि पुलिस की सक्रिय उपस्थिति से असामाजिक तत्वों पर प्रभावी नियंत्रण रहेगा तथा आम नागरिकों में सुरक्षा की भावना मजबूत होगी। गश्त के दौरान महिला सुरक्षा, यातायात व्यवस्था तथा भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दिया गया। पुलिस बल को सतर्क रहकर ड्यूटी करने तथा जनता के साथ सौहार्दपूर्ण व्यवहार बनाए रखने के निर्देश दिए गए। पुलिस प्रशासन ने नागरिकों से सहयोग की अपील करते हुए कहा कि पुलिस और जनता के आपसी समन्वय से ही क्षेत्र में कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखी जा सकती है।

विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण को लेकर डीएम ने राजनीतिक दलों के साथ की बैठक

नेशनल एक्सप्रेस ब्यूरो

अमरोहा। विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण के अंतर्गत जिला निर्वाचन अधिकारी निधि गुप्ता वत्स की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट कार्यालय में समस्त मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय एवं राज्यीय राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों व पदाधिकारियों के साथ बैठक आयोजित की गई।

बैठक में 27 जनवरी तक प्राप्त फार्म-6, 7 एवं 8 की स्थिति की जानकारी दी गई। साथ ही 31 जनवरी को प्रत्येक बूथ पर आयोजित होने वाले विशेष अभियान दिवस तथा 1 फरवरी को विशेष अभियान दिवस आयोजित न किए जाने के संबंध में अवगत कराया गया। राजनीतिक दलों को दावे एवं आपत्तियों से संबंधित फार्म-9, 10, 11, 11ए एवं 11बी की सूचियां भी उपलब्ध कराई गईं। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि अर्हता तिथि 1 जनवरी के आधार पर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों का विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्य किया जा रहा है। 31 जनवरी को जनपद की सभी विधानसभाओं के प्रत्येक बूथ पर आलेख्य प्रकाशित मतदाता सूची एवं एएसडीडी सूची का वाचन किया जाएगा। इस दौरान फार्म-6, 7, 8 एवं घोषणा पत्र उपलब्ध रहेंगे और पात्र नागरिकों से भरे हुए फार्म प्राप्त किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि 6 जनवरी से 6 फरवरी तक दावे व आपत्तियां प्राप्त की जाएंगी। राजनीतिक दलों से अपील की गई कि वे विशेष अभियान दिवस पर अपने बूथ लेवल एजेंटों की उपस्थिति सुनिश्चित करें। बैठक में उप जिला निर्वाचन अधिकारी गरिमा सिंह, डिप्टी कलेक्टर बृजपाल सिंह सहित विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

वेंकटेश्वरा विवि के सहयोग से जोया टोल प्लाजा पर नि:शुल्क नेत्र एवं स्वास्थ्य परीक्षण शिविर

नेशनल एक्सप्रेस ब्यूरो

अमरोहा। सड़क सुरक्षा माह के अंतर्गत जनहित को ध्यान में रखते हुए जोया टोल प्लाजा पर निःशुल्क नेत्र एवं स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का शुभारंभ प्रतिकुलपति डॉ राजीव त्यागी ने फीता काट कर किया। शिविर में चालकों की नेत्र संबंधी समस्याओं की समय रहते पहचान कर सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम तथा सुरक्षित यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ करना रहा। शिविर में ट्रक, बस, टेंपो, ऑटो रिक्शा, मोटरसाइकिल सहित विभिन्न प्रकार के वाहनों के चालकों की आंखों की जांच की गई। वेंकटेश्वरा यूनिवर्सिटी की चिकित्सक टीम द्वारा आधुनिक उपकरणों के माध्यम से कुल 230 वाहन चालकों का नेत्र एवं स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। जांच के उपरांत आवश्यकता अनुसार निःशुल्क दवाइयों का वितरण भी किया गया। चिकित्सकों एवं यातायात प्रभारी द्वारा वाहन चालकों को आंखों की देखभाल, नियमित नेत्र परीक्षण, थकान से बचाव एवं सुरक्षित वाहन संचालन के संबंध में जागरूक किया गया। चालकों को बताया गया कि नियमित स्वास्थ्य जांच स्वयं के साथ-साथ अन्य सड़क उपयोगकर्ताओं की सुरक्षा के लिए भी आवश्यक है।इस अवसर पर टोल प्लाजा कर्मचारी, यातायात पुलिस, थाना पुलिस तथा परिवहन विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने सहयोग प्रदान किया। सड़क सुरक्षा माह के दृष्टिगत यातायात पुलिस एवं थाना पुलिस द्वारा संयुक्त अभियान भी चलाया गया। अभियान के दौरान यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले 330 वाहनों के विरुद्ध मोटर वाहन अधिनियम के अंतर्गत कार्रवाई की गई।

स्वच्छ पर्यावरण व स्वस्थ जीवन पर वैज्ञानिक जागरूकता कार्यक्रम का हुआ आयोजन

नेशनल एक्सप्रेस ब्यूरो

अमरोहा। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद उत्तर प्रदेश, लखनऊ के तत्वावधान में जिला विज्ञान क्लब अमरोहा द्वारा ए.के.के. इंटर कॉलेज में स्वच्छ पर्यावरण एवं स्वस्थ जीवन हेतु वैज्ञानिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने भाषण एवं पोस्टर प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता अपर जिलाधिकारी धीरेंद्र प्रताप ने की, जबकि मुख्य अतिथि नगर पालिका परिषद अध्यक्ष शशि जैन रहीं। पोस्टर प्रतियोगिता में आई.एम. इंटर कॉलेज के शादमन ने प्रथम, ज्योति शिक्षा सदन इंटर कॉलेज की दीपिका ने द्वितीय तथा कुंदन मॉडर्न इंटर कॉलेज के अनमोल ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। भाषण प्रतियोगिता में आले अहमद कन्या इंटर कॉलेज की कनीज फातिमा प्रथम, ए.के.के. इंटर कॉलेज के मोहम्मद हरीश द्वितीय तथा राजकीय बालिका इंटर कॉलेज की सुबीया मेहताब तृतीय रहीं। कार्यक्रम के दौरान वैज्ञानिक व्याख्यान भी आयोजित किए गए। विज्ञान संचारक अंजली ढाका ने खाद्य पदार्थों में मिलावट की पहचान पर जानकारी दी, जबकि राजेंद्र कुमार आहुजा ने जल कृषि विषय पर विस्तार से प्रकाश डाला। पालिकाध्यक्ष शशि जैन ने पर्यावरण संरक्षण को समय की आवश्यकता बताया। अपर जिलाधिकारी धीरेंद्र प्रताप ने कहा कि स्वच्छ पर्यावरण से ही स्वस्थ जीवन संभव है। प्रधानाचार्य आदिल अब्बासी ने विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया।

अपराध नियंत्रण को लेकर जनपद भर में पुलिस की पैदल गश्त

नेशनल एक्सप्रेस ब्यूरो

अमरोहा। पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनन्द के निर्देशन में जनपद के समस्त थाना प्रभारियों द्वारा अपराध नियंत्रण एवं कानून व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने के उद्देश्य से अपने-अपने थाना क्षेत्रों में पैदल गश्त की गई।

पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने मुख्य मार्गों, चौराहों, बाजारों तथा संवेदनशील स्थानों पर भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। पैदल गश्त के दौरान संदिग्ध व्यक्तियों एवं वाहनों की जांच की गई तथा आमजन से संवाद कर सुरक्षा से संबंधित फीडबैक भी लिया गया। पुलिस ने लोगों से अपील की कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल संबंधित थाने को दें। गश्त के दौरान बाजारों एवं सार्वजनिक स्थलों पर असामाजिक तत्वों पर विशेष नजर रखी गई।

पुलिस बल की सक्रिय मौजूदगी से आम नागरिकों में सुरक्षा की भावना बनी रही। थाना प्रभारियों द्वारा महिला सुरक्षा, यातायात व्यवस्था एवं भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दिया गया। पुलिस अधीक्षक ने निर्देश दिए कि इस प्रकार की पैदल गश्त नियमित रूप से जारी रखी जाए, ताकि अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित किया जा सके और कानून व्यवस्था बनी रहे। उन्होंने कहा कि जनपद में शांति एवं सौहार्द बनाए रखना पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है। पुलिस प्रशासन ने आमजन से सहयोग की अपील करते हुए कहा कि पुलिस और जनता के बीच बेहतर समन्वय से ही सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित किया जा सकता है।

प्रेमनगर पुलिस ने 17 साल से फरार लूट के वारंटी को किया गिरफ्तार

- एसीजेएम-5 न्यायालय से जारी वारंट पर आरोपी को घर से दबोचा, न्यायालय में किया गया पेश

नेशनल एक्सप्रेस

बरेली। थाना प्रेमनगर पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए माननीय न्यायालय से 17 वर्षों से गैरहाजिर चल रहे लूट के एक वारंटी अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बरेली के निर्देश पर चलाए जा रहे वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी अभियान के तहत की गई। पुलिस के अनुसार माननीय एसीजेएम-5 न्यायालय, बरेली से वाद संख्या 1023/97 धारा 392/411 भादवि (सरकार बनाम राममोहन) में लंबे समय से फरार चल रहे अभियुक्त संतोष उर्फ गुड्डू पुत्र रामपाल सिंह, निवासी नवादा शेरखान, थाना बारादरी, बरेली को दिनांक 27 जनवरी 2026 को उसके घर से गिरफ्तार किया गया।

पूछताछ के दौरान अभियुक्त ने स्वीकार किया कि वह वर्ष 2009 से उक्त मुकदमे में न्यायालय में पेश नहीं हुआ था। पुलिस ने गिरफ्तार अभियुक्त को अग्रिम विधिक कार्रवाई हेतु माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। गिरफ्तार अभियुक्त संतोष उर्फ गुड्डू के विरुद्ध थाना प्रेमनगर में लूट और माल बरामदगी से संबंधित गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज है। पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र में कानून-व्यवस्था को लेकर सकारात्मक संदेश गया है। पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक सुरेन्द्र कुमार, थाना प्रेमनगर उप निरीक्षक ऋषिपाल सिंह, कांस्टेबल अमरीश कुमार मौजूद रहे।

जिला अस्पताल में बैठे स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी दे रहे जांच की पुड़िया, सेटिंग की गोली

- बरेली स्वास्थ्य विभाग की मिलीभगत से अवैध स्वास्थ्य संस्थान और झोला छाप डॉक्टरों की बल्ले-बल्ले

नेशनल एक्सप्रेस

बरेली उत्तर प्रदेश के बरेली जिले में झोला छाप डॉक्टरों और अवैध क्लीनिकों का बोलबाला जारी है। स्वास्थ्य विभाग की कथित मिलीभगत और लापरवाही के चलते गली-गली, कस्बों से लेकर देहात तक फर्जी क्लीनिक और हॉस्पिटल खुलेआम चल रहे हैं। इन अवैध केंद्रों पर बिना किसी योग्यता या लाइसेंस के इलाज किया जा रहा है, जिससे मरीजों की जान खतरे में पड़ रही है।

हाल ही में मीरगंज कस्बे में एक युवती की झोला छाप डॉक्टर की लापरवाही से मौत हो गई। खरीदारी के दौरान तबीयत बिगड़ने पर उसे तुरंत एक ऐसे क्लीनिक में ले जाया गया, जहां बिना उचित जांच और इलाज के उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजने की सलाह दी गई। परिजनों के पहुंचने तक युवती की मौत हो चुकी थी। स्थानीय सूत्रों का कहना है कि स्वास्थ्य विभाग की मेहरबानी से ही क्षेत्र में झोला छाप डॉक्टरों की संख्या दिन-ब-दिन बढ़ रही है।बरेली जिले के बहेड़ी, शेरगढ़ और अन्य इलाकों में दर्जनों से ज्यादा अवैध हॉस्पिटल और क्लीनिक चल रहे हैं, जहां बिना एमबीबीएस डिग्री या किसी मान्यता के इलाज हो रहा है। ये झोला छाप डॉक्टर गंभीर बीमारियों का भी इलाज करने का दावा करते हैं, लेकिन उनके पास न तो उचित उपकरण हैं और न ही योग्य चिकित्सक। मरीजों को गलत दवाइयां देकर उनकी जान से खिलवाड़ किया जा रहा है।

बरेली में पहले भी कई बार फर्जी क्लीनिकों पर छापेमारी हुई है, लेकिन कार्रवाई महज दिखावटी साबित होती है। नामचीन अस्पतालों के नाम पर गांवों में फर्जी शाखाएं चलाई जा रही हैं। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी इनके खिलाफ सख्त कदम नहीं उठा रहे, जिससे इन झोला छापों में बेखौफ होकर काम करने का हौसला बढ़ रहा है।

स्थानीय लोगों का आरोप है कि विभाग की मिलीभगत के बिना इतनी बड़ी संख्या में अवैध क्लीनिक नहीं चल सकते।

एक तरफ सरकार झोला छाप डॉक्टरों के खिलाफ अभियान चलाने का दावा करती है, वहीं दूसरी तरफ बरेली जैसे जिलों में इनकी खुली छूट है। प्रशासन से मांग की जा रही है कि तत्काल प्रभाव से जिले भर में छापेमारी अभियान चलाया जाए, सभी अवैध क्लीनिक सील किए जाएं और जिम्मेदार अधिकारियों पर विभागीय कार्रवाई हो। अगर समय रहते सख्त कदम नहीं उठाए गए तो किसी बड़े हादसे का अंदेशा बना हुआ है।

बरेली से निकले निलंबित सिटी मजिस्ट्रेट अलंकार, काफिले के आगे लेटे समर्थक

- पुलिस से जोरदार नोक झोंक धक्का-मुक्की, और हंगामा

नेशनल एक्सप्रेस

बरेली। पुलिस प्रशासन के लिए राहत की सांस निलंबित सिटी मजिस्ट्रेट और पीसीएस अधिकारी अलंकार अग्निहोत्री को बुधवार भारी पुलिस सुरक्षा के बीच बरेली से रवाना किया गया। उनके रवाना होने से पहले समर्थक उनकी गाड़ियों के काफिले के आगे सड़क पर लेट गए। समर्थकों को हटाने की कोशिश में पुलिस अफसरों से धक्का-मुक्की हुई, जिसमें कई इंस्पेक्टर और दरोगा सड़क पर गिर पड़े। मौके पर काफी देर तक हंगामा चलता रहा। करीब एक घंटे की मशक्कत और समझाइश के बाद पुलिस ने स्थिति को नियंत्रण में लिया। इसके बाद पांच गाड़ियों के काफिले में, कड़े सुरक्षा घेरे के बीच अलंकार अग्निहोत्री को बरेली से रवाना किया गया। काफिले के साथ बड़ी संख्या में पुलिस बल और पीएसी के जवान तैनात रहे।

रातभर समर्थकों का डेरा, सुबह से नारेबाजी: अलंकार अग्निहोत्री के समर्थन में उनके समर्थक पूरी रात एटीएम कंपाउंड के बाहर डेरा डाले रहे। सुबह होते ही नारेबाजी और प्रदर्शन तेज हो गया। समर्थक लगातार यूजीसी रोल बैक करो, अलंकार अग्निहोत्री तुम संघर्ष करो, हम तुम्हारे साथ हैं, जैसे नारे लगाते रहे। इलाके में भारी पुलिस बल तैनात रहा और हर गतिविधि पर नजर रखी जाती रही।

काफिले के साथ निकलते समय समर्थकों का किया अभिवादन: जब अलंकार अग्निहोत्री पुलिस के कड़े सुरक्षा घेरे और पांच गाड़ियों के काफिले के साथ रवाना हुए, तो उन्होंने समर्थकों का अभिवादन किया। उन्होंने हाथ उठाकर विक्ट्री चिन्ह बनाया और समर्थकों से संयम बनाए रखने की अपील की।

उन्होंने कहा कि वह जा रहे हैं, लेकिन सभी लोग अपना ध्यान रखें और यूजीसी कानून को काला कानून बताते हुए उसके वापस लिए जाने तक संवैधानिक तरीके से विरोध जारी रखें।

रवाना होने के बाद प्रशासन ने ली राहत की सांस

अलंकार अग्निहोत्री के बरेली से रवाना होने के बाद पुलिस और प्रशासन ने राहत की सांस ली। अधिकारियों का कहना है कि पूरे घटनाक्रम के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखना बड़ी चुनौती था, लेकिन किसी बड़ी अप्रिय घटना से हालात संभाल लिए गए। फिलहाल प्रशासन पूरे मामले पर नजर बनाए हुए है और आगे की रणनीति शासन के निर्देशों के अनुसार तय की जाएगी।

परिवार की चिंता बनी रवाना होने की वजह

सूत्रों के अनुसार अलंकार अग्निहोत्री के मोबाइल पर उनकी पत्नी और परिवार के अन्य सदस्यों के बार-बार कॉल आ रहे थे। बताया गया कि घर में बच्चों की तबीयत खराब है। इसी पारिवारिक कारण से उन्होंने बरेली से रवाना होने का फैसला किया। हालांकि पहले उनका इरादा प्रयागराज जाने का था, लेकिन अब सूत्रों के हवाले से बताया जा रहा है कि वह पहले कानपुर जाएंगे।

सिटी मजिस्ट्रेट अलंकार अग्निहोत्री हाउस अरेस्ट, शहर में हाई अलर्ट

नेशनल एक्सप्रेस

बरेली / सिटी मजिस्ट्रेट अलंकार अग्निहोत्री को हाउस अरेस्ट किए जाने की सूचना से प्रशासनिक हलचल तेज हो गई है। उनके आवास के अंदर और बाहर कई थानों की पुलिस फोर्स के साथ पीएसी तैनात कर दी गई है। आज दामोदर पार्क में ब्राह्मण समाज के लोगों के एकत्रित होने का कार्यक्रम प्रस्तावित था। इसे देखते हुए दामोदर पार्क और आसपास के पूरे क्षेत्र में पीएसी की चप्पे-चप्पे पर कड़ी निगरानी की जा रही है।सिटी मजिस्ट्रेट के आवास पर कई स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। वहीं पुलिस प्रशासन की विभिन्न एजेंसियां अलर्ट मोड पर हैं और अलग-अलग स्तर पर निगरानी की जा रही है। सूत्रों के अनुसार, कुछ दिन पहले एक एडिटोरियल हाल में आयोजित ब्राह्मण समाज के कार्यक्रम में कई प्रमुख लोग मौजूद थे। इसके बाद से समाज के लोगों में सिटी मजिस्ट्रेट अलंकार अग्निहोत्री को लेकर चिंता बढ़ गई है। इस कार्यक्रम में कौन-कौन लोग शामिल थे, इसे लेकर मोबाइल ग्रुप्स के जरिए गोपनीय जांच की जा रही है। अपने बयान में सिटी मजिस्ट्रेट ने कहा है कि उन्हें किसी अज्ञात स्थान पर ले जाया जा सकता है इसी आशंका के चलते उनके आवास पर भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। पुलिस प्रशासन का कहना है कि जिले के विभिन्न हिस्सों से ब्राह्मण समाज के लोग दामोदर पार्क में एकत्रित हो सकते हैं।जिसे ध्यान में रखते हुए सुरक्षा व्यवस्था और कड़ी कर दी गई है। पूरा मामला बरेली के थाना कोतवाली क्षेत्र स्थित एटीएम कंपाउंड से जुड़ा हुआ बताया जा रहा है।

24वें दिन भी जारी किसान आंदोलन

● ठंड में डटे अन्नदाता 31 जनवरी की पंचायत में होगा बड़ा फैसला

नेशनल एक्सप्रेस संवाददाता

गुन्नौर/धनारी। भारतीय किसान यूनियन असली अराजनीतिक के बैनर तले चल रहा किसानों का धरना आंदोलन आज 24वें दिन भी पूरी मजबूती के साथ जारी रहा। कड़ाके की ठंड के बावजूद किसान अपनी जायज मांगों को लेकर डटे हुए हैं। किसानों ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि देश का अन्नदाता होने के बावजूद उन्हें सबसे अधिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है, लेकिन अब वे अपने अधिकारों की लड़ाई से पीछे हटने वाले नहीं हैं।किसानों ने बताया कि 5 जनवरी से वे लगातार प्रशासनिक अधिकारियों और कर्मचारियों से समस्याओं के समाधान की मांग कर रहे हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस पहल नहीं की गई है।

आंदोलनरत किसानों की प्रमुख मांगों में क्षेत्र में बढ़ती आवारा पशुओं की समस्या का स्थायी समाधान, पशु चिकित्सालय की चारदीवारी का निर्माण, महावानदी को पुनर्जीवित करना तथा अन्य जनहित से जुड़ी समस्याओं का निस्तारण शामिल है। धरना स्थल पर किसानों ने एक स्वर में कहा कि जब तक उनकी मांगों पर गंभीरता से अमल नहीं किया जाता, तब तक आंदोलन अनवरत जारी रहेगा। भारतीय किसान यूनियन ने चेतावनी दी कि यदि प्रशासन ने शीघ्र सकारात्मक कदम नहीं उठाए तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। किसान नेताओं ने यह भी ऐलान किया कि 31 जनवरी को प्रस्तावित पंचायत में आंदोलन की दिशा और रणनीति को लेकर कोई बड़ा और निर्णायक फैसला लिया जा सकता है, जिसकी जिम्मेदारी पूरी तरह प्रशासन की होगी। इस मौके पर ऋषि पाल सिंह, हरपाल, ओमप्रकाश, विजय सिंह, बहादुर सिंह, रामबीर सिंह, कालू सहित बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे और आंदोलन को मजबूती प्रदान की।

डाक पैरवी पर जाते समय हेड कांस्टेबल की सड़क हादसे में मौत

नेशनल एक्सप्रेस कपिल वार्ष्णेय

गुन्नौर/रजपुरा। थाना क्षेत्र में बुधवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में उत्तर प्रदेश पुलिस के हेड कांस्टेबल की मौत हो गई। यह हादसा उस समय हुआ जब पुलिसकर्मी डाक पैरवी के लिए बहजोई/सम्भल जा रहे थे।प्राप्त जानकारी के अनुसार हेड कांस्टेबल 519 विकुल देव (35), पुत्र जयपाल सिंह, निवासी चकफतेहपुर थाना हीमपुरदीपा जनपद बिजनौर, वर्तमान में थाना रजपुरा जनपद सम्भल में तैनात थे। बुधवार को वह अपनी मोटरसाइकिल संख्या वढ20इ 1974 से डाक पैरवी के लिए रवाना हुए थे। जैसे ही वह बहजोई रजपुरा मार्ग स्थित फरीदपुर तिराहा मन्दिर के पास पहुंचे, तभी एक ईको कार संख्या HR51BX7363 के चालक ने तेज व लापरवाही से वाहन चलाते हुए उनकी मोटरसाइकिल में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर में वह गंभीर रूप से घायल हो गए, जबकि उनकी मोटरसाइकिल क्षतिग्रस्त हो गई। घटना के बाद आसपास के लोगों की मदद से घायल हेड कांस्टेबल को तुरंत सीएचसी बहजोई ले जाया गया, जहां से हालत नाजुक होने पर उन्हें सीएचसी चन्दौसी रेफर कर दिया गया। सीएचसी चन्दौसी में उपचार के दौरान उनकी मृत्यु हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस विभाग में शोक की लहर दौड़ गई। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त ईको वाहन को कब्जे में लेकर चालक की तलाश शुरू कर दी है। मामले में आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

सफाई कर्मचारी संघ की जिला कार्यकारिणी बहाल, अजय कुमार राजवर को फिर सौंपी कमान

नेशनल एक्सप्रेस संवाददाता

चन्दौसी। नगर आगमन पर स्थानीय निकाय सफाई कर्मचारी संघ उत्तर प्रदेश (पंजीकरण संख्या 10464) के माननीय प्रदेश अध्यक्ष मानक लाल नागर ने संगठन को मजबूती देने की दिशा में महत्वपूर्ण निर्णय लिए। सीकरी गेट स्थित शिवकुमार रही के निवास पर आयोजित बैठक में प्रदेश, जिला एवं नगर की भंग चल रही कार्यकारिणी पर चर्चा की गई।बैठक में प्रदेश अध्यक्ष द्वारा जिला सम्भल की कार्यकारिणी को पुनः बहाल करते हुए अजय कुमार राजवर को एक बार फिर जिला अध्यक्ष सम्भल का दायित्व सौंपा गया। इसके साथ ही विशाल वाल्मीकि को पुनः जिला महामंत्री तथा अनिल राधे उर्फ गुड्डू को जिला कोषाध्यक्ष के पद पर नियुक्त किया गया। प्रदेश अध्यक्ष मानक लाल नागर ने सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं से 8 फरवरी को कासगंज में आयोजित होने वाले प्रदेश स्तरीय कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने का आह्वान किया। इस अवसर पर शिवकुमार राय ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रदेश अध्यक्ष के साथ एक दिन पूर्व बहजोई, इस्लामनगर, बिसौली, आंवला, बरेली एवं शाहाबाद का संगठनात्मक भ्रमण भी किया गया। उन्होंने कहा कि संगठन अब नए युवाओं को आगे लाने तथा वरिष्ठ कार्यकताओं के अनुभव का समन्वय कर संगठन को और अधिक सशक्त बनाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। बैठक में कैलाश चंद चटवाल, सेठ जय कमल, रिमझिम वाल्मीकि, सुनील वाल्मीकि, विक्रम वाल्मीकि, अनिकेत राही सहित अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बजट से पहले व्यापारियों ने रखीं अहम मांगें, स्वास्थ्य बीमा पर दिया जोर

नेशनल एक्सप्रेस संवाददाता

चन्दौसी। फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया व्यापार मंडल की एक महत्वपूर्ण बैठक नगर की पुरानी पैंठ स्थित राजीव वार्ष्णेय के प्रतिष्ठान पर आयोजित की गई। बैठक में आगामी केंद्रीय बजट को लेकर विस्तार से चर्चा की गई तथा सरकार से व्यापारियों के हित में कई अहम मांगें उठाई गईं। बैठक में प्रमुख मांग के रूप में जीएसटी में पंजीकृत व्यापारियों को 10 लाख रुपये प्रति वर्ष का स्वास्थ्य बीमा उपलब्ध कराए जाने की मांग रखी गई। साथ ही मुफ्त चलाई जा रही सरकारी योजनाओं की समीक्षा कर अनावश्यक योजनाओं को बंद करने की भी आवश्यकता जताई गई बैठक को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष राजीव वार्ष्णेय ने कहा कि सरकार को देश के लगभग 8 करोड़ खुदरा व्यापारियों के हितों को ध्यान में रखते हुए बजट में आवश्यक प्रावधान करने चाहिए। उन्होंने कहा कि कोरोना वैश्विक महामारी के बाद स्वास्थ्य बीमा प्रत्येक व्यापारी की अनिवार्य आवश्यकता बन गई है। फेडरेशन ने कोरोना काल में ही जीएसटी में पंजीकृत व्यापारियों के लिए स्वास्थ्य बीमा की मांग सबसे पहले उठाई थी, लेकिन अब तक यह पूरी नहीं हो सकी। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार प्रधानमंत्री द्वारा किसानों और उद्योगपतियों के लिए अनेक कल्याणकारी योजनाएं चलाई गई हैं, उसी तरह अब जीएसटी में पंजीकृत छोटे व्यापारियों को 10 लाख रुपये वार्षिक स्वास्थ्य बीमा देकर उनके भविष्य को सुरक्षित किया जाना चाहिए। बैठक में जिला महामंत्री विनय अग्रवाल ने मुफ्त चलाई जा रही योजनाओं की समीक्षा की मांग करते हुए कहा कि जिन योजनाओं में दुरुपयोग पाया जा रहा है, उन्हें बंद कर देश के विकास से जुड़ी ऐसी परियोजनाएं शुरू की जाएं, जो न केवल आर्थिक विकास करें बल्कि रोजगार के नए अवसर भी सृजित करें। इसके अतिरिक्त बैठक में 65 वर्ष से अधिक आयु के व्यापारियों के लिए पेंशन व्यवस्था, तथा रेलवे आरक्षण में प्राथमिकता दिए जाने की मांग भी प्रमुख रूप से उठाई गई। बैठक में विपिन अग्रवाल, दिलीप रस्तोगी, शैलेंद्र वार्ष्णेय, राजेश लाला, केशव वार्ष्णेय, सचिन बिंदल, शक्ति शर्मा, हरीश अदलक्खा, दाताराम भारती सहित बड़ी संख्या में व्यापारी उपस्थित रहे।

व्यापारी अधिकारी संवाद कार्यक्रम में जीएसटी सुधारों की दी गई जानकारी

नेशनल एक्सप्रेस संवाददाता

चन्दौसी। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा संचालित व्यापारीझअधिकारी संवाद कार्यक्रम के अंतर्गत बुधवार को जवाहर रोड स्थित धन्वंतरी फामेर्सी पर एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल की ओर से किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित डिप्टी कमिश्नर जीएसटी बब्बू यादव एवं धर्मेंद्र कुमार ने व्यापारियों को जीएसटी से संबंधित हालिया सुधारों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सरकार द्वारा व्यापारियों को राहत देने के उद्देश्य से वर्ष 2017-18, 2018-19 एवं 2019-20 के लिए एसपीएल-02 (वाइबर स्कीम) लागू की गई है, जिसके तहत ब्याज एवं पेनल्टी को माफ किया गया है। यह योजना वर्तमान में भी लागू है। अधिकारियों ने बताया कि यदि किसी मामले में माननीय न्यायालय द्वारा धारा 74 के स्थान पर धारा 73 घोषित किया जाता है, तो उस स्थिति में किसी भी समय इस योजना का लाभ लेते हुए एसपीएल-02 भरकर ब्याज व पेनल्टी से राहत प्राप्त की जा सकती है। साथ ही उन्होंने जानकारी दी कि एक हजार रुपये से कम राशि वाले मामलों में शो-कॉज नोटिस जारी नहीं किया जाएगा।

डिप्टी कमिश्नर बब्बू यादव ने आगे बताया कि धारा 73/74 एवं 74ए से संबंधित मामलों में पेनल्टी के समाधान एवं उत्तर देने की समय-सीमा को 30 दिन से बढ़ाकर 60 दिन कर दिया गया है, जिससे व्यापारियों को पर्याप्त समय मिल सकेगा। उन्होंने यह भी बताया कि सरकार द्वारा मेंथा सहित कई वस्तुओं पर लगाए गए अधिक टैक्स को घटाया गया है। पूर्व में कई आवश्यक वस्तुओं पर 12, 18 एवं 28 प्रतिशत तक जीएसटी लगाया जा रहा था, जिसे कम कर उपभोक्ताओं को राहत दी गई है। इससे आम जनता की क्रय शक्ति बढ़ेगी, मांग में वृद्धि होगी और उद्योगों के विकास के साथ-साथ देश के राजस्व में भी वृद्धि होगी।

कार्यक्रम के दौरान व्यापारियों ने अपनी-अपनी व्यावसायिक समस्याएं अधिकारियों के समक्ष रखीं, जिनका मौके पर ही समाधान एवं मार्गदर्शन किया गया। कार्यक्रम में अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के जिला अध्यक्ष प्रेम ग्रोवर, प्रदेश उपाध्यक्ष शाह आलम मंसूरी, उमेश वार्ष्णेय, रमेश ग्रेवाल, सागर गुप्ता, राघवेंद्र मिश्रा, विजेंद्र मिश्रा, राजुल मिश्रा, विकास मिश्रा, सुशील वार्ष्णेय, अंकित गुप्ता, चिंटू शर्मा सहित बड़ी संख्या में व्यापारी उपस्थित रहे।

जीआरपी चन्दौसी पुलिस की सतर्कता से नाबालिग बालिका परिजनों से मिली

नेशनल एक्सप्रेस संवाददाता

चन्दौसी। बुधवार को जीआरपी चन्दौसी पुलिस की सतर्कता और संवेदनशीलता से घर से नाराज होकर निकली एक नाबालिग बालिका को सकुशल उसके परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया। पुलिस की इस मानवीय पहल की परिजनों द्वारा सराहना की गई।

पुलिस अधीक्षक रेलवे मुरादाबाद आशुतोष शुक्ला के निर्देशन तथा पुलिस उपाधीक्षक रेलवे मुरादाबाद अनिल कुमार वर्मा के नेतृत्व में चलाए जा रहे विशेष चेकिंग अभियान के दौरान ट्रेन संख्या 14113 में तैनात आरक्षी धर्मेन्द्र सिंह एवं आरक्षी अभिषेक कुमार को एक बालिका उदास अवस्था में अकेली बैठी मिली।

बालिका को महिला कांस्टेबल अर्चना देवी की सहायता से थाना जीआरपी चन्दौसी स्थित महिला हेल्प डेस्क पर लाया गया, जहां उसे सम्मानपूर्वक बैठाकर चाय, बिस्कुट व भोजन कराया गया तथा सांत्वना दी गई। पूछताछ के दौरान बालिका ने अपना नाम नीशू, पुत्री रजनीश, निवासी ग्राम रमपुरा, थाना बहजोई, जनपद सम्भल, उम्र करीब 17 वर्ष बताया। बालिका ने बताया कि वह घर से नाराज होकर चली आई थी। महिला कांस्टेबल द्वारा समझा-बुझाकर बालिका के परिजनों का मोबाइल नंबर प्राप्त किया गया और तत्काल सूचना दी गई। सूचना मिलने पर बालिका के पिता रजनीश पुत्र देवीदयाल, निवासी ग्राम रमपुरा थाना बहजोई, थाना जीआरपी चन्दौसी पहुंचे। आवश्यक प्रक्रिया पूर्ण करने के बाद बालिका को उसके पिता के सुपुर्द कर दिया गया। अपनी पुत्री को सकुशल पाकर परिजनों ने जीआरपी चन्दौसी पुलिस की कार्यशैली की प्रशंसा की।

श्री रामगिरि बाबा की मढ़ी पर विराट हिंदू सम्मेलन, उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब

नेशनल एक्सप्रेस कपिल वार्ष्णेय

गुन्नौर/रजपुरा/बबराला। क्षेत्र के गांव तुमरिया खादर स्थित रामगिरि बाबा की मढ़ी पर बुधवार को विराट हिंदू सम्मेलन का भव्य आयोजन किया गया। सम्मेलन में हजारों की संख्या में श्रद्धालु, महिलाएं और पुरुष उपस्थित रहे। पूरा वातावरण धार्मिक, सांस्कृतिक और राष्ट्रभक्ति के भाव से ओत-प्रोत नजर आया।सम्मेलन में हरिद्वार से पधारे महामंडलेश्वर रूपेंद्र जी महाराज तथा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ मेरठ प्रांत के बौद्धिक प्रमुख कृष्ण कुमार मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। संघ प्रचारक कृष्ण कुमार ने अपने उद्बोधन में संघ के पांच प्रण स्वदेशी भोजन, स्वदेशी वेशभूषा, स्वदेशी भाषा, नागरिक कर्तव्य और कुटुंब प्रबोधन पर विस्तार से प्रकाश डाला। इसके साथ ही उन्होंने पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक समरसता जैसे विषयों पर भी अपने विचार रखे। उन्होंने समाज को आत्मनिर्भर, संस्कारित और राष्ट्रनिष्ठ बनने का आह्वान किया। महामंडलेश्वर रूपेंद्र जी महाराज ने हिंदू की परिभाषा स्पष्ट करते हुए कहा कि हिंदू कभी किसी के साथ हिंसा नहीं करता, लेकिन हिंसा को सहन भी नहीं करेगा। उन्होंने कहा कि हिंदू राष्ट्र की रक्षा के लिए अपना जीवन समर्पित करता है। उन्होंने कहा कि जब-जब धर्म की हानि होती है, तब-तब भगवान राम और भगवान कृष्ण जैसे अवतार पृथ्वी पर प्रकट होकर अधर्म का नाश करते हैं। महाराज ने यह भी कहा कि आने वाले समय में भगवान कल्कि का अवतार सम्भल में होगा। कार्यक्रम का संचालन सामाजिक कार्यकर्ता एवं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के जिला कार्यवाह प्रोफेसर डॉ. राजकुमार वैदिक ने किया। उन्होंने कहा कि सभी हिंदू सगे भाई हैं, समाज में ऊंच-नीच की भावना को समाप्त कर आपसी भाईचारे को मजबूत करना होगा। सांस्कृतिक कार्यक्रमों के अंतर्गत नीरज यादव के निर्देशन में मनमोहक प्रस्तुतियां दी गईं, जिनमें संस्कृति, राष्ट्रभक्ति और हिंदुत्व की भावना स्पष्ट रूप से झलकी। यह विराट हिंदू सम्मेलन सामाजिक समरसता, सांस्कृतिक जागरण और राष्ट्र निर्माण के संकल्प को सुदृढ़ करने वाला सिद्ध हुआ। सम्मेलन का आयोजन न्याय पंचायत बसंतपुर के अंतर्गत आने वाले 12 गांवों के प्रमुख लोगों द्वारा गठित आयोजन समिति के तत्वावधान में किया गया। सम्मेलन में आयोजन समिति के सदस्य रक्षपाल राय, प्रेमकुमार, धरमल, श्योराज सिंह, अजीत कुमार, सतीश कुमार, राजू, कामसिंह, रजनेश तुमरिया, मोहरपाल सिंह, देवेंद्र कुमार, देवेंद्र यादव, उदयवीर सिंह, राजवीर (भीकमपुर), महेश (कहरोला), महेश (अन्नू), मदन, मोहित यादव सहित हजारों की संख्या में श्रद्धालु एवं माताएं-बहनें उपस्थित रहीं।

व्यापारियों की समस्याओं को लेकर दिया ज्ञापन

नेशनल एक्सप्रेस संवाददाता

चन्दौसी। अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के राष्ट्रीय आह्वान पर सोमवार को चन्दौसी, जनपद सम्भल में व्यापारियों ने अपनी विभिन्न समस्याओं को लेकर मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश को प्रेषित एक ज्ञापन राज्य की कैबिनेट मंत्री स्वतंत्र प्रभार गुलाब देवी को सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से व्यापार मंडल ने प्रशासन एवं सरकार का ध्यान व्यापारियों से जुड़ी प्रमुख समस्याओं की ओर आकृष्ट करते हुए कई महत्वपूर्ण मांगें रखीं। व्यापारियों ने बताया कि गृह कर एवं जलकर के नाम पर अनावश्यक नोटिस भेजे जा रहे हैं, जिससे भ्रष्टाचार को बढ़ावा मिल रहा है और व्यापारी वर्ग का उत्पीड़न हो रहा है। उन्होंने मांग की कि पूरी पारदर्शिता के साथ केवल वास्तविक गृह कर एवं उपयोग किए गए पानी के आधार पर ही बिल जारी किए जाएं। व्यापार मंडल ने यह भी कहा कि जीएसटी विभाग द्वारा व्यापारियों को कई प्रकार के अनावश्यक नोटिस जारी किए जा रहे हैं, जिनकी कोई आवश्यकता प्रतीत नहीं होती। इस संबंध में जीएसटी विभाग को स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी किए जाने की मांग की गई। ज्ञापन में तीसरी महत्वपूर्ण मांग रखते हुए कहा गया कि अंग्रेजों के समय की मानसिकता के तहत आज भी व्यापारियों को बेईमान एवं मिलावटखोर मानते हुए कुछ भ्रष्ट अधिकारी व कर्मचारी सैंपलिंग, सर्वे और छापों के नाम पर बाजारों में अपनी कमाई बढ़ाने में लगे रहते हैं।

व्यापार मंडल ने मांग की कि बिना जिलाधिकारी की अनुमति एवं व्यापार मंडल के पदाधिकारियों की उपस्थिति के बिना किसी भी दुकान पर छापा या सैंपलिंग न की जाए।

इसके अलावा ज्ञापन में सरार्फा व्यापारियों को प्राथमिकता के आधार पर शस्त्र लाइसेंस दिए जाने, व्यापारी सुरक्षा प्रकोष्ठ की सभी जनपदों में नियमित मासिक बैठक आयोजित किए जाने, तथा व्यापार एवं उद्योग बंधु की बैठकों को गुणवत्ता परक बनाकर समस्याओं के समाधान को सुनिश्चित करने की मांग भी की गई। व्यापार मंडल ने यह भी मांग रखी कि भारतीय नववर्ष चैत्र शुक्ल प्रतिपदा जो इस वर्ष 19 मार्च को पड़ रहा है, उसे पूरे प्रदेश में भव्य रूप से मनाए जाने के लिए प्रशासन का पूर्ण सहयोग सुनिश्चित किया जाए। ज्ञापन सौंपने वालों में मुख्य रूप से अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल युवा इकाई के जिला अध्यक्ष सागर गुप्ता, युवा प्रदेश उपाध्यक्ष शाह आलम मंसूरी, जिला अध्यक्ष प्रेम ग्रोवर, राजीव शर्मा, मोहित सक्सेना, अंकुर अग्रवाल, सौरभ अग्रवाल, सचिन शर्मा, अविनाश रस्तोगी, अनिल गुप्ता, चुनमुन अग्रवाल, सोनू शर्मा, मोहित अग्रवाल, दीपक सैनी सहित बड़ी संख्या में व्यापारी मौजूद रहे।

पति-पत्नी के मध्य हुए आपसी विवादों को सुलह समझौते कराकर 3 परिवारों को मिलाया

नेशनल एक्सप्रेस संवाददाता

चंदौसी। पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई की निर्देशन में एवं अपर पुलिस अधीक्षक दक्षिण श्रीमती अनुकृति शर्मा क्षेत्रधिकारी डॉ प्रदीप कुमार सिंह के निर्देश अनुसार चलाए जा रहे पुलिस परिवार परामर्श सुलह समझौता केंद्र की बैठक चंदौसी परामर्श केंद्र प्रभारी डाङ्क रुकम पाल सिंह की देखरेख में गौशाला रोड पिंक चौकी चंदौसी में संपन्न हुई जिसमें पति-पत्नी के मध्य हुए आपसी विवादों को सुलह समझौते के आधार पर निस्तारित करने का प्रयास काउंसलरद्वारा किया गया जहां कुल 8पत्रावली सुनकर 3 पत्रावली का निस्तारण किया गया 3 परिवार को मिलाया गया इस अवसर पर काउंसलर श्वेता गुप्ता संगीता भार्गव सब इंस्पेक्टर महेश गंगवार हेड कांस्टेबल मनोहर सिंह रुचि सुधारानी आदि लोग उपस्थित रहे।

गणतंत्र दिवस पर आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में ताले, स्वास्थ्य विभाग की लापरवाही उजागर

● जुनावई क्षेत्र के कई उपकेंद्रों पर न ध्वजारोहण हुआ न मिले स्वास्थ्यकर्मी ग्रामीणों में रोष

नेशनल एक्सप्रेस कपिल वार्ष्णेय

गुन्नौर/जुनावई। एक ओर पूरा देश 77वां गणतंत्र दिवस पूरे सम्मान और उत्साह के साथ मना रहा था वहीं जनपद संभल के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जुनावई से संबद्ध कई आयुष्मान आरोग्य मंदिरों पर राष्ट्रीय पर्व की घोर अनदेखी सामने आई। गणतंत्र दिवस जैसे गरिमामय अवसर पर न तो राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया और न ही कोई कार्यक्रम आयोजित हुआ। कई केंद्रों पर सुबह से ताले लटके रहे, जिससे ग्रामीणों में आक्रोश फैल गया। जानकारी के अनुसार घौंसली राजा,घौंसली मोहकम, सिरौरिलिया, गढ़ी बिचौला, नगला अजमेरी डांडा, कीरतपुर एवं हुमायूंपुर स्थित आयुष्मान आरोग्य मंदिर 26 जनवरी को पूरी तरह बंद पाए गए। इन केंद्रों पर न तो कोई स्वास्थ्यकर्मी मौजूद था और न ही ध्वजारोहण किया गया, जो शासन के स्पष्ट निदेर्शों की अनदेखी मानी जा रही है। आयुष्मान आरोग्य मंदिर ग्रामीण स्वास्थ्य व्यवस्था की आधारशिला माने जाते हैं। ऐसे में राष्ट्रीय पर्व पर इनका बंद रहना विभागीय लापरवाही को दशार्ता है। स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि यह केवल अनुशासनहीनता नहीं, बल्कि सार्वजनिक जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ने जैसा है। लोगों ने सवाल उठाया कि जब राष्ट्रीय पर्व पर भी स्वास्थ्य सेवाएं ठप रह सकती हैं, तो आम दिनों में स्थिति क्या होगी।

ग्रामीणों ने मांग की है कि संबंधित कर्मचारियों और अधिकारियों की भूमिका की जांच हो और दोषियों पर कार्रवाई की जाए। यह भी सवाल उठ रहे हैं कि क्या उपकेंद्र बिना अनुमति के बंद रखे गए थे और क्या इसकी जानकारी उच्च अधिकारियों को थी।

इस संबंध में संभल के मुख्य चिकित्सा अधिकारी तरुण पाठक ने बताया कि लगभग 10 से 12 ऐसे आयुष्मान आरोग्य केंद्र हैं। जहां स्वास्थ्य कर्मियों की तैनाती नहीं है। इसलिए वहां ध्वजारोहण नहीं हो सका। उन्होंने कहा कि यदि नियमों का उल्लंघन हुआ है तो मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

निष्कर्ष: अब देखने वाली बात यह होगी कि स्वास्थ्य विभाग इस गंभीर लापरवाही को कितनी गंभीरता से लेता है और दोषियों पर क्या कार्रवाई होती है। या फिर यह मामला भी अन्य मामलों की तरह फाइलों में ही दबकर रह जाएगा।

संपादकीय

'हम भारत के लोग'

भारत का 77वां गणतंत्र दिवस हाल ही में संपन्न हुआ। यह केवल एक तिथि या औपचारिक समारोह नहीं, बल्कि राष्ट्रीय चेतना, संवैधानिक गौरव और लोकतांत्रिक स्वाभिमान का पर्व है। हर वर्ष की भांति इस बार भी राजधानी दिल्ली के कर्तव्य पथ पर आयोजित भव्य परेड के माध्यम से भारत की सामरिक शक्ति, सांस्कृतिक विविधता, कलात्मक विरासत, आध्यात्मिक चेतना और क्षेत्रीय एकता का प्रभावशाली प्रदर्शन हुआ। यह दृश्य स्वयं में इस सत्य का उद्घोष था कि भारत विविधताओं से भरा हुआ होते हुए भी एक अखंड और एकजुट राष्ट्र है।26 जनवरी केवल गणतंत्र दिवस नहीं, बल्कि व्यावहारिक रूप से संविधान दिवस भी है, क्योंकि इसी दिन वर्ष 1950 में भारत का संविधान लागू हुआ था। यह तिथि ऐतिहासिक दृष्टि से इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि 26 जनवरी 1930 को स्वतंत्रता सेनानियों और तत्कालीन नेतृत्व ने "पूर्ण स्वराज" की घोषणा कर अंग्रेजी शासन को स्पष्ट संदेश दिया था कि भारत अब पराधीनता स्वीकार नहीं करेगा। इस प्रकार यह दिन स्वतंत्रता, आत्मसम्मान और संवैधानिक अधिकारों का प्रतीक बन गया।भारत का संविधान विश्व का सबसे विस्तृत लिखित संविधान है, जिसमें 1,46,385 से अधिक शब्द हैं। यह केवल कानूनों का संग्रह नहीं, बल्कि राष्ट्र की आत्मा है। इसकी प्रस्तावना के प्रथम शब्द— "हम भारत के लोग"—इस सत्य को स्थापित करते हैं कि इस देश में सत्ता का मूल स्रोत जनता है। इस वाक्य में देश के बड़े उद्योगपति भी समाहित हैं और वह साधारण नागरिक भी, जो किसी पहचान या विशेषाधिकार के बिना सामान्य जीवन जीता है। संविधान सभी को समान अधिकार, समान अवसर और समान गरिमा प्रदान करता है।संविधान की अवहेलना न केवल नैतिक अपराध है, बल्कि कानूनी रूप से भी दंडनीय है। इसकी व्याख्या परिस्थितियों के अनुसार की जा सकती है, किंतु इसकी मूल आत्मा अपरिवर्तनीय है—भारत एक संप्रभु, लोकतांत्रिक, समाजवादी और पंथनिरपेक्ष राष्ट्र है। दुर्भाग्यवश, राष्ट्रीय पर्व जैसे अवसरों पर भी कुछ तत्व ऐसे कृत्य करते हैं जो संविधान की भावना के विपरीत होते हैं। हाल ही में दो युवकों द्वारा ताजमहल परिसर में घुसकर तिरंगा लहराने की घटना सामने आई। ताजमहल भारत की धरोहर है, विश्वविख्यात स्मारक है और राष्ट्रीय गौरव का प्रतीक भी है, किंतु इस प्रकार कानून तोड़कर कोई भी कार्य करना देशभक्ति नहीं कहलाता। यदि तिरंगा फहराना था तो उसे विधिवत सार्वजनिक कार्यक्रम के माध्यम से किया जा सकता था। अवैध प्रवेश और प्रतीकात्मक उकसावे की गतिविधियाँ सांप्रदायिकता को जन्म देती हैं, जो संविधान की मूल भावना के विरुद्ध है।इसी प्रकार उत्तर प्रदेश के एक नगर में तिरंगा यात्रा के दौरान कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा धार्मिक नारे लगाना और लोगों को बाध्य करना भी संवैधानिक मर्यादाओं का उल्लंघन है। संविधान अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता देता है, किंतु यह स्वतंत्रता सामाजिक सौहार्द को तोड़ने या दूसरों पर विचार थोपने का अधिकार नहीं देती।भारत एक लोकतांत्रिक देश है, जहाँ प्रत्येक नागरिक को मताधिकार प्राप्त है। एक मत से सरकार बनती है और सत्ता बदलती है, किंतु यह चिंताजनक तथ्य है कि देश का लगभग हर तीसरा मतदाता मतदान नहीं करता। देश में मतदाताओं की संख्या लगभग 98 करोड़ के आसपास है और जो लोग मतदान नहीं करते, उनकी संख्या अमेरिका की कुल जनसंख्या से भी अधिक बैठती है। यह लोकतंत्र के लिए एक गंभीर चेतावनी है।देश को केवल राजनीतिक नहीं, सामाजिक चुनौतियों का भी सामना करना पड़ रहा है। हर वर्ष लगभग 1.77 लाख लोग सड़क दुर्घटनाओं में जान गंवाते हैं। शराब पीकर वाहन चलाना, यातायात नियमों की अनदेखी और प्रशासनिक लापरवाही इन मौतों के बड़े कारण हैं। आज भी लोग अपनी ही रेलगाड़ियों पर पथराव करते हैं, यह जाने बिना कि ये सार्वजनिक संपत्ति है, जो उनके करों से बनी है और उन्हीं के लिए सेवा में लगी है।समाज में आज भी बाल विवाह, बहुविवाह जैसी कुप्रथाएँ मौजूद हैं। दूषित जल के कारण लोग बीमार पड़ते हैं और जान गंवाते हैं। गरीबी, अशिक्षा और असमानता अब भी कई क्षेत्रों में वास्तविकता बनी हुई है। प्रदूषण इतना भयावह हो चुका है कि भारत में हर वर्ष लगभग 17 लाख लोग समय से पहले मृत्यु का शिकार हो रहे हैं।ऐसे में गणतंत्र दिवस केवल उत्सव का अवसर नहीं, आत्ममंथन का दिन भी होना चाहिए। यह सोचना आवश्यक है कि "हम भारत के लोग" की भावना अभी अधूरी क्यों दिखाई देती है। क्या हम वास्तव में संविधान द्वारा प्रदत्त कर्तव्यों और अधिकारों का संतुलित निर्वहन कर रहे हैं?

भरोसे एवं भारत की आवाज थे विरल पत्रकार मार्क टुली

ललित गर्ग

मार्क टुली की सबसे बड़ी देन यह थी कि उन्होंने भारत की विविधता को उसकी कमजोरी नहीं बल्कि उसकी सबसे बड़ी शक्ति के रूप में प्रस्तुत किया। वे मानते थे कि भारत किसी एक विचार, एक भाषा या एक संस्कृति से नहीं बनता, बल्कि यहां की बहुलता ही इसकी आत्मा है। हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई–ग्रामीण–शहरी, गरीब–अमीर, इन सबके बीच बहता हुआ संवाद ही भारत की असली पहचान है। जब दुनिया के कई हिस्से भारत को केवल गरीबी, अव्यवस्था या अराजकता के चश्मे से देखते थे, तब मार्क टुली ने भारत की सहिष्णुता, आध्यात्मिकता और जीवटता को रेखांकित किया।

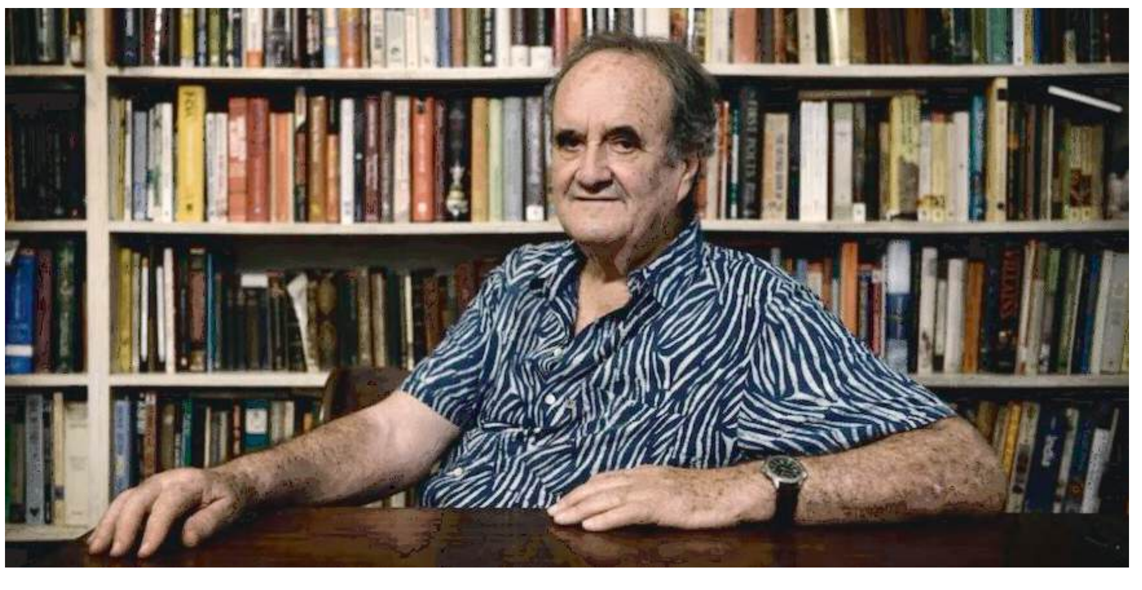

भारत की समकालीन इतिहास-यात्रा में कुछ व्यक्तित्व ऐसे होते हैं जो केवल घटनाओं का वृत्तांत नहीं लिखते, बल्कि समय की चेतना में घुल-मिलकर स्वयं इतिहास का हिस्सा बन जाते हैं। सर विलियम मार्क टुली, जिन्हें दुनिया भर में स्नेह और सम्मान से 'मार्क टुली' कहा गया, ऐसे ही विरल पत्रकार थे। उनका निधन केवल एक वरिष्ठ पत्रकार का जाना नहीं है, बल्कि उस पत्रकारिता-दृष्टि का अवसान है, जिसमें सत्य सनसनी से ऊपर और संवेदना आंकड़ों से अधिक महत्त्वपूर्ण होती थी। बीबीसी रेडियो की वह गूंजती हुई पंक्ति-'दिस इज मार्क टुली रिपोर्टिंग फ्रॉम दिल्ली', दशकों तक भारतीय उपमहाद्वीप में भरोसे, प्रामाणिकता और संतुलन का पर्याय बनी रही। मार्क टुली एक विदेशी पत्रकार भर नहीं थे, वे भारत की आत्मा के स्थायी प्रवासी थे, जिनमें भारतीयता रची-बसी थी।

उनका भारत से रिश्ता किसी वीजा, नियुक्ति या करियर-रणनीति का परिणाम नहीं था, बल्कि वह रक्त और मिट्टी का संबंध था। 24 अक्टूबर 1935 को कोलकाता के टॉलीगंज में जन्मे टुली ने ब्रिटिश राज के अंतिम दौर का भारत देखा, जिया और महसूस किया। एक समृद्ध ब्रिटिश परिवार में जन्म लेने के बावजूद दार्जिलिंग के बोर्डिंग स्कूलों और भारतीय जनजीवन की विविध छवियों ने उनके भीतर एक ऐसी आत्मीयता एवं संस्कार बो दिया, जो जीवन भर पुष्पित-पल्लवित होती रही। नौ वर्ष की आयु में जब वे इंग्लैंड गए, तब भी भारत उनके भीतर जीवित रहा-स्मृतियों में, संवेदनाओं में और दृष्टि में।

कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय में धर्मशास्त्र का अध्ययन करते समय उन्होंने पादरी बनने का विचार किया था। यह तथ्य अपने-आप में बहुत कुछ कहता है, क्योंकि सत्य की खोज, नैतिक विवेक और मानवीय करुणा उनके व्यक्तित्व की मूल धुरी थीं। किंतु नियति ने उन्हें चर्च की सीमित दीवारों से बाहर निकालकर एक ऐसे मंच पर खड़ा कर दिया, जहां वे पूरी मानवता से संवाद कर सकते थे। पत्रकारिता उनके लिए पेशा नहीं, बल्कि एक नैतिक दायित्व थी। जब वे बीबीसी के संवाददाता के रूप में भारत लौटे, तो उन्होंने इसे एक असाइनमेंट नहीं बल्कि अपने घर लौटने जैसा अनुभव किया। मार्क टुली की पत्रकारिता की सबसे बड़ी विशेषता यह थी कि वे भारत को पश्चिमी चश्मे से नहीं देखते थे। वे सत्ता के गलियारों से अधिक गांव की चौपाल, मंदिर-मस्जिद के आंगन, खेतों की मेड़ और आम आदमी की चिंता को महत्त्व देते थे। आपातकाल हो या इंदिरा गांधी की राजनीति, सिख विरोधी दंगे हों या बाबरी मस्जिद विध्वंस, पंजाब का उग्रवाद हो या कश्मीर की पीड़ा-मार्क टुली ने हर विषय को संतुलन, गहराई और मानवीय संवेदना के साथ दुनिया के सामने रखा। वे घटनाओं के पीछे छिपी सामाजिक और सांस्कृतिक परतों को समझने की कोशिश करते थे, इसीलिए उनकी रिपोर्टिंग तत्कालीन शोर-शराबे से ऊपर उठकर स्थायी संदर्भ बन गई।

आज के आपाधापी और टीआरपी-केंद्रित इलेक्ट्रॉनिक मीडिया दौर में, जहाँ खबर से ज्यादा शोर और तथ्य से ज्यादा त्वरित प्रतिक्रिया को महत्व दिया जाता है, मार्क टली की पत्रकारिता एक उजली कसौटी बनकर सामने आती है। टीवी स्टूडियो की तीखी बहसों, चीखती हेडलाइनों और सतही विश्लेषण के उलट, मार्क टली ने यह सिद्ध किया कि शांत, संयमित और तथ्यपरक संवाद भी उतना ही प्रभावशाली होता है बल्कि अधिक विश्वसनीय होता है। उनकी पत्रकारिता दिल्ली के सत्ता-केंद्र तक सीमित नहीं थी, बल्कि वह भारत की आत्मा-गाँव, कस्बे, आम जन और उनकी पीड़ा से जुड़ी हुई थी। आज जब इलेक्ट्रॉनिक मीडिया अक्सर सत्ता, बाज़ार और सनसनी के दबाव में अपनी विश्वसनीयता खोता दिख रहा है, तब मार्क टली की शैली यह सिखाती है कि पत्रकारिता का असली धर्म प्रश्न पूछना, सच को धैर्य से समझना और उसे बिना शोर के, पूरे संदर्भ के साथ प्रस्तुत करना है। उनका जीवन आज के टीवी मीडिया के लिए एक मौन लेकिन सशक्त संदेश है कि भरोसे की आवाज़ ऊँची नहीं, सच्ची होती है।

मार्क टुली की सबसे बड़ी देन यह थी कि उन्होंने भारत की विविधता को उसकी कमजोरी नहीं बल्कि उसकी सबसे बड़ी शक्ति के रूप में प्रस्तुत किया। वे मानते थे कि भारत किसी एक विचार, एक भाषा या एक संस्कृति से नहीं बनता, बल्कि यहां की बहुलता ही इसकी आत्मा है। हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई-ग्रामीण-शहरी, गरीब-अमीर, इन सबके बीच बहता हुआ संवाद ही भारत की असली पहचान है। जब दुनिया के कई हिस्से भारत को केवल गरीबी, अव्यवस्था या अराजकता के चश्मे से देखते थे, तब मार्क टुली ने भारत की सहिष्णुता, आध्यात्मिकता और जीवटता को रेखांकित किया। उन्होंने यह दिखाया कि यह देश विरोधाभासों के बावजूद नहीं, बल्कि उन्हीं के साथ जीना जानता है। मार्क टुली की आवाज रेडियो के माध्यम से करोड़ों लोगों के घरों तक पहुंचती थी। वह दौर ऐसा था, जब समाचार सुनने के लिए लोग घड़ी देखकर रेडियो ऑन करते थे। उनकी रिपोर्टिंग में नाटकीयता नहीं, बल्कि सजीवता-ठहराव था। वे कहते थे कि भारत को समझने के लिए अपनी घड़ी उतारकर रखनी पड़ती है। यह कथन केवल समय-संस्कृति की बात नहीं करता, बल्कि उस धैर्य और विनम्रता की ओर संकेत करता है, जिसके बिना भारत जैसे देश को समझा नहीं जा सकता। यही धैर्य उनकी पत्रकारिता में झलकता था।

एक विदेशी होकर भी उन्होंने भारतीयता पर गर्व करना सिखाया, वह भी उस समय, जब हम स्वयं अपनी जड़ों को लेकर संशय में थे। उनकी पुस्तकों और कार्यक्रमों में भारत केवल खबर नहीं, बल्कि एक जीवंत सभ्यता के रूप में उपस्थित रहता है। 'नो फुल स्टॉप्स इन इंडिया' जैसी कृतियां भारत की निरंतर चलती कहानी को सामने लाती हैं, जहां कोई अंतिम विराम नहीं, केवल प्रवाह है। उन्होंने भारतीय लोकतंत्र की अव्यवस्थाओं की आलोचना भी की, लेकिन वह आलोचना स्नेह और चिंता से भरी होती थी, उपेक्षा या उपहास से नहीं। ब्रिटिश सरकार द्वारा नाइटहुड और भारत सरकार द्वारा पद्म भूषण से सम्मानित किया जाना उनके योगदान की औपचारिक स्वीकृति है, लेकिन उनकी असली विरासत वह विश्वास है, जो भारतीय जनता ने उन पर किया। लोग उनकी बात इसलिए मानते थे, क्योंकि उन्हें लगता था कि यह व्यक्ति भारत को समझता है, उसे चाहता है और उसके साथ ईमानदार है।

आज के दौर में, जब पत्रकारिता तेजी से बदल रही है, प्रतिस्पर्धा की अंधी दौड में, नई तकनीक के दबाव में हांफ रही है, तब मार्क टुली की कमी और अधिक महसूस होती है। उनका जाना उस युग का अंत है, जहां शब्दों की गरिमा थी और तथ्य पवित्र माने जाते थे। वे हमें यह सिखाकर गए कि पत्रकारिता सूचना का व्यापार नहीं, बल्कि मानवता की सेवा है। भारत की मिट्टी में जन्मा, विदेशी धरती पर शिक्षित और अंततः भारत की ही गोद में समा जाने वाला यह व्यक्तित्व सदैव स्मृतियों में जीवित रहेगा। वे ऐसे विदेशी साक्षी थे, जिन्होंने भारत को केवल दुनिया की नजरों में ही नहीं, बल्कि भारतीयों की अपनी नजरों में भी नई गरिमा दी। मार्क टुली का जीवन इस बात का प्रमाण है कि सीमाएं नागरिकता तय कर सकती हैं, संवेदनाएं नहीं। उनकी आवाज भले ही अब रेडियो पर न गूंजे, लेकिन भारत की आत्मा में उनकी प्रतिध्वनि लंबे समय तक सुनाई देती रहेगी।

इतिहास में आज का दिन

29 जनवरी का दिन इतिहास के पन्नों में एक विशेष स्थान रखता है। यह तिथि न केवल भारत बल्कि विश्व के अनेक महत्वपूर्ण राजनीतिक, सामाजिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक घटनाक्रमों की साक्षी रही है। हर वर्ष यह दिन हमें अतीत की उन घटनाओं की याद दिलाता है, जिन्होंने वर्तमान की दिशा तय करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।भारत के इतिहास में 29 जनवरी 1948 का दिन अत्यंत भावनात्मक और स्मरणीय माना जाता है। यह वह दिन था जब राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने अपने जीवन की अंतिम प्रार्थना सभा में भाग लिया था। इसके अगले ही दिन 30 जनवरी को उनकी हत्या कर दी गई। गांधी जी का संपूर्ण जीवन सत्य, अहिंसा, करुणा और मानवता के मूल्यों पर आधारित था। 29 जनवरी उनके सार्वजनिक जीवन के अंतिम क्षणों में से एक था। यह दिन भारतीय स्वतंत्रता संग्राम की त्यागमयी भावना और नैतिक शक्ति का प्रतीक बन गया।भारतीय पत्रकारिता के इतिहास में भी 29 जनवरी का विशेष महत्व है। वर्ष 1780 में इसी दिन भारत का पहला समाचार पत्र "हिकीज़ बंगाल गजट" प्रकाशित हुआ था। इस घटना ने देश में पत्रकारिता की नींव रखी और जनता तक सूचना पहुँचाने का एक सशक्त माध्यम विकसित किया। इसी कारण 29 जनवरी को "भारतीय समाचार पत्र दिवस" के रूप में भी मनाया जाता है। यह दिन अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, निष्पक्ष पत्रकारिता और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा का प्रतीक माना जाता है।विश्व

इतिहास में भी यह दिन अनेक उल्लेखनीय घटनाओं से जुड़ा है। 29 जनवरी 1886 को जर्मनी के वैज्ञानिक और इंजीनियर कार्ल बेंज ने पहली पेट्रोल से चलने वाली व्यावहारिक कार का पेटेंट कराया था। यह आविष्कार आधुनिक ऑटोमोबाइल उद्योग की शुरुआत माना जाता है। इस तकनीकी उपलब्धि ने मानव जीवन की गति बदल दी और परिवहन के क्षेत्र में एक नई क्रांति का सूत्रपात किया।प्रथम विश्व युद्ध के दौरान भी 29 जनवरी का महत्व देखा गया। वर्ष 1916 में जर्मनी ने फ्रांस के विरुद्ध हवाई हमले आरंभ किए, जिससे युद्ध की रणनीतियों में बड़ा परिवर्तन आया। इस घटना ने यह स्पष्ट कर दिया कि आने वाले समय में युद्ध केवल ज़मीन तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि आकाश भी युद्ध का मैदान बनेगा।राजनीतिक इतिहास में 29 जनवरी 1957 को ब्रिटेन द्वारा दक्षिण अटलांटिक महासागर के साउथ जॉर्जिया और साउथ सैंडविच द्वीपों को आधिकारिक क्षेत्र घोषित किया जाना भी उल्लेखनीय घटना रही। इससे अंटार्कटिक क्षेत्र की अंतरराष्ट्रीय राजनीति में नई हलचल उत्पन्न हुई और कई देशों के बीच सीमाओं को लेकर चर्चाएँ तेज हुईं।सांस्कृतिक और कला जगत में भी यह दिन कई प्रसिद्ध व्यक्तित्वों के जन्म और उपलब्धियों के कारण याद किया जाता है। विभिन्न क्षेत्रों में जन्मे कलाकारों, लेखकों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने अपने कार्यों से समाज को नई दिशा दी, जिससे यह दिन रचनात्मकता और प्रेरणा का प्रतीक भी बन गया।29 जनवरी का दिन केवल ऐतिहासिक घटनाओं का संग्रह नहीं है, बल्कि यह मानव संघर्ष, नवाचार, स्वतंत्रता और सामाजिक जागरूकता का प्रतीक भी है। यह हमें यह सिखाता है कि विचारों की स्वतंत्रता, तकनीकी विकास और नैतिक मूल्यों का संतुलन ही किसी भी सभ्यता को आगे बढ़ाता है।आज के समय में 29 जनवरी हमें यह संदेश देता है कि इतिहास से सीख लेकर ही हम एक बेहतर भविष्य का निर्माण कर सकते हैं। चाहे वह गांधी जी का अहिंसक मार्ग हो, पत्रकारिता की निर्भीक आवाज़ हो या विज्ञान की प्रगति, यह दिन हमें निरंतर आगे बढ़ने और समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने की प्रेरणा देता है।इस प्रकार 29 जनवरी न केवल एक सामान्य तिथि है, बल्कि यह मानव सभ्यता के विकास, संघर्ष और उपलब्धियों का जीवंत प्रतीक बन चुका है।

समसामयिक

ऋषभदेव शर्मा

जंगलराज की आहटें और महासचिव का विलाप

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने हाल ही में यह कहकर पूरी दुनिया की अंतरात्मा को झकझोरने की कोशिश की है कि "विश्व भर में, कानून के शासन को, जंगल के कानून के जरिए हटाया जा रहा है!" लेकिन अंतरात्मा जीवित हो तब न! एक ऐसे समय में जब विज्ञान और तकनीक के बल पर इनसान मंगल पर बस्तियाँ बसाने के सपने देख रहा है, दुनिया की सबसे बड़ी पंचायत के मुखिया का यह बयान इस कड़वे सच को उजागर करता है कि कूटनीतिक धरातल पर हम सभ्यता के पायदान से नीचे गिर रहे हैं।गुटेरेस के बयान में 'जंगल का कानून' का अर्थ सीधा और साफ है: 'जिसकी लाठी, उसकी भैंस'। अंतरराष्ट्रीय संबंधों में 'रूल ऑफ लॉ' या कानून के शासन का बुनियादी सिद्धांत यह है कि हर देश, चाहे वह कितना ही छोटा या गरीब क्यों न हो, अंतरराष्ट्रीय संधियों और संयुक्त राष्ट्र चार्टर के दायरे में सुरक्षित रहेगा। लेकिन आज के हालात इसके बिल्कुल उलट हैं। ताकतवर देश अपनी विस्तारवादी महत्वाकांक्षाओं और भू-राजनीतिक स्वार्थों के लिए अंतरराष्ट्रीय कानूनों को जूते की नोक पर रख रहे हैं। जब नियम केवल कमजोरों को डराने के लिए रह जाएँ और शक्तिशाली देशों के लिए वे महज कागजी टुकड़े बन जाएँ, तो समझ लेना चाहिए कि दुनिया वापस उसी आदिम युग की ओर बढ़ रही है जहाँ ताकत ही एकमात्र कानून थी।इस बयान की पृष्ठभूमि को देखें तो सहज ही समझा जा सकता है कि पिछले कुछ वर्षों का घटनाक्रम किसी दुःस्वप्न से कम नहीं रहा है। यूक्रेन संकट से लेकर मध्य-पूर्व की धधकती आग तक, और दक्षिण चीन सागर के तनाव से लेकर अफ्रीका में उभरते गृहयुद्धों तक - हर जगह संयुक्त राष्ट्र की बेबसी साफ नजर आई है। सुरक्षा परिषद, जिसे दुनिया में शांति बनाए रखने का जिम्मा सौंपा गया था, आज 'वीटो पावर' के खेल में खुद ही पंगु हो चुकी है। गुटेरेस की इस हताशा का सबसे बड़ा कारण यह है कि वैश्विक संस्थाएँक्र अब केवल एक 'डिबेटिंग क्लब' बनकर रह गई हैं, जिनके फैसलों की परवाह कोई नहीं कर रहा।ऐसे में विवश महासचिव का विलाप महज शिकायत नहीं, बल्कि दुनिया के ताकतवर देशों (पी-5: सुरक्षा परिषद के 5 स्थायी सदस्यों) के लिए एक 'फाइनल अलार्म' है। उनका मकसद उन शक्तियों को आईना दिखाना है जो अंतरराष्ट्रीय नियमों की अपनी सुविधा के अनुसार व्याख्या करती हैं। वे दुनिया को आगाह कर रहे हैं कि यदि अराजकता की इस राह पर लगाम नहीं लगाई गई, तो यह 'जंगलराज' किसी एक क्षेत्र तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि पूरी वैश्विक अर्थव्यवस्था और सुरक्षा ढाँचे को निगल जाएगा। यह बयान असल में संयुक्त राष्ट्र में आमूल-चूल सुधारों की एक बेबाक वकालत है, ताकि संस्था को फिर से प्रासंगिक बनाया जा सके।उम्मीद की जानी चाहिए कि यह बयान बड़े देशों पर एक नैतिक दबाव बनाएगा। भारत जैसे देशों के लिए, जो हमेशा से एक 'नियम-आधारित विश्व व्यवस्था' और 'वसुधैव कुटुंबकम्' के पक्षधर रहे हैं, यह अपनी भूमिका को और मजबूत करने का अवसर है। ग्लोबल साउथ (विकासशील देशों) के नेता के रूप में भारत इस मुद्दे को प्रमुखता से उठा सकता है कि जब तक सुरक्षा परिषद का लोकतांत्रिक विस्तार नहीं होगा, तब तक 'जंगलराज' को रोकना असंभव है।अंततः, गुटेरेस का वक्तव्य यह सोचने पर मजबूर करता है कि, क्या हम वास्तव में 'सभ्य' समाज हैं? यदि दुनिया के रहनुमा अब भी नहीं सँभले और आपसी भरोसे की बहाली नहीं की, तो इतिहास हमें उस पीढ़ी के रूप में याद रखेगा जिसने शांति की विरासत को जंगल की आग के हवाले कर दिया! वक़्त आ गया है कि महाशक्तियाँ अपनी जिद छोड़ें और नियमों की साख को बहाल करें, क्योंकि जंगल में जब आग लगती है, तो कोई भी कोना सुरक्षित नहीं रहता!

विद्यार्थियों का भविष्य सुनिश्चित करेगा डिजिटाइजेशन

संजीव ठाकुर

भारत में विभिन्न विभागो में डिजिटलाइजेशन शुभ संकेत की तरह दिखाई दे रहे हैं। विशेष तौर पर शिक्षा जगत तथा बालक बालिकाओं के की डिजिटलाइजेशन एक वरदान की तरह होगा। कंप्यूटर तथा इंटरनेट के युग में आने वाले बच्चों की पीढ़ी को इसमें पारंगत होना अत्यंत आवश्यक है । वैश्विक स्तर पर भी बच्चों को प्रतिस्पर्धा हेतु इस विधा में विशेषज्ञता प्राप्त करनी होगी, तब जाकर हम रोजगार मूलक हो पाएंगे। वर्तमान में पिछले दो वर्षों से सबसे ज्यादा कोविड-19 के संक्रमण ने जीवन मृत्यु के बाद जिस क्षेत्र का सबसे ज्यादा नुकसान किया है वो शिक्षा जगत के क्षेत्र का ही है1 दो वर्षों से स्कूल कॉलेज लगातार बंद चले आ रहे हैं1 मूल शिक्षा खासकर बच्चों के लिए समय बेकार ना जाए इसीलिए ऑनलाइन शिक्षा का प्रावधान देश में किया गया है1 ऑनलाइन शिक्षा कंप्यूटर आधारित नेटवर्क से संलग्न होती है1 इसके अंतर्गत विद्यार्थी तथा शिक्षक वीडियो के माध्यम से एक दूसरे से जुड़े होते हैं तथा लगातार लाभान्वित भी होते हैं1 इसमें शिक्षक आभासी तौर पर उपस्थित होते हैं एवं आभासी स्तर पर ही शिक्षा प्रदान की जाती है1 आज ऑनलाइन शिक्षा लाइव वीडियो क्लासेस, रिकॉर्डिंग वीडियो क्लासेस, लाइव ऑनलाइन शिक्षा, ऑनलाइन टेस्ट और घर पर पी,डी,एफ आधारित ऑनलाइन शिक्षा प्रदान की जा रही है1 ऑनलाइन शिक्षा में अनेक लाभ के साथ हानियों का भी समावेश है। ऑनलाइन शिक्षा के माध्यम से कक्षाओं का शिक्षण अधिक रोचक कथा संवादात्मक बनाया जा रहा है, जिससे बच्चे इस पर अधिक से अधिक ध्यान दे रहे हैं। इसके अलावा ऑनलाइन शिक्षक कोई भी कहीं भी कभी भी प्राप्त कर सकते हैं उदाहरण के लिए यात्रा के दौरान या किसी कारणवश अवकाश लेने पर छूटे हुए विषयों से संबंधित जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। ऑनलाइन क्लासेज के प्रोत्साहन से विद्यार्थी नए-नए ज्ञान की प्राप्ति कर सकते हैं, साथ ही शिक्षकों पर सक्षम, अद्यतन न होने और शिक्षकों की कमी के जो आरोप लगते हैं उसे भी दूर किया जा सकता है। वैसे भी भारत जैसे विशाल देश में पर्याप्त स्कूल कॉलेज नहीं है ।ऑनलाइन शिक्षा के विकल्प से स्कूल कॉलेज कम होने का दबाव धीरे-धीरे कम होने लगेगा और स्कूल कॉलेज के दाखिले में अनिवार्यता भी धीरे-धीरे कम होने

लगेगी। ऑनलाइन शिक्षा पर्यावरण की दृष्टि से लाभकारी है, करोना संक्रमण की दृष्टि से लाभकारी है, और आर्थिक रूप से भी आवागमन के खर्चे से बचत के रूप में देखा जा रहा है। ऑनलाइन विद्यार्थी स्वयं शिक्षा के स्तर को समझेंगे और यह भी समझेंगे कि उन्हें क्या पसंद है और किस क्षेत्र में उन्हें आगे जाकर शोध करना है या बड़ी डिग्री हासिल करना है। इससे ज्ञान की विविधता भी प्राप्त होती है। समय की बचत के साथ इसमें आर्थिक लाभ भी होता है। तीव्रता और गहनता की दृष्टि से ऑनलाइन शिक्षा काफी महत्वपूर्ण तथा प्रभाव कारी है। ऑनलाइन शिक्षा पाठ्यक्रम के लिए आवश्यक सूचनाएं एवं डाटा संग्रहण तीव्रता से होता है तथा सृजनशीलता की विविधता की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। ऑनलाइन शिक्षा में सर्वश्रेष्ठ विश्वविद्यालय विद्यालय और शिक्षकों की उपलब्धता भी छात्रों की मदद के लिए सदैव रहती है। दूसरी तरफ ऑनलाइन शिक्षा से कई समस्याएं भी जुड़ी होती हैं। ऑनलाइन शिक्षा नेटवर्क कंप्यूटर पर आधारित होती है इसके लिए कई उपकरणों की जरूरत होती है जो काफी आर्थिक रूप से महंगे होते हैं ।भारत जैसे देश में ऑनलाइन शिक्षा सबके लिए संभव नहीं है। विशाल जनसंख्या वाले देश में हर जगह कंप्यूटर नेटवर्क और मोबाइल की उपलब्धता इतनी आसान नहीं है, जितनी की योजना बनाते समय कल्पना की गई थी। बच्चों की रचनात्मक क्षमता का भी इसमें नुकसान होता है क्योंकि पाठ्यक्रम से संबंधित सारी जानकारियां किताबों में ना खोजकर इंटरनेट के माध्यम से प्राप्त कर लेते हैं। उनमें जिज्ञासा का अभाव पैदा होने लगता है एवं रचनात्मकता भी खत्म होती है। ऑनलाइन शिक्षा में छोटे बच्चों को शारीरिक व्यायाम एवं शारीरिक कसरत का अभाव पैदा होने लगता है, छोटे बच्चों को खेलकूद वाली शिक्षा उनकी शारीरिक आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर दी जाती है पर ऑनलाइन शिक्षा में ऐसा संभव नहीं है। स्कूल कॉलेजों में नियमित शिक्षा कक्षाओं में बैठकर शिक्षकों के दबाव में अनुशासन में दी जाती है, जिससे एक साम्यता छात्रों में बनी रहती है पर ऑनलाइन शिक्षा में छात्र किसी भी नियम से न बंद कर खुलकर इंटरनेट का दुरुपयोग भी कर सकते हैं। भारतीय तथा विदेशी मनोवैज्ञानिकों के अनुसार ऑनलाइन शिक्षा अत्यंत तनावपूर्ण होती है। एक रिसर्च के अनुसार 15 मिनट के ऑनलाइन अध्ययन के बाद छात्रों की नोट्स लेने में रुचि खत्म हो जाती है एवं व मनोरंजन साइड की तरफ झुकने लगते हैं। ऑनलाइन शिक्षा से बच्चों के शारीरिक तथा मानसिक स्वास्थ्य पर भी असर पड़ रहा है सबसे ज्यादा आंखों पर असर पड़ने लगता है बहुत जल्दी ही बच्चों को आंखों में चश्मे और लेंस लगने लगते हैं। पर परिवर्तन संसार का एक मूलभूत नियम है जो राष्ट्र समाज व व्यक्ति अपने को समय के साथ बदल लेगा वह निश्चित रूप से विकास के पथ पर आगे जाएगा। वर्तमान युग डिजिटल युग है कोविड-19 के संक्रमण ने पूरे विश्व को अपनी सोच में परिवर्तन आने के लिए मजबूर कर दिया और यही कारण है कि वैश्विक स्तर पर हर राष्ट्र ऑनलाइन शिक्षा के लिए जोर शोर से शिक्षा जगत में तैयारियां कर रहा है। यद्यपि इस क्षेत्र में विकसित राष्ट्रों ने ऑनलाइन की शिक्षा की पहल बहुत पहले से करनी शुरू कर दी थी।

ऑनलाइन शिक्षा के संदर्भ में यही कहा जा सकता है कि कुछ चुनौतियां विद्यमान है जिसे हमें दूर दूर कर इसे अत्यंत सुलभ बनाना होगा ।आज की परिस्थितियों में ऑनलाइन शिक्षा के लाभ अत्यंत अधिक हैं। डिजिटल युग में कोरोना संक्रमण की भयावहता से ऑनलाइन शिक्षा के महत्व में काफी वृद्धि हुई है। ऑनलाइन शिक्षा का भविष्य काफी उज्जवल है, यह शिक्षा के क्षेत्र में क्रांति ला सकता है। हमें ऑनलाइन शिक्षा के लिए कड़ी मेहनत एवं निगरानी करनी होगी ताकि छात्रों तथा शिक्षा के जगत से जुड़े जुड़े लोगों को तकनीकी ज्ञान का पूरा लाभ प्राप्त हो सके एवं उनके मानसिक, शारीरिक एवं चरित्र का निरंतर विकास होता रहे।

कानपुर देहात अध्यक्ष नगर पंचायत मूसानगर व नगर पंचायत के सभासदगणों की उपस्थिति में कार्यक्रम का किया आयोजन

कानपुर देहात जिला समाज कल्याण अधिकारी गीता सिंह ने बताया कि गणतंत्र दिवस के अवसर पर समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित छात्रावासों में कार्यक्रमों का आयोजन कराये जाने के सम्बन्ध में निदेशालय समाज कल्याण उ०प्र०लखनऊ के अनुपालन में जनपद में स्थित छात्रावासों में स्थानीय मा0 जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में गणतंत्र दिवस की महत्ता के अनुरूप भव्य एवं गरिमापूर्ण कार्यक्रम का आयोजन उत्साह एवं हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न कराया गया। राजकीय अनुसूचित जाति छात्रावास (बालक) मूसानगर विधान सभा भोगनीपुर में श्रीमती पूजा विनोद निषाद मा०अध्यक्ष नगर पंचायत मूसानगर व नगर पंचायत के सभासदगणों की उपस्थिति में कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना के छात्र-छात्राओं ने भी प्रतिभाग किया गया। राजकीय अनुसूचित जाति छात्रावास (बालिका) अकबरपुर विधान सभा अकबरपुर में आशीष मिश्रा, मा०प्रमुख क्षेत्र पंचायत अकबरपुर की उपस्थिति में कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

अवैध निर्माण कार्यो पर अभियान चलाकर की जा रही है ध्वस्तीकरण व सीलिंग की कार्रवाई

बुधवार को प्रवर्तन (जोन-1बी) के द्वारा लगभग 14 बीघा क्षेत्रफल में केडीए का बुलडोजर गरजा

नेशनल एक्सप्रेस उत्कर्ष सिंह

कानपुर विकास प्राधिकरण ने अवैध निर्माण कार्यो पर अभियान चलाकर ध्वस्तीकरण व सीलिंग की कार्रवाई की जा रही है। बुधवार को प्रवर्तन (जोन-1बी) के द्वारा लगभग 14 बीघा क्षेत्रफल में केडीए का बुलडोजर गरजा। टीम द्वारा बिना नक्शा पास कराए की जा रही अवैध प्लाटिंग पर ध्वस्तीकरण, सीलिंग व नोटिस की कार्यवाही की गई।

प्रवर्तन (जोन-1बी) के विशेष कार्याधिकारी/उपजिलाधिकारी डा. रवि प्रताप सिंह के नेतृत्व में टीम जागेश्वर मंदिर के सामने परमियापुरवा मैनावती मार्ग पर पहुंची। यहां अर्चना निषाद, राम खिलावन, श्री कटियार व अन्य द्वारा आठ बीघा जमीन पर केडीए से नक्शा पास कराए बिना अवैध/अनाधिकृत प्लाटिंग की जा रही थी। आठ बीघे में विकसित की जा रही अवैध प्लाटिंग के अन्तर्गत रोड, नाला, बाउण्ड्रीवाल, बिजली के खम्भे, पिलर, इन्ट्रीगेट आदि को तीन जेसीबी के माध्यम से ध्वस्त किया गया।इसके अलावा टीम ने बैकुण्ठपुर, मन्धना में श्री राजावत व अन्य द्वारा लगभग तीन बीघा जमीन में बिना केडीए से मानचित्र स्वीकृत कराये की जा रही प्लाटिंग को सील किया गया।

वहीं, बैकुंठपुर में आलोक तिवारी, विनय तिवारी व अन्य द्वारा फायर बिग्रेड के सामने रोड के मोड़ पर बायीं तरफ लगभग 2.5 बीघा क्षेत्रफल में 400 वर्ग मीटर में निर्माण किया जा रहा है। मांगे जाने पर टीम को स्वीकृत मानचित्र नहीं दिखा पाए। चन्द्र गुप्त त्रिपाठी व अन्य द्वारा लगभग 2000 वर्ग मीटर क्षेत्रफल में प्लाटिंग किया जा रहा है। यहां भी स्वीकृत मानचित्र नहीं दिखाया गया। विशेष कार्याधिकारी ने बताया कि इनको नोटिस जारी किया गया है। नोटिस का समुचित प्रत्युत्तर प्रस्तुत न किये जाने पर नियमानुसार सीलिंग/ध्वस्तीकरण की कार्यवाही की जायेगी।

डा. रवि प्रताप सिंह ने बताया कि थाना-कल्यानपुर व बिठूर के अन्तर्गत स्थित ग्रामों की लगभग 07 बीघा क्षेत्रफल की अवैध व अनाधिकृत निर्माण/प्लाटिंग को चिन्हित किया जा चुका है। जल्द ही सीलिंग व ध्वस्तीकरण की कार्यवाही की जायेगी। कार्यवाही के दौरान क्षेत्रीय अवर अभियन्ता श्रवण कुमार, हिमांशु बर्नवाल, सुपरवाइजर राम औतार, मनोज के साथ थाना-बिठूर पुलिस रही।

जिलाधिकारी ने कलेक्ट्रेट में की जनसुनवाई, सम्बन्धित अधिकारियों को दिये निर्देश

नेशनल एक्सप्रेस ब्यूरो

कानपुर देहात, जिलाधिकारी कपिल सिंह द्वारा दिनांक 28.01.2026 को कलेक्ट्रेट कार्यालय में जनसुनवाई आयोजित की गई। जनसुनवाई के दौरान जिलाधिकारी ने जनसामान्य की विभिन्न शिकायतों को गंभीरता से सुना तथा संबंधित अधिकारियों को प्रत्येक प्रकरण का समयबद्ध, पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने प्राप्त प्रार्थना पत्रों के संबंध में सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी प्रकरणों का प्राथमिकता के आधार पर संतोषजनक निस्तारण किया जाए तथा किसी भी स्तर पर अनावश्यक विलंब न हो। साथ ही, शिकायतकर्ताओं को निस्तारण की प्रगति एवं वर्तमान स्थिति से समय-समय पर अवगत कराया जाए। जिलाधिकारी द्वारा फार्मर रजिस्ट्री के संबंध में संबंधित अधिकारियों को लक्ष्य के सापेक्ष प्रगति लाने के के निर्देश दिए गए। इस अवसर पर जनसुनवाई को प्रभावी बनाने हेतु समस्त जनपद स्तरीय अधिकारी, उप जिलाधिकारी, खंड विकास अधिकारी एवं नगर निकायों के अधिशासी अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े रहे।

कानपुर में फरार शातिर लुटेरा मुठभेड़ में दबोचा गया, पैर में लगी गोली

कानपुर दक्षिण में पुलिस की सतर्कता और मुस्तैदी का एक और उदाहरण सामने आया है। गुजैनी थाने से फरार शातिर लुटेरा पुलिस मुठभेड़ में पैर में गोली लगने से घायल हो गया। आरोपी को मौके से गिरफ्तार कर इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।गुजैनी पुलिस और क्राइम ब्रांच की संयुक्त टीम ने बीती देर रात बनपुरवा क्षेत्र में घेराबंदी कर फरार अपराधी कल्लू उर्फ विशाल को मुठभेड़ के दौरान दबोच लिया। पुलिस के अनुसार आरोपी 15 जनवरी को ज्वेलर्स शॉप में चोरी के मामले में गिरफ्तार किया गया था, लेकिन शौच जाने के बहाने संतरी को धक्का देकर गुजैनी थाने से फरार हो गया था।फरारी के बाद से ही पुलिस की कई टीमें उसकी तलाश में जुटी थीं। देर रात मुखबिर से मिली पुख्ता सूचना पर जब पुलिस टीम ने आरोपी को रोकने का प्रयास किया, तो उसने खुद को घिरा देख तमंचे से पुलिस पर फायरिंग कर दी। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में एक गोली आरोपी के पैर में जा लगी, जिससे वह मौके पर ही गिर पड़ा।मुठभेड़ के बाद घायल आरोपी को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। प्रारंभिक पूछताछ में आरोपी ने क्षेत्र में हुई कई लूट और चोरी की वारदातों को अंजाम देने की बात स्वीकार की है। पुलिस उसके पास से बरामद अवैध असलहे और अन्य सामान की जांच कर रही है।इस सफल कार्रवाई से कानपुर दक्षिण पुलिस प्रशासन की सतर्कता और अपराधियों के खिलाफ सख़्त रुख साफ़ दिखाई देता है।

पाइपलाइन जोड़ने का काम बना परेशानी, दक्षिण कानपुर में 12 दिन तक पानी की किल्लत

गंगा बैराज से दादानगर फ्लाईओवर व फूलबाग तक जलापूर्ति सामान्य रूप से जारी रहेगी।

नेशनल एक्सप्रेस ब्यूरो

कानपुर।गंगा बैराज से दक्षिण क्षेत्र की ओर होने वाली जलापूर्ति बुधवार से लगातार 12 दिनों तक प्रभावित रहेगी। जलनिगम नगरीय द्वारा नई पाइपलाइन को पुरानी लाइन से जोड़ने का कार्य किया जाना है, जिसके चलते 28 जनवरी से 8 फरवरी तक मुख्य फीडर मेन लाइन से होने वाली आपूर्ति बाधित रहेगी।

जलनिगम नगरीय के अधिशासी अभियंता प्रवीण कुमार ने बताया कि पूर्व में बिछाई गई पाइपलाइन को नई पाइपलाइन से जोड़ने का कार्य साकेतनगर मछली मंडी, दक्षिण द्वार बारादेवी, पराग डेयरी के सामने दीप टॉकीज तिराहा और निरालानगर पंपिंग स्टेशन के पास किया जाना है। इसी कारण दक्षिण क्षेत्र की जलापूर्ति अस्थायी रूप से रोकी जाएगी।

इस दौरान बर्रा-दो, कर्रही, खाड़ेपुर, नौबस्ता, बाबूपुरवा, नयापुरवा, ट्रांसपोर्ट नगर, किदवईनगर, निरालानगर, गोविंदनगर सहित कई अन्य मोहल्लों में पानी नहीं पहुंचेगा, जिससे लाखों लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ेगा।हालांकि अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि गंगा बैराज से दादानगर फ्लाईओवर व फूलबाग तक जलापूर्ति सामान्य रूप से जारी रहेगी।दक्षिण क्षेत्र में पाइपलाइन जोड़ने का कार्य बुधवार से शुरू किया जाना है। विभागीय कार्य प्रगति पर होने के कारण आने वाले कई दिनों तक आम जनता को पानी की गंभीर समस्या से जूझना पड़ेगा। स्थानीय लोगों का कहना है कि पहले से सूचना के बावजूद वैकल्पिक व्यवस्था न होने से परेशानी और बढ़ गई है।

धूमधाम से मनाया गणतंत्र दिवस, हुआ सम्मान समारोह का आयोजन

नेशनल एक्सप्रेस ब्यूरो

कानपुर, नेशनल एक्सप्रेस एवं अलर्ट टीम समाचार पत्र कार्यालय सरसैया घाट सिविल लाइंस में 77 वा गणतंत्र दिवस समारोह बड़ी धूमधाम से मनाया गया जिसमें मुख्य अतिथि वरिष्ठ भाजपा नेता डॉ रोहित सक्सेना व नेशनल एक्सप्रेस दैनिक समाचार पत्र के कानपुर मंडल प्रभारी डी के सिंह वरिष्ठ एडवोकेट/ पत्रकार द्वारा ध्वजारोहण किया गया उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि आज हमारा देश 77 वा गणतंत्र दिवस समारोह मना रहा है आज पूरे देश में तिरंगा फहराया जा रहा है। गणतंत्र दिवस के अवसर कहा की हम सभी देश के नागरिकों को समाज को अच्छी बेहतर दशा व दिशा देने में सदैव सहयोग करना चाहिए और अपने गली मोहल्ले में अच्छाई को बढ़ाने के लिए हर संभव प्रयास करना चाहिए नेशनल एक्सप्रेस एवं अलर्ट टीम समाचार की टीम ने कानपुर नगर के वरिष्ठ पत्रकारों समाजसेवा से जुड़े लोगों को तिरंगा दुपट्टा व बैच लगा कर सम्मानित किया अलर्ट टीम कार्यालय में मिठाई वितरित की गई पत्रकार साथियों ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं दी। उसके बाद बच्चों ने रंगारंग कार्यक्रम करके सबका मन मोह लिया। इस मौके पर अलर्ट टीम समाचार पत्र के संपादक के के साहू, नेशनल एक्सप्रेस अख़बार के ब्यूरो मंडल डी के सिंह, अलर्ट टीम के उप सम्पादक चन्दन जायसवाल, यूपी टीवी 7 के डायरेक्टर नरेश सिंह चौहान, पत्रकार मो आमिर, मनीष जैन, संजय गुप्ता, आशीष गुप्ता, सौरभ सिंह, पत्रकार स्वप्निल तिवारी, रवि सिंह, शिवम साहू हर्षित साहू, मोहित शुक्ला, राहुल दीक्षित, डॉ प्रवीन कुमार, अनुराग रावत, उत्कर्ष सिंह, महेन्द्र साहू, करन साहू, विजय श्रीवास्तव, अनिल कुमार आदि पत्रकार साथियों ने शिरकत की।

पैकेज्ड पेयजल यूनिटों पर सख्ती, 26 का निरीक्षण,

कानपुर नगर।जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह के निर्देश के क्रम में जनपद में संचालित पैकेज्ड ड्रिंकिंग वाटर के प्रसंस्करण यूनिटों के विरुद्ध सघन निरीक्षण अभियान चलाया गया। खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की टीम द्वारा कुल 26 यूनिटों का निरीक्षण किया गया, जिसमें 10 यूनिटें बंद पाई गईं। निरीक्षण के दौरान कई इकाइयों में निर्धारित मानकों के उल्लंघन की पुष्टि हुई। पाई गई कमियों के आधार पर चार केंद्रीय लाइसेंस प्राप्त यूनिटों के लाइसेंस निलंबन की संस्तुति करते हुए केंद्रीय अनुज्ञप्ति प्राधिकारी को पत्र प्रेषित कर दिया गया है। वहीं चार स्टेट लाइसेंस प्राप्त यूनिटों की खाद्य अनुज्ञप्ति को निलंबित करते हुए अग्रिम कार्रवाई की जा रही है।

अंधी कमाई के लिए ज़हर बेचने का खेल: कानपुर में बोतलबंद पानी माफिया बेनकाब

नेशनल एक्सप्रेस अमित पटेल

कानपुर, शुद्ध और सुरक्षित पेयजल के दावों के बीच कानपुर में बोतलबंद पानी के कारोबार की पोल खुल गई है। जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह के निर्देश पर खाद्य विभाग की टीम द्वारा की गई सघन जांच में सामने आया है कि पानी के नाम पर खुलेआम आम जनता की सेहत से खिलवाड़ किया जा रहा है।

खाद्य विभाग की टीम ने जिले की 26 पैकेजिंग यूनिटों का औचक निरीक्षण किया। जांच के दौरान 10 यूनिटें बंद पाई गईं, जबकि 4 यूनिटों में स्वच्छता मानकों का घोर उल्लंघन मिला। वहीं, 4 यूनिटों में पानी की जांच रिपोर्ट सही नहीं पाई गई, जबकि 4 अन्य यूनिटें निर्धारित मानकों के अनुरूप काम नहीं कर रही थीं।गंभीर अनियमितताओं को देखते हुए खाद्य विभाग ने चार स्टेट लाइसेंस प्राप्त यूनिटों के लाइसेंस तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिए। निलंबित की गई यूनिटों में मेसर्स प्रभु कृपा एंटरप्राइजेज (पनकी इंडस्ट्रियल एरिया), केएस टेस्टी ड्रिंक्स एंड रिफ्रेशमेंट सॉल्यूशन (यशोदा नगर), संतोषा इंडस्ट्रीज (गोविंद नगर) और सत्यम एंटरप्राइजेज (हंसपुरम, नौबस्ता) शामिल हैं। जांच में इन यूनिटों में अल्ट्रावायलेट ट्रीटमेंट की कमी, पानी की अद्यतन जांच रिपोर्ट का अभाव और अत्यंत खराब स्वच्छता व्यवस्था पाई गई।

इसके अलावा, चार केंद्रीय लाइसेंस प्राप्त यूनिटों के लाइसेंस निलंबन की संस्तुति के लिए खाद्य विभाग ने शासन को पत्र भेज दिया है। इन यूनिटों में भी कार्य मानकों के विपरीत पाया गया।जिले में कैन के माध्यम से पानी सप्लाई करने वाली यूनिटों की नियमित निगरानी न होने से स्थिति और गंभीर होती जा रही है। ब्रांड के नाम पर पानी पैक कर बेचने वाली कई कंपनियां नियमों को ताक पर रखकर अंधी मुनाफाखोरी में जुटी हैं। मामले की गंभीरता को देखते हुए खाद्य विभाग ने 8 यूनिटों से पानी के सैंपल लेकर उन्हें जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा है। रिपोर्ट आने के बाद दोषी यूनिटों के खिलाफ और सख़्त कार्रवाई किए जाने की तैयारी है।बंद बोतलों में बिक रहा पानी अब भरोसे के दायरे से बाहर होता जा रहा है।

आज का राशिफल

ज्योतिष: डॉ. श्याम सुंदर पाठक 'अनंत'
Mob:-9760800271

मेष : रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। लाभकारी गतिविधियों में संक्रियता रहेगी। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी।

वृष : कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे।

मिथुन : जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। परिवारजनों के सहयोग से काम बनाना आसान रहेगा। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। थाड़े प्रयास से कार्य सिद्घ होंगे।

कर्क : परिवारजन का सहयोग व समन्वय से काम बनाना आसान करेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी आर्थिक लाभ हेतु किये गए कार्यों का तत्काल प्रतिफल मिलेगा। बौद्घिक उलझनें बनी रहेगी। लाभमार्ग प्रशस्त होगा।

सिंह : मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ होगा। पैतृक सम्पत्ति से लाभ मिलेगा। नैतिक दायरे में रहें। मेहमानों का आगमन होगा। विद्यार्थियों को लाभ मिलेगा। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। चिंतनीय वातावरण से मुक्ति मिलेगी।

कन्या : शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा।

तुला : कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह बना रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होगी। प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है।

वृश्चिक : स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा।

धनु : महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं।

मकर : धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्घितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा।

कुंभ : शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों से समागम भी होगा। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी।

मीन : श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होंगी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे।

कोआपरेटिव इस्टेट में ध्वजारोहण का कार्यक्रम आयोजित किया गया

नेशनल एक्सप्रेस ब्यूरो

कानपुर, दादा नगर स्थित 77 वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर कोआपरेटिव इस्टेट के प्रशासनिक भवन में एवं संस्था द्वारा संचालित विद्यालय कोपेस्टेट शिक्षा सदन जू.हा. स्कूल में हर्षोल्लास के साथ कोआपरेटिव इस्टेट वूमेन इन्टरप्रेन्योर विंग की महिला उद्यमी श्रुति टकरू व कुमकुम अग्रवाल ने चेयरमैन विजय कपूर व रमन कपूर के साथ ध्वजारोहण किया वही चेयरमैन विजय कपूर ने कहा कोपेस्टेट शिक्षा सदन जू.हा. स्कूल में श्रमिकों के बच्चों को निःशुल्क शिक्षा, कापी-किताबें, ड्रेस आदि उपलब्ध करायी जाती है एवं शिक्षारत छात्रों को उनके उज्जवल भविष्य के लिये शुभकामनाएं और आशीर्वाद दिया। कोआपरेटिव इस्टेट प्रांगण में चेयरमैन विजय कपूर के साथ कोआपरेटिव इस्टेट वूमेन इन्टरप्रेन्योर विंग की महिला उद्यमी शालू सदाना व आशा मेहदीरत्ता ने ध्वजारोहण किया। देश की आन-बान-शान तिरंगे के फहराने, राष्ट्र-गान गाये जाने व उद्यमियों द्वारा लगाये गये नारों से सारा माहौल देशभक्तिपूर्ण हो गया। चेयरमैन विजय कपूर ने 77वें गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं देते हुए, समस्त उद्यमियों को एकजुट होकर अपने उद्योगों में उत्पादन बढ़ाने एवं देश की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ बनाने में सर्वदा प्रयासरत रहने हेतु प्रोत्साहित किया। इससे अतिरिक्त, विभिन्न संस्थाओं द्वारा आयोजित ध्वजारोहण कार्यक्रम में चेयरमैन विजय कपूर ने मुख्य अतिथि के रूप में ध्वजारोहण किया। दादा नगर टैम्पो-टैक्सी एसोसिएशन द्वारा आयोजित झण्डारोहण एवं दादा नगर पुल के ऊपर आयोजित झण्डारोहण कार्यक्रम में चेयरमैन विजय कपूर ने झण्डारोहण किया इसके उपरान्त, मिश्रीलाल चौराहा पर दबौली वेस्ट नौरैया खेड़ा व्यापार मण्डल द्वारा आयोजित कार्यक्रम में ध्वजारोहण किया, जहॉ प्रदीप शुक्ला व जे.पी. पाल सहित क्षेत्रीय नागरिकों ने माला पहनाकर विजय कपूर का अभिनन्दन किया। यहॉ पर प्रमुख रूप से सुरेश पुरी, हरीश ईसरानी, आर.पी. सिंह, विशाल खण्डेलवाल, दिनेश कुशवाहा, बसंत लाल विश्वकर्मा, बलराम नरूला, कार्तिक कपूर, पम्मी खन्ना, भीमसेन, प्रवीन विज, नरेश विरमानी, अर्पित अवस्थी, मयंक विज, महेश माखीजा, श्याम बिजलानी, सीताराम शुक्ला सहित आदि लोग मौजूद रहे।

आयुष्मान कार्ड बनाने में लापरवाही पर तीन एमओआईसी को नोटिस

नेशनल एक्सप्रेस डी के सिंह

कानपुर नगर।आयुष्मान कार्ड निर्माण में अपेक्षित प्रगति न मिलने को जिलाधिकारी जितेन्द्र प्रताप सिंह ने सख्त रुख अपनाया है। सरसैया घाट स्थित नवीन सभागार में आयोजित समीक्षा बैठक के दौरान शिवराजपुर, बिल्हौर और भीतरगांव के एमओआईसी की कार्यप्रणाली पर असंतोष जताते हुए उनके खिलाफ कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने दो टूक कहा कि आयुष्मान कार्ड जैसा जीवनरक्षक जनकल्याणकारी अभियान प्राथमिकता पर है और इसमें किसी भी स्तर की शिथिलता सीधे जवाबदेही तय करेगी।

समीक्षा में सामने आया कि जनवरी माह में अब तक केवल 7,258 नए आयुष्मान कार्ड ही बनाए जा सके हैं। इस पर जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि अभियान को तत्काल युद्ध स्तर पर चलाया जाए और शेष पात्र लाभार्थियों के आयुष्मान कार्ड बिना किसी देरी के बनाए जाएं। उन्होंने चेतावनी दी कि 3 फरवरी को पुनः समीक्षा की जाएगी और यदि प्रगति संतोषजनक नहीं पाई गई तो संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध कठोर प्रशासनिक कार्रवाई सुनिश्चित मानी जाए।

बैठक में यह भी अवगत कराया गया कि जनपद कानपुर नगर में अब तक कुल 8 लाख 64 हजार 21 आयुष्मान कार्ड निर्गत किए जा चुके हैं। वय वंदना योजना के अंतर्गत 70 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के 79,533 वरिष्ठ नागरिकों के आयुष्मान कार्ड जारी किए जा चुके हैं, जिसके आधार पर इस श्रेणी में कानपुर नगर प्रदेश में प्रथम स्थान पर है।

समीक्षा के दौरान जन आरोग्य समिति के अंतर्गत नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में बजट व्यय की स्थिति भी जिलाधिकारी के समक्ष रखी गई, जिस पर उन्होंने गहरी नाराजगी व्यक्त की। ग्वालटोली, जूही, जागेश्वर, बेनाझाबर, सर्वोदय नगर और अनवरगंज यूपीएचसी में आवंटित धनराशि का उपयोग अत्यंत सीमित पाया गया, जबकि रामबाग यूपीएचसी द्वारा प्राप्त धनराशि का समुचित उपयोग न किए जाने को गंभीर लापरवाही माना गया।

जिलाधिकारी ने सात नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों द्वारा जन आरोग्य समिति के अंतर्गत प्राप्त धनराशि का संतोषजनक उपयोग न किए जाने पर शासन को पत्र भेजने के निर्देश मुख्य चिकित्सा अधिकारी को दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह धनराशि मरीजों की सुविधाओं, उपचार व्यवस्था और स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता सुधारने के लिए है और भविष्य में किसी भी प्रकार की वित्तीय या प्रशासनिक लापरवाही पर संबंधित अधिकारियों की व्यक्तिगत जवाबदेही तय की जाएगी। बैठक में सीएमओ डॉ हरिदत्त नेमी, डिप्टी सीएमओ डॉ आरपी यादव सहित विभिन्न अधिकारी मौजूद थे।

एमवीडीए बोर्ड बैठक में 2082 करोड़ के बजट को मंजूरी

नेशनल एक्सप्रेस संवाददाता

मथुरा। आगरा मंडल के आयुक्त और मथुरा वृन्दावन विकास प्राधिकरण (एमवीडीए) के अध्यक्ष शैलेन्द्र कुमार सिंह की अध्यक्षता में प्राधिकरण की 108वीं बोर्ड बैठक संपन्न हुई। बैठक में वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए 2082.84 करोड़ रुपये के भारी भरकम प्रस्तावित बजट को सर्वसम्मति से अनुमोदन प्रदान किया गया। साथ ही, विकास कार्यों के लिए 2053.57 करोड़ रुपये के व्यय को भी हरी झंडी दी गई। बैठक के दौरान

- विकास कार्यों में तेजी के लिए विशेषज्ञों की नियुक्ति, कानूनी पैरवी को मिलेगा

तहसील सदर के ग्राम जैंत में विकसित की जा रही आवासीय योजना के मानचित्रों में आंशिक संशोधन को स्वीकृति दी गई, जिससे यहां आवास निर्माण की प्रक्रिया और सुगम होगी। इसके साथ ही, गोवर्धन विकास आवासीय योजना के तहत महायोजना 2031 के क्रियान्वयन हेतु श्जोनल प्लानश तैयार करने और कॉरिडोर मॉडल के माध्यम से दुकानों की बिक्री (सेल) के प्रस्ताव को भी मंजूरी प्रदान की गई।इस महत्वपूर्ण बैठक में जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह, उपाध्यक्ष लक्ष्मी एन, नगर आयुक्त जग प्रवेश, सचिव आशीष सिंह सहित मुख्य नगर नियोजक और बोर्ड के अन्य सरकारी व गैर सरकारी सदस्य उपस्थित रहे।

प्राधिकरण के कार्यों में तकनीकी दक्षता लाने के लिए आउटसोर्सिंग के माध्यम से 5 अन्य अभियंता, 1 शहरी एक्सपर्ट, 1 जीआईएस एक्सपर्ट और 1 प्रोक्योरमेंट सलाहकार की नियुक्ति के प्रस्तावों को अनुमोदित किया गया। इसके अतिरिक्त, टीबी बोर्ड एवं सीबीआई से संबंधित माननीय उच्चतम न्यायालय के प्रकरणों में प्रभावी पैरवी हेतु विशेष अधिवक्ताओं की नियुक्ति का भी निर्णय लिया गया।

समयबद्धता और गुणवत्ता पर मंडलायुक्त का जोर

मंडलायुक्त शैलेन्द्र कुमार सिंह ने अधिकारियों को कड़े निर्देश देते हुए कहा कि बोर्ड द्वारा अनुमोदित प्रस्तावों का क्रियान्वयन निर्धारित समय-सीमा के भीतर और उच्च गुणवत्ता के साथ किया जाए। उन्होंने कहा, मथुरा वृन्दावन का समग्र विकास हमारी प्राथमिकता है, इसमें वित्तीय अनुशासन और पारदर्शिता से कोई समझौता नहीं किया जाएगा।

बड़े बकायेदारों पर नगर निगम ने शुरू की सख्ती

- अपर नगर आयुक्त के नेतृत्व में गृहकर, जलकर वसूली अभियान, मौके पर लाखों रुपये

नेशनल एक्सप्रेस संवाददाता

मथुरा। नगर आयुक्त के आदेश के अनुपालन में बुधवार को अपर नगर आयुक्त अनिल कुमार के नेतृत्व में नगर निगम द्वारा भूतेश्वर जोन क्षेत्र में गृहकर एवं जलकर के बड़े बकायेदारों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की गई। इस दौरान सौंख रोड क्षेत्र में बकाया कर की वसूली के लिए सीलिंग एवं कुर्की की कार्रवाई अमल में लाई गई। कार्रवाई के दौरान मानचित्र संख्या 2 पी आर सी 157 के भवन स्वामी सतीशचंद अग्रवाल पर 95 हजार 671 रुपये, मानचित्र संख्या एम एच एन 247 के भवन स्वामी धर्मेंद्र आदि पर 95 हजार 358 रुपये, मानचित्र संख्या एम एच एन 251 की भवन स्वामिनी कैला देवी पर एक लाख 81 हजार 554 रुपये तथा मानचित्र संख्या पी डी पी 88 के भवन स्वामी गिरधरलाल परमानंद आदि पर एक लाख 13 हजार 906 रुपये बकाया पाया गया। सीलिंग व कुर्की से बचने के लिए मानचित्र संख्या 2 पी आर सी 157 के भवन स्वामी द्वारा 45 हजार रुपये, मानचित्र संख्या एम एच एन 247 के भवन स्वामी द्वारा 40 हजार रुपये तथा मानचित्र संख्या एम एच एन 251 की भवन स्वामिनी द्वारा एक लाख 50 हजार रुपये का चेक नगर निगम को सौंपा गया, जबकि शेष धनराशि शीघ्र जमा कराने का आश्वासन दिया गया। वहीं मानचित्र संख्या पी डी पी 88 के भवन स्वामी ने 29 जनवरी को भुगतान करने की बात कही। इसके अतिरिक्त कार्रवाई के दौरान मानचित्र संख्या एस ओ आर 48 के भवन स्वामी ने अपने भवन की बकाया धनराशि एक लाख दो हजार 71 रुपये नकद नगर निगम में जमा कराई।

वृंदावन बस स्टैंड पर हिंसक झड़प, चालकों की हड़ताल से ठप रहा रोडवेज संचालन

मथुरा। वृंदावन रोडवेज बस स्टैंड पर बुधवार सुबह वर्चस्व की जंग ने हिंसक रूप ले लिया। रोडवेज बस चालकों और सामने स्थित एक निजी ट्रैवल एजेंसी के कर्मचारियों के बीच हुई भीषण मारपीट से बस स्टैंड रणक्षेत्र बन गया। इस घटना में चार लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं, जबकि आक्रोशित रोडवेज कर्मियों ने चक्का जाम कर अनिश्चितकालीन हड़ताल का ऐलान कर दिया है। सवारियों को लेकर खींचतान प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, लंबे समय से निजी ट्रैवल एजेंसी के कर्मचारी बस स्टैंड के भीतर घुसकर यात्रियों को बहला-फुसलाकर अपनी बसों में ले जाते थे। रोडवेज कर्मियों द्वारा इसका विरोध करने पर आज सुबह विवाद बढ़ गया। बात गाली गलौज से शुरू होकर मारपीट तक जा पहुंची। देखते ही देखते दोनों पक्षों में जमकर लाठी-डंडे चले, जिससे यात्रियों में अफरा तफरी मच गई। उपद्रवियों ने रोडवेज की दो टिकट मशीनों (ईटीएम) को क्षतिग्रस्त कर दिया और एक बस के शीशे तोड़ डाले। संघर्ष में चार लोग घायल हुए हैं। घटना के विरोध में सभी चालक-परिचालक एकजुट होकर वृंदावन कोतवाली पहुंचे और कार्य बहिष्कार कर दिया।

टीएमयू मोबाइल डेंटल वैन अब पहुंचेगी आपके द्वार, कुलाधिपति ने किया शुभारंभ

नेशनल एक्सप्रेस संवाददाता

मुरादाबाद। तीर्थंकर महावीर यूनिवर्सिटी, मुरादाबाद के डेंटल कॉलेज एंड रिसर्च सेंटर की ओर से नई अत्याधुनिक मोबाइल डेंटल वैन जनता को समर्पित की। यह वैन मुहल्लों और गांव-गांव आपके द्वार पहुंचेगी। इस मोबाइल डेंटल वैन का कुलाधिपति श्री सुरेश जैन और फर्स्ट लेडी श्रीमती वीना जैन ने जिनालय के सामने फीता काटकर भव्य शुभारम्भ किया। इस सुअवसर पर ग्रुप वाइस चेयरमैन श्री मनीष जैन, एग्जिक्यूटिव डायरेक्टर श्री अक्षत जैन के संग-संग वीसी प्रो. वीके जैन आदि की गरिमामयी मौजूदगी रही। उद्घाटन से पूर्व श्रीमती ऋचा जैन ने मोबाइल डेंटल वैन की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। अंत में हरी झंडी दिखाकर जनसेवा के लिए रवाना किया। कुलाधिपति श्री सुरेश जैन उम्मीद जताई, यह मोबाइल डेंटल वैन सेवा विशेष रूप से गरीब और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लोगों के लिए वरदान सिद्ध होगी। इस मोबाइल डेंटल वैन में दी जाने वाली सभी सेवाएं पूर्णतः निःशुल्क हैं। जीवीसी श्री मनीष जैन कहते हैं, इस मोबाइल डेंटल वैन के माध्यम से उन दूर-दराज़ और ग्रामीण क्षेत्रों के मरीजों को सीधा लाभ मिलेगा, जो किसी कारणवश अस्पताल तक नहीं पहुंच पाते हैं। अब सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों में भी मरीजों की दंत जांच, प्राथमिक उपचार, आवश्यक दंत चिकित्सा सेवाएं गांव में ही मिल सकेंगी।

ईडी श्री अक्षत जैन बताते हैं, यह मोबाइल डेंटल वैन पूर्णतः सुसज्जित चलता-फिरता डेंटल क्लिनिक है, जिसमें दो आधुनिक डेंटल चेयर हैं। साथ ही वैन में उच्च गुणवत्ता वाली कंपनी का कंप्रेशर, फूल्ली वेल-इक्विप्ड डिजिटल एक्स-रे यूनिट, इंट्रा ओरल स्कैनर, आवश्यक डेंटल उपकरण, आधुनिक सुविधाएं हैं। ये डेंटल वैन पूर्णतः वातानुकूलित है। वैन में मरीजों के साथ-साथ चिकित्सकों के कंफर्ट का भी पूरा ध्यान रखा गया है। वैन के बाहरी तरफ एक टीवी लगा है, जिससे चलचित्र के माध्यम से मरीजों को जागरूक किया जा सके। इस वैन में इंडिपेंडेंट पावर सप्लाई की सुविधा भी दी गई है। यह मोबाइल डेंटल वैन समाज में दंत स्वास्थ्य जागरूकता फैलाने के साथ-साथ लोगों को समय पर इलाज उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इस अवसर पर डेंटल कॉलेज की डायरेक्टर गवर्नेंस श्रीमती नीलिमा जैन, डेंटल कॉलेज के प्रधानाचार्य प्रो. प्रदीप तांगड़े, उप-प्रधानाचार्या डॉ. अंकिता जैन, डॉ. विकास सिंह, डॉ. अभिनय अग्रवाल, डॉ. डीएस गुप्ता, डॉ. शलभ मेहरोत्रा, डॉ. राजीव पाठक के संग-संग पीजी स्टुडेंट्स- डॉ. हर्षित जैन, डॉ. तूलिका सक्सेना, डॉ. स्वयं सौरभ त्रिपाठी आदि मौजूद रहे।

फर्जी नंबर प्लेट लगाकर वारदात की फिराक में घूम रहा शातिर कार चोर गिरफ्तार, चोरी की क्रेटा कार बरामद

नेशनल एक्सप्रेस संवाददाता

मुरादाबाद। थाना सिविल लाइन्स पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए रामगंगा विहार फेस-02 से चोरी की गई हुंडई क्रेटा कार के मामले में एक शातिर वाहन चोर को गिरफ्तार किया है।आरोपी के कब्जे से चोरी की क्रेटा कार, फर्जी नंबर प्लेट, दो आधार कार्ड, एक स्मार्ट फोन और 1100 रुपये नकद बरामद किए गए हैं। जबकि उसका एक साथी मौके से फरार हो गया, जिसकी तलाश में पुलिस टीम जुटी हुई है।पुलिस के अनुसार रामगंगा विहार फेस-02 निवासी मनोज कपूर की हुंडई क्रेटा कार को उनके मकान के बाहर से चोरी कर ली गई थी। इस संबंध में थाना सिविल लाइन्स में मुकदमा दर्ज किया गया था। थाना सिविल लाइन्स पुलिस टीम गश्त व चेकिंग के दौरान वेव सिनेमा के पीछे रामगंगा विहार क्षेत्र में मौजूद थी। पुलिस ने घेराबंदी की और संदिग्ध सफेद रंग की क्रेटा कार को रोकने का इशारा किया। पुलिस को देखकर कार सवार घबरा गए और भागने का प्रयास किया। इसी दौरान कार में बैठा एक व्यक्ति खिड़की खोलकर अंधेरे का फायदा उठाकर जंगल की ओर फरार हो गया, जबकि दूसरे आरोपी को पुलिस ने मौके पर ही कार सहित दबोच लिया।गिरफ्तार आरोपी ने पुलिस को अपना नाम इस्लामुद्दीन पुत्र निजामुद्दीन निवासी बुद्ध नगर, थाना लोनी, जनपद गाजियाबाद बताया।पुलिस को पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उसने अपने साथी अजय उर्फ सोनू के साथ मिलकर उक्त कार चोरी की थी और पहचान छिपाने के लिए फर्जी आधार कार्ड व फर्जी नंबर प्लेट का इस्तेमाल करता था।पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी की हुंडई क्रेटा कार, 1100 रुपये नकद, एक स्मार्ट फोन, दो आधार कार्ड और दो फर्जी नंबर प्लेट बरामद की हैं।

एसपी ग्रामीण ने फरियादियों की समस्याओं को सुनकर दिए निर्देश

नेशनल एक्सप्रेस फहीम अंसारी

मुरादाबाद। मंगलवार को पुलिस अधीक्षक ग्रामीण कुंवर आकाश सिंह मुरादाबाद द्वारा जनसुनवाई में आए फरियादियों की सुनी गई समस्याएं। प्राप्त जन शिकायतों के त्वरित निस्तारण हेतु सम्बन्धित को दिए गए आवश्यक दिशा-निर्देश। मंगलवार को पुलिस अधीक्षक ग्रामीण कुंवर आकाश सिंह मुरादाबाद द्वारा जनसुनवाई में आये फरियादियों की समस्याएं,शिकायतों को सुना गया। जनसुनवाई के दौरान प्राप्त शिकायतों के शीघ्र एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण हेतु सम्बन्धित को आदेशित किया गया। पुलिस अधीक्षक ग्रामीण द्वारा ग्रामीण क्षेत्र के थाना प्रभारियों को निर्देशित किया गया कि जनसुनवाई, महिला हेल्पडेस्क को और अधिक प्रभावशाली बनाये ताकि पीड़ित,शिकायतकर्ता को अनावश्यक रुप से अपने थाने से पुलिस कार्यालय आने की आवश्यकता न हो साथ ही सभी थाना प्रभारियों को यह भी निर्देश दिये गये कि जिस समस्या का समाधान थाना स्तर से हो सकता है उनका समाधान थाना स्तर पर ही समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर कराना सुनिश्चित करें।मुरादाबाद से सम्भल, बिलारी, चन्दौसी व अलीगढ़ जाने वाली रोडवेज एवं निजी बसें लाजपतनगर रोडवेज से हनुमान मूर्ति तिराहा, काशीपुर तिराहा, जीरो प्वाइंट दलपतपुर होते हुए एनएच-09 मुरादाबाद बाईपास से पुराना टोल प्रथम/द्वितीय होकर अपने गंतव्य को जाएंगी।शहर क्षेत्र में नो-एंट्री का समय पूर्ववत प्रातः 6 बजे से रात्रि 11 बजे तक लागू रहेगा। प्रशासन ने आमजन से सहयोग की अपील की है।

यूपी एसटीएफ की बड़ी कार्रवाई, अवैध गांजा तस्करी करने वाले गिरोह के तीन सदस्यों को किया गिरफ्तार

नेशनल एक्सप्रेस संवाददाता

मुरादाबाद। उत्तर प्रदेश एसटीएफ को बड़ी सफलता हाथ लगी है।एसटीएफ टीम ने अंतर्राज्यीय स्तर पर अवैध मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले गिरोह के तीन सदस्यों को गिरफ्तार करते हुए भारी मात्रा में गांजा बरामद किया है। यह कार्रवाई बुधवार को की गई।एसटीएफ ने थाना पाकबड़ा क्षेत्र के बागड़पुर कट, जनपद मुरादाबाद से तीन मादक पदार्थ तस्करों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार तस्करों में राकेश कुमार पुत्र अतर सिंह निवासी ग्राम जटपुरा थाना डिलारी, नन्हें पुत्र लेखराज निवासी ग्राम जटपुरा थाना डिलारी तथा आसिफ पुत्र इरशाद निवासी ग्राम कांकरखेड़ा थाना डिलारी, जनपद मुरादाबाद शामिल हैं। पुलिस टीम ने गिरफ्तार तस्करों के कब्जे से कुल 01 कुंतल 13.260 किलोग्राम अवैध गांजा बरामद किया गया, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत लगभग 30 लाख रुपये बताई जा रही है। इसके अलावा तस्करी में प्रयुक्त एक ट्रक तथा चार मोबाइल फोन भी बरामद किए गए हैं।एसटीएफ के अनुसार यह गिरोह लंबे समय से अवैध मादक पदार्थों की तस्करी में संलिप्त था और गांजा को एक राज्य से दूसरे राज्य तक पहुंचाने का कार्य करता था। पुलिस गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ कर रही है, जिससे तस्करी नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों के नाम सामने आने की संभावना है।एसटीएफ की इस कार्रवाई से मादक पदार्थ तस्करों में हड़कंप मच गया है। मामले में आगे की विधिक कार्रवाई संबंधित थाना पुलिस द्वारा की जा रही है।

पाकबड़ा थाना क्षेत्र में बीच सड़क हाई वोल्टेज ड्रामा, मारपीट का वीडियो वायरल

नेशनल एक्सप्रेस संवाददाता

मुरादाबाद।जनपद के पाकबड़ा थाना क्षेत्र में बीच सड़क उस समय हाई वोल्टेज ड्रामा देखने को मिला, जब युवक और युवतियों के एक समूह ने एक युवक की जमकर पिटाई कर दी। घटना का वीडियो किसी राहगीर ने मोबाइल में रिकॉर्ड कर लिया, जो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि युवक को चारों ओर से घेरकर उसके साथ मारपीट की जा रही है, जिससे मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, मारपीट के बाद युवक और युवतियां युवक को थाने तक लेकर पहुंचे और उस पर गंभीर आरोप लगाए। बताया जा रहा है कि दोनों पक्षों के बीच किसी बात को लेकर पहले कहासुनी हुई, जो देखते ही देखते हिंसक झड़प में बदल गई। बीच सड़क इस तरह की घटना से राहगीरों में दहशत फैल गई और कुछ समय के लिए यातायात भी प्रभावित हुआ।सूचना मिलते ही पुलिस ने मामले का संज्ञान लिया और सभी संबंधित लोगों को थाने में बैठाकर पूछताछ शुरू कर दी। पुलिस का कहना है कि वायरल वीडियो की भी जांच की जा रही है और तहरीर के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की गहन जांच पड़ताल में जुटी हुई है।

सोनकपुर स्टेडियम में प्रदेश स्तरीय सीनियर पुरुष कुश्ती प्रतियोगिता का डीआईजी ने किया शुभारंभ

नेशनल एक्सप्रेस संवाददाता

मुरादाबाद।खेल निदेशालय, खेल भवन लखनऊ (उ०प्र०) एवं उत्तर प्रदेश प्रदेशीय क्रीड़ा संघ के संयुक्त तत्वाधान में मुरादाबाद के नेता जी सुभाष चन्द्र बोस सोनकपुर स्पोर्ट्स स्टेडियम, में प्रदेश स्तरीय समन्वय सीनियर पुरुष कुश्ती प्रतियोगिता का आयोजन 28 से 30 जनवरी तक किया जा रहा है। प्रतियोगिता का उद्घाटन आज बुधवार को डीआईजी मुनिराज जी के द्वारा किया गया। इस अवसर पर क्षेत्रीय क्रीड़ाधिकारी मंडल चंचल मिश्रा ने मुख्य अतिथि को बुके भेंट कर स्वागत किया।उद्घाटन समारोह में सुनील कुमार सिंह क्रीड़ाधिकारी, डॉ. अजय पाठक संयुक्त सचिव उत्तर प्रदेश ओलंपिक संघ, राजकुमार मिश्रा संयुक्त सचिव उत्तर प्रदेश कुश्ती संघ, पवन कुमार सिसोदिया सचिव जिला कुश्ती संघ मुरादाबाद, बीर सिंह यादव उपाध्यक्ष, दिनेश कुमार सिंह सिसोदिया भाजपा जिला उपाध्यक्ष सहित अनेक खेल अधिकारी, संघ पदाधिकारी एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे।आज आयोजित कुश्ती मुकाबलों में 57 किलोग्राम फ्रीस्टाइल वर्ग में अर्शखान (मेरठ छात्रावास) ने हरेंद्र चौहान (वाराणसी) को चित कर विजय हासिल की। सार्थक गुप्ता (लखनऊ) ने कल्पेंद्र कुमार (अलीगढ़) को 10-0 से पराजित किया। अरशद खान (मेरठ छात्रावास), कमलेश (मिर्जापुर), ऋषभ दिवाकर (मुरादाबाद) और अभिषेक कुमार (सहारनपुर) ने अपने-अपने मुकाबले जीतकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया।61 किलोग्राम फ्रीस्टाइल वर्ग में प्रदीप सिंह (कानपुर) ने महेश राणा (लखनऊ) को 10-0 से हराया।

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजीत पवार की विमान दुर्घटना में निधन की खबर पर डॉ. एस.टी. हसन ने जताया शोक

मुरादाबाद। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजीत पवार की विमान दुर्घटना में मौत की खबर को लेकर देशभर में चर्चाओं का माहौल बना हुआ है। इस बीच समाजवादी पार्टी के पूर्व सांसद डॉ. एस.टी. हसन ने गहरा शोक व्यक्त करते हुए इसे भारतीय राजनीति के लिए अत्यंत गंभीर और दुखद घटना बताया है।डॉ. एस.टी. हसन ने कहा कि अजीत पवार महाराष्ट्र की राजनीति की एक मजबूत और प्रभावशाली धुरी रहे हैं। उन्होंने दशकों तक सक्रिय राजनीति में रहते हुए राज्य के विकास, प्रशासन और नीतिगत निर्णयों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यदि यह खबर सत्य साबित होती है, तो यह न केवल उनके परिवार बल्कि पूरे राजनीतिक जगत के लिए अपूरणीय क्षति होगी।पूर्व सांसद ने अजीत पवार के परिवारजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि इस कठिन समय में पूरा देश उनके साथ खड़ा है। उन्होंने ईश्वर से प्रार्थना की कि परिवार को इस गहरे दुख को सहने की शक्ति प्रदान करें।डॉ. हसन ने इस कथित हादसे को लेकर उठ रहे सवालों पर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि सच्चाई निष्पक्ष जांच के बाद ही सामने आ सकेगी

गांव सराय दाऊद का कच्चा रास्ता, जो आजादी के बाद से नहीं बना

नेशनल एक्सप्रेस संवाददाता

मथुरा। बलदेव विकास खंड की ग्राम पंचायत सराय दाऊद का मुख्य रास्ता आजादी के बाद भी नहीं बना, गांव में जाने के लिए कोई भी रास्ता नहीं है, क्योंकि ये गांव मथुरा बॉर्डर का गांव है, गांव से बाहर जाने के लिए सिर्फ एक ही मैंन रास्ता है जो कि कच्चा पड़ा हुआ है, बरसात के दिनों में तो इसकी हालत बहुत ही खराब हो जाती है । गांव के लोग बलदेव, मथुरा आदि बाहर जाने के लिए हाथरस जनपद के गांवों में से गुजरते हुए जाते है, इस संदर्भ में ग्रामीणों के साथ ग्राम प्रधान संगठन के अध्यक्ष पंडित योगेश गौतम ने कई बार लिखकर व मौखिक रूप से पीडब्ल्यूडी विभाग एवं सांसद हेमा मालिनी को लिखकर दे दिया है, किसी भी जनप्रतिनिधि ने आज तक इस और ध्यान नहीं दिया। बरसात के समय इस मार्ग पर हो रहे गड्ढों में पानी भर जाता है, जिसका वाहन चालकों को आभास नहीं होता ,तो वह गड्ढों में गिर कर चोटिल हो जाते हैं। ग्रामीणों ने क्षेत्रीय विधायक, सांसद, व राज्यसभा सदस्य को पुनः पत्र भेज कर इस रास्ते को पक्का कराने का अनुरोध किया है। अन्यथा की स्थिति में ग्रामीण बड़े आंदोलन बनाने की रणनीति बनाने को मजबूर होगें।

SIR को लेकर प्रदेश उपाध्यक्ष बृज बहादुर ने की समीक्षा बैठक

नेशनल एक्सप्रेस फहीम अंसारी

मुरादाबाद। भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष बृज बहादुर ने पार्टी कार्यालय पर पहुंचकर एसआईआर कार्य की समीक्षा की तथा महापौर विनोद अग्रवाल ने फॉर्म 6 और 7 की जानकारी दी। मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी कार्यालय बुद्धि विहार मुरादाबाद में SIR विशेष सघन पुनरीक्षण के अंतर्गत महत्वपूर्ण बैठक आयोजित हुई। बैठक में एसआईआर में नये वोट को जोड़ने पर विशेष जोर दिया गया। इस अवसर पर मुरादाबाद महापौर विनोद अग्रवाल ने उपस्थित होकर पार्षदगणों के साथ चर्चा व वार्ता की बैठक में बृज बहादुर प्रदेश उपाध्यक्ष का प्रेरणादायी उद्बोधन प्राप्त हुआ। उनके स्पष्ट दिशा-निर्देशों एवं संगठनात्मक दृष्टिकोण ने कार्यकर्ताओं और पार्षदों में नवऊर्जा का संचार किया तथा लक्ष्य प्राप्ति हेतु संकल्प को और दृढ़ किया। बैठक में फॉर्म 6 एवं फॉर्म 7 को अधिकतम संख्या में भरवाने एवं मतदाता सूची को अद्यतन, शुद्ध एवं समावेशी बनाने को लेकर विस्तृत चर्चा हुई। बैठक में सभी पार्षदों से आह्वान किया गया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में सक्रिय रहकर आमजन को जागरूक करें, ताकि कोई भी पात्र नागरिक मतदाता सूची से वंचित न रहे और लोकतंत्र की जड़ें और अधिक मजबूत हों।

दैनिक नेशनल एक्सप्रेस
43 वर्षों से निष्पक्ष व निर्भीक समाचार पत्र
आवश्यकता है
नई दिल्ली से प्रकाशित राष्ट्रीय हिंदी दैनिक नेशनल एक्सप्रेस को हिंदी पत्रकारिता में ब्यूरो प्रमुख, अनुभवी पत्रकार / विज्ञापन प्रसार के लिए दिल्ली व उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों में आवश्यकता है। जर्नलिज्म में अपना कैरियर बनाने को इच्छुक व्यक्ति संपर्क कर सकते हैं।
7080333338 011-49065569
news.vpl@gmail.com
VPL MEDIA PRIVATE LIMITED
S-561, Greater Kailash- II, New Delhi-110048
15/240 G Civil Lines Kanpur - 208001
Instagram facebook

चंदौली में प्रतिमा विसर्जन विवाद को लेकर सपा के पूर्व विधायक व अन्य पर मामला दर्ज

चंदौली (उप्र), (भाषा) चंदौली जिले में 26 जनवरी को सरस्वती प्रतिमा विसर्जन के लिए निकाली गई शोभा यात्रा के दौरान दंगा करने, पुलिस के काम में बाधा डालने और सरकारी आदेशों का उल्लंघन करने समेत अन्य आरोपों में पुलिस ने बुधवार को समाजवादी पार्टी (सपा) के पूर्व विधायक मनोज कुमार सिंह के साथ चार नामजद लोगों और लगभग 60 अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ मामला दर्ज किया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

पुलिस क्षेत्राधिकारी (सदर) देवेंद्र कुमार ने बताया कि यह मामला सैय्यदराजा पुलिस थाने में दर्ज किया गया।

उन्होंने बताया कि युवाओं के एक समूह ने विसर्जन संबंधी शोभा यात्रा के दौरान

अधिक क्षमता वाली संगीत बजाने की उपकरण प्रणाली (डीजे सिस्टम) का इस्तेमाल किया और देर रात तक तेज आवाज में संगीत बजा रहे थे।

जब शोभा यात्रा ने तय रास्ते के अलावा दूसरे रास्ते से जाने की कोशिश की, तो पुलिस ने कानून-व्यवस्था की चिंताओं का हवाला देते हुए उसे रोक दिया और संगीत की आवाज कम करने को कहा।

पुलिस क्षेत्राधिकारी कुमार के अनुसार, पूर्व सपा विधायक मनोज कुमार सिंह सूचना मिलने पर मौके पर पहुंचे और पुलिस से बहस करने लगे। सरकारी निर्देशों और शोभा यात्रा के लिए तय रास्ते के बारे में बताए जाने के बावजूद, उन्होंने कथित तौर पर बात मानने से इनकार कर दिया और पुलिसकर्मियों से बहस करते रहे।

अधिकारी ने बताया कि जब बार-बार अपील करने के बाद भी बात नहीं बनी और पूर्व विधायक ने कथित तौर पर शोभा यात्रा को जबरदस्ती एक गैर-अधिकृत रास्ते से ले जाने की कोशिश की, तो पुलिस ने इसे अशांति भड़काने, सरकारी निर्देशों का उल्लंघन करने और पुलिस के काम में दखल देने की कोशिश माना।

उन्होंने आरोप लगाया कि पूर्व विधायक ने फिर विसर्जन में शामिल युवाओं को पुलिस के खिलाफ नारे लगाने के लिए उकसाया।

पुलिस क्षेत्राधिकारी ने बताया कि इस घटना के बाद पुलिस ने बुधवार को मनोज कुमार सिंह, 'डीजे' संचालक शुभम गुप्ता, दीपक मूर्ति, आशीष और लगभग 60 अज्ञात लोगों के खिलाफ आठ गंभीर धाराओं के तहत मामला दर्ज किया।

इस कार्रवाई पर प्रतिक्रिया जताते हुए पूर्व सपा विधायक ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा कि पुलिस का मामला दर्ज करना विपक्ष की आवाज को दबाने की कोशिश है।

उन्होंने आरोप लगाया कि जो भी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के खिलाफ बोलता है, उसके खिलाफ मामले दर्ज किए जा रहे हैं।

योगी आदित्यनाथ ने लाला लाजपत राय की जयंती पर श्रद्धांजलि दी

लखनऊ, (भाषा) उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को स्वतंत्रता सेनानी लाला लाजपत राय की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि उनका जीवन और बलिदान लोगों को ''राष्ट्र प्रथम'' की भावना से काम करने के लिए प्रेरित करता है।

आदित्यनाथ ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, "महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, कर्मठ सामाजिक कार्यकर्ता एवं स्वदेशी के प्रबल पक्षधर, 'पंजाब केसरी' लाला लाजपत राय की जयंती पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि।"

मुख्यमंत्री ने कहा, "उनका अदम्य साहस, अखंड समर्पण, अटूट देशभक्ति और त्यागमयी जीवन भारतीय स्वतंत्रता संग्राम की अमूल्य धरोहर है, जो हमें सदैव राष्ट्र प्रथम की भावना से कार्य करने के लिए प्रेरित करते हैं।"लाला लाजपत राय का जन्म 28 जनवरी, 1865 को पंजाब के फिरोजपुर जिले के धुदिके नाम के एक छोटे से गांव में हुआ था। वह महात्मा गांधी सहित कई महान हस्तियों के समकालीन थे।

संसद में राष्ट्रपति का अभिभाषण पारपंरिक ज़्यादा तथा आमजन के लिए उपयोगी कम: मायावती

लखनऊ, (भाषा) बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की प्रमुख मायावती ने बुधवार को कहा कि बजट सत्र की शुरुआत में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का संसद में दिया गया अभिभाषण ''ज़्यादा पारंपरिक और आम लोगों के लिए कम उपयोगी'' लगा।

मायावती ने कहा कि सरकार को आत्मनिर्भरता, विदेश नीति और आर्थिक चुनौतियों के मुद्दों पर लोगों का ज़्यादा भरोसा जीतने की ज़रूरत है।

उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि यद्यपि बजट सत्र की शुरुआत संसद के संयुक्त सत्र में राष्ट्रपति मुर्मू के संबोधन से हुई, लेकिन भाषण से देश की गंभीर समस्याओं के शीघ्र समाधान या इसे वास्तविक आत्मनिर्भरता की ओर दृढ़ता से ले जाने की कोई नई उम्मीद नहीं जगी।

उन्होंने कहा कि आज से बजट सत्र शुरू होने के साथ ही, लोगों को उम्मीद थी कि बजट भाषण देश की ज्वलंत समस्याओं के त्वरित समाधान की नई उम्मीद जगाएगा और भारत को आत्मनिर्भरता की ओर निर्णायक रूप से ले जाएगा, लेकिन कई लोगों को यह भाषण अधिक पारंपरिक और आम लोगों के लिए कम उपयोगी लगा।

वैश्विक स्थिति का जिक्र करते हुए, पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि अमेरिका द्वारा 'अमेरिका फर्स्ट' नीति अपनाने के कारण दुनिया में व्यापक उथल-पुथल देखी जा रही है, और इस घटनाक्रम से भारत का प्रभावित होना स्वाभाविक है।

उन्होंने कहा कि ऐसे समय में, समाधान के रूप में निजी क्षेत्र पर सरकार की अत्यधिक निर्भरता से लोगों में चिंता और आशंकाएं पैदा होती हैं कि भारतीय संदर्भ में यह दृष्टिकोण कितना प्रभावी होगा।

बसपा प्रमुख ने कहा कि जहां सरकार संसद के अंदर और बाहर अपने राजनीतिक विरोधियों को आक्रामक रूप से निशाना बनाती है, वहीं जनता को आत्मनिर्भरता, विदेश नीति सहित देश और जनहित से जुड़े मुद्दों पर भी सरकार से उतनी ही प्रखरता की अपेक्षा है, ताकि जन-आत्मविश्वास मज़बूत हो सके।

बसपा नेता ने कहा, "इस क्रम में भारत का करीब 20 साल बाद यूरोपीय यूनियन के साथ व्यापारिक समझौता बड़े-बड़े पूंजीपतियों व धन्नासेठों के साथ-साथ आमजन के हित व कल्याण में भी अवश्य होना चाहिए।"

यूजीसी के नए नियमों के खिलाफ उत्तर प्रदेश में विरोध प्रदर्शन तेज

देवरिया/कौशांबी/रायबरेली, (भाषा) विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के नए नियमों के खिलाफ उत्तर प्रदेश में बुधवार को विरोध तेज हो गया। जहां देवरिया और कौशांबी में बड़े स्तर पर विरोध प्रदर्शन हुआ, वहीं रायबरेली में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के एक पदाधिकारी ने अपने पद से त्यागपत्र दे दिया।

अधिकारियों ने कहा कि देवरिया में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (उच्च शिक्षा संस्थानों में समता के संवर्द्धन हेतु) विनियम, 2026 के विरोध में बुधवार को बड़ी संख्या में लोग सरकार विरोधी नारेबाजी करते हुए कचहरी के पास रोड पर एकत्रित हुए और धरना दिया। सुभाष चौक से निकले लोगों ने जिलाधिकारी कार्यालय के बाहर जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों ने कलेक्ट्रेट परिसर से बाहर निकल कर कचहरी के सामने सड़क जाम कर दी जिससे करीब एक घंटे तक यातायात बाधित रहा। इसके बाद जिलाधिकारी दिव्या मित्तल मौके पर पहुंची और ज्ञापन लेकर जाम को खुलवाया। इस दौरान कलेक्ट्रेट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रीतम मिश्रा ने कहा कि यह नियम लागू होने से सवर्ण समाज के लोगों पर अत्याचार होगा और बच्चों का भविष्य अंधकारमय हो जाएगा।

कुछ वकीलों का कहना है कि सरकार यूजीसी 2026 का नया नियम लागू कर समाज में अराजकता की स्थिति बनाना चाहती है और इससे समाज में अलगाववाद बढ़ेगा।

कौशांबी में 'सवर्ण आर्मी' के जिला अध्यक्ष अभिषेक पांडेय ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को एक पत्र लिखकर यूजीसी नियमों को काला कानून बताया और इसे वापस लेने की मांग की। पांडेय का दावा है कि इन नियमों से सवर्ण युवाओं के भविष्य पर नकारात्मक असर पड़ेगा। उन्होंने जिलेभर के कार्यकर्ताओं से इसी तरह का विरोध प्रदर्शन करने की अपील की। इस बीच, यूजीसी के नए नियमों से आहत होकर रायबरेली के भाजपा किसान मोर्चा के सलोन मंडल अध्यक्ष श्याम सुंदर त्रिपाठी ने अपने पद से त्यागपत्र दे दिया। उन्होंने इस संबंध में प्रधानमंत्री को भी पत्र लिखा है। इसकी सूचना उन्होंने भाजपा किसान मोर्चा के जिला अध्यक्ष और भाजपा जिला अध्यक्ष को भी पत्र के जरिए दी है। श्याम सुंदर त्रिपाठी ने पत्र में कहा ''सवर्ण जाति के बच्चों के विरुद्ध लाए गए यूजीसी जैसे काले कानून के कारण मैं अपने पद से त्यागपत्र देता हूं।

भ्रष्टाचार के मामले में चार पुलिसकर्मियों को लाइन हाजिर किया गया

बहराइच (उप्र), (भाषा) बहराइच के भारत-नेपाल सीमावर्ती क्षेत्र में रूपईडीहा थाने के चार पुलिसकर्मियों को एक संदिग्ध तस्कर को छोड़ने एवं भ्रष्टाचार के आरोपों को लेकर को मंगलवार को लाइन हाजिर किया है।

इन पुलिसकर्मियों को देवीपाटन क्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक अमित पाठक के आदेश पर मंगलवार को निलंबित किया गया। बहराइच के पुलिस अधीक्षक राम नयन सिंह के कार्यालय के एक प्रेस नोट में कहा गया, ''बीती 25 जनवरी को सोशल मीडिया पर एक वीडियो प्रसारित हुआ था जिसमें रूपईडीहा थाने के चार पुलिस कर्मियों- मुख्य आरक्षी देवेंद्र यादव एवं अभिषेक धर द्विवेदी तथा आरक्षी आशीष सिंह एवं कुलदीप दुबे पर भ्रष्ट आचरण करने तथा एक व्यक्ति को पकड़कर छोड़ देने का आरोप लगाया था।' देवीपाटन मंडल के पुलिस महानिरीक्षक अमित पाठक के निर्देश पर बहराइच के पुलिस अधीक्षक ने क्षेत्राधिकारी नानपारा से जांच कराई जिससे पता चला कि जिस व्यक्ति को पकड़कर छोड़ने का आरोप लगाया जा रहा है, वह अभी तक सामने नहीं आया है।

जनसेवा, सिद्धांत और संघर्ष की अमिट विरासत: राम बाबू शर्मा को भावपूर्ण श्रद्धांजलि

राम बाबू शर्मा दूरदर्शी, कर्मठ और जनप्रिय नेता थे: जयप्रकाश अग्रवाल

नेशनल एक्सप्रेस ब्यूरो

500 से अधिक लोगों को निःशुल्क स्वास्थ्य व नेत्र जाँच का लाभ

नई दिल्ली। दिल्ली की राजनीति और जनसेवा में अपनी अमिट छाप छोड़ने वाले पूर्व विधायक एवं दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ नेता स्वर्गीय राम बाबू शर्मा की 17वीं पुण्यतिथि पर क़बूल नगर, शाहदरा स्थित श्री साईं मंदिर में श्रद्धांजलि सभा एवं निःशुल्क स्वास्थ्य व नेत्र जाँच शिविर का आयोजन किया गया।

श्रद्धा, सम्मान और सेवा भाव से ओत-प्रोत इस कार्यक्रम में सैकड़ों लोगों ने स्वर्गीय राम बाबू शर्मा को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।सेवा शिविर के दौरान 500 से अधिक जरूरतमंदों की जाँच कर उन्हें निःशुल्क दवाइयाँ एवं चश्मे वितरित किए गए, जिससे जनसेवा के प्रति राम बाबू शर्मा की सोच साकार रूप में दिखाई दी।

श्रद्धांजलि कार्यक्रम में वरिष्ठ कांग्रेसी नेता एवं पूर्व सांसद जयप्रकाश अग्रवाल, स्वर्गीय राम बाबू शर्मा के सुपुत्र एवं पूर्व विधायक विपिन शर्मा, समाजसेवी पारस शर्मा (पिंकी), पूर्व विधायक एवं यमुना पार विकास बोर्ड के अध्यक्ष अरविंदर सिंह लवली, पार्षद शिवानी पांचाल, पूर्व विधायक अनिल भारद्वाज, जुबैर अहमद, भीष्म शर्मा, ईश्वर बागड़ी, अश्वनी शर्मा, सुशील तिवारी, महेश कपूर, मयंक चतुर्वेदी, जय करण चौधरी सहित विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि, सामाजिक संगठनों के पदाधिकारी एवं क्षेत्र के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।इस अवसर पर जयप्रकाश अग्रवाल ने कहा कि स्वर्गीय राम बाबू शर्मा एक दूरदर्शी, कर्मठ, सिद्धांतनिष्ठ और जनप्रिय नेता थे, जिनका संपूर्ण जीवन जनसेवा और संगठन निर्माण को समर्पित रहा। उन्होंने कहा कि दिल्ली नगर निगम में कांग्रेस दल के नेता के रूप में उनके कार्य आज भी प्रेरणास्रोत हैं।

दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष अनिल चौधरी ने कहा कि राजीव भवन का निर्माण स्वर्गीय राम बाबू शर्मा का ऐतिहासिक योगदान है, जो आज भी कांग्रेस संगठन की वैचारिक शक्ति और लोकतांत्रिक संघर्षों का केंद्र बना हुआ है। पूर्व विधायक अरविंदर सिंह लवली ने कहा कि राम बाबू शर्मा का जीवन इस बात का जीवंत उदाहरण है कि राजनीति सत्ता की नहीं, बल्कि समाज और लोकतंत्र की सेवा का माध्यम होनी चाहिए। एक्रिडेटेड जर्नलिस्ट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष विजय शंकर चतुर्वेदी ने कहा कि एसोसिएशन की ओर से आयोजित इस श्रद्धांजलि सभा में स्वर्गीय राम बाबू शर्मा को पुष्पांजलि अर्पित कर उनके आदर्शों को नमन किया गया। सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों ने भी उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

कार्यक्रम की विशाल उपस्थिति और सेवा गतिविधियों ने यह सिद्ध कर दिया कि स्वर्गीय राम बाबू शर्मा आज भी जन-जन के दिलों में जीवित हैं।

वाराणसी में 'धोखे से' बीफ खिलाने पर शख्स ने की सहकर्मी की हत्या, गिरफ्तार

वाराणसी (उप्र), (भाषा) वाराणसी पुलिस ने कथित रूप से धोखे से बीफ खिलाने पर सहकर्मी की हत्या करने के आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी।

पुलिस के मुताबिक, आरोप है कि पीड़ित ने धोखे से आरोपी को बीफ खिला दिया था और फिर बार-बार इस बात पर ताना कसता था।

सिंधोरा थाना प्रभारी ज्ञानेंद्र कुमार त्रिपाठी ने बुधवार को बताया कि आरोपी की पहचान वीरेंद्र के रूप में हुई है, जो सोलापुर थाना क्षेत्र का रहने वाला है। पुलिस के अनुसार,आठ जनवरी को महागांव गांव में 31 वर्षीय आफताब आलम का शव मिला जिसकी पहचान बिहार के छपरा जिले के निवासी के तौर पर हुई। त्रिपाठी ने बताया कि पीड़ित के परिवार द्वारा हत्या का शक जताने के बाद पुलिस ने जांच शुरू की।

उनके मुताबिक, आफताब के बैंक खातों की जांच में वीरेंद्र नाम के एक व्यक्ति के खाते में पैसे अंतरित होने का पता चला जिसके बाद आरोपी की तलाश शुरू की गई।

थाना प्रभारी ने बताया, ''एक एटीएम से मिली सीसीटीवी कैमरे की फुटेज में वीरेंद्र, आफताब के साथ दिख रहा था।'' उन्होंने बताया कि आरोपी को शनिवार रात उसके मामा के घर से गिरफ्तार किया गया।

त्रिपाठी ने कहा कि पूछताछ के दौरान वीरेंद्र ने पुलिस को बताया कि उसने आफताब के साथ बेंगलुरु में काम किया था, जहां आफताब ने कथित तौर पर उसे बिना बताए बीफ खिला दिया था और बाद में दोस्तों के सामने इस बात पर ताना कसा। इसके बाद आरोपी ने इसका बदला लेने के लिए आफताब की हत्या की साजिश रची। उन्होंने बताया कि सात जनवरी को वीरेंद्र ने आफताब को अपने घर बुलाया और फिर एक साथी के साथ उसे महागांव के एक सुनसान स्थान पर ले गया और रस्सी से गला घोंटकर उसकी हत्या कर दी।

नोएडा में सड़क हादसों में दो पैदल यात्रियों समेत तीन लोगों की मौत

नोएडा (उप्र), (भाषा) नोएडा में सड़क हादसों में दो पैदल यात्रियों समेत तीन लोगों की मौत हो गई है। पुलिस ने बुधवार को जानकारी दी।

फेस-2 के थाना प्रभारी निरीक्षक अवधेश प्रताप सिंह ने बताया कि बीती रात सेक्टर 81 के पास महेश प्रसाद (40) पैदल जा रहे थे, तभी एक अज्ञात कार उन्हें टक्कर मार दी और वह उछलकर सड़क किनारे लगे डिवाइडर से जा टकराये।

सिंह ने बताया कि पुलिस उन्हें एक सरकारी अस्पताल में ले गयी जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। उन्होंने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए ले जा गया है तथा पुलिस मामले की जांच कर रही है।

थाना प्रभारी ने बताया कि गेझा गांव के पास बीती रात 32 वर्षीय एक अन्य अज्ञात युवक को किसी वाहन ने टक्कर मार दी। उन्होंने बताया कि उसे एक अस्पताल में भर्ती करवाया गया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। थाना प्रभारी ने बताया कि मृतक के पास से कोई ऐसा दस्तावेज नहीं मिला है जिससे उसकी पहचान की जा सके। उन्होंने कहा कि पुलिस सोशल मीडिया और अन्य माध्यमों से उसकी पहचान कराने का प्रयास कर रही है।

इस बीच नॉलेज पार्क थानाक्षेत्र में बीती रात एक कॉलेज बस की टक्कर में एक मोटरसाइकिलसवार की मौत हो गई। मृतक के परिजनों की शिकायत पर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

थाना प्रभारी निरीक्षक सर्वेश कुमार सिंह ने बताया कि बीती रात को कृष्ण कुमार ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि उनके चाचा नितिन कुमार अपनी मोटरसाइकिल से एल जी गोल चक्कर की तरफ जा रहे थे, तभी आईआईएमटी कॉलेज के पास एक बस ने उन्हें टक्कर मार दी और मौके पर उनकी मौत हो गई।

मायावती ने यूजीसी के समता संवर्द्धन संबंधी नए नियमों का किया समर्थन, कहा-'विरोध उचित नहीं'

लखनऊ, (भाषा) बहुजन समाज पार्टी प्रमुख मायावती ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (उच्च शिक्षा संस्थानों में समता के संवर्द्धन हेतु) विनियम, 2026 का बचाव करते हुए बुधवार को कहा कि सामान्य वर्ग के कुछ लोगों द्वारा इस कदम का विरोध ''बिल्कुल भी उचित नहीं है''।

हालांकि, उन्होंने आगाह किया कि सामाजिक तनाव से बचने के लिए इन नियमों को व्यापक विचार-विमर्श के बाद लागू किया जाना चाहिए था।

मायावती ने 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, ''देश के उच्च शिक्षण संस्थानों में जातिवादी भेदभाव के निराकरण के लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा सरकारी कॉलेज और निजी विश्वविद्यालयों में समता समिति बनाने के नए नियम के कुछ प्रावधानों का केवल जातिवादी मानसिकता वाले सामान्य वर्ग के लोग ही विरोध कर रहे हैं, इसे भेदभाव और षड्यंत्र मानना कतई उचित नहीं है।''

उन्होंने कहा, ''पार्टी का यह भी मानना है कि इस प्रकार के नियमों को लागू करने से पहले सभी को विश्वास में लिया जाना चाहिए था, जिससे सामाजिक तनाव पैदा नहीं होता। सरकारों और सभी संस्थानों को इस ओर ध्यान देना चाहिए।''

बसपा नेता ने कहा, ''ऐसे मामलों में दलित और पिछड़े वर्ग के लोग भी इन वर्गों के स्वार्थी और बिकाऊ नेताओं के भड़काऊ बयानों के बहकावे में नहीं आएं, जो आए दिन घिनौनी राजनीति करते रहते हैं। इन वर्गों के लोगों को सावधान रहना चाहिए।''

उच्च शिक्षण संस्थानों में जाति आधारित भेदभाव को रोकने के लिए 13 जनवरी 2026 को प्रकाशित यूजीसी के नियमों में विशेष समितियों, हेल्पलाइन और निगरानी दलों की स्थापना अनिवार्य की गई है, ताकि विशेष रूप से अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के छात्रों की शिकायतों का समाधान किया जा सके।

परीक्षा से पहले छात्रों को मिला आत्मविश्वास व सकारात्मक ऊर्जा

नेशनल एक्सप्रेस ब्यूरो

बलरामपुर।बोर्ड परीक्षा से पूर्व छात्र-छात्राओं का आत्मविश्वास बढ़ाने एवं उन्हें सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने के उद्देश्य से जिलाधिकारी श्री विपिन कुमार जैन ने केंद्रीय विद्यालय के विद्यार्थियों से संवाद किया।संवाद के दौरान जिलाधिकारी ने विद्यार्थियों को तनावमुक्त रहकर परीक्षा की तैयारी करने का संदेश देते हुए कहा कि अच्छी तैयारी का आधार अधिक समय नहीं, बल्कि गुणवत्तापूर्ण अध्ययन होता है।

उन्होंने छात्रों को नियमित अभ्यास, सही रणनीति और आत्मअनुशासन अपनाने की प्रेरणा दी।जिलाधिकारी ने विद्यार्थियों से कहा कि किसी से तुलना करने के बजाय स्वयं पर विश्वास रखें और हर दिन बेहतर बनने का प्रयास करें। उन्होंने यह भी कहा कि सकारात्मक सोच और आत्मविश्वास ही सफलता की सबसे बड़ी कुंजी है।उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि कभी निराश न हों, अपनी मेहनत पर भरोसा रखें और लक्ष्य की ओर निरंतर आगे बढ़ते रहें।कैरियर मार्गदर्शन के विषय में उन्होंने कहा कि जीवन में हर विद्यार्थी को अपने सपनों और क्षमताओं के अनुसार खुद अपना पथ बनाना होता है।इस संवाद से विद्यार्थियों में उत्साह और नई ऊर्जा का संचार हुआ तथा परीक्षा को लेकर उनका आत्मविश्वास और मनोबल और अधिक सुदृढ़ हुआ।

जनपदीय बॉलीबॉल प्रतियोगिता के विजेताओं का जिलाधिकारी ने किया उत्साहवर्धन

नेशनल एक्सप्रेस ब्यूरो

बलरामपुर।जिलाधिकारी विपिन कुमार जैन द्वारा जनपद स्तर पर आयोजित बॉलीबॉल प्रतियोगिता के विजेता एवं प्रतिभागी खिलाड़ियों का कलेक्ट्रेट में उत्साहवर्धन किया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने सभी खिलाड़ियों से हाथ मिलाकर उनका परिचय प्राप्त किया तथा उनके खेल कौशल की सराहना की।खिलाड़ियों को नेशनल स्तर पर खेलने की दी शुभकामनाएं जिलाधिकारी ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि खेल न केवल शारीरिक एवं मानसिक विकास का माध्यम हैं, बल्कि अनुशासन, टीम भावना एवं नेतृत्व क्षमता का भी विकास करते हैं। उन्होंने सभी खिलाड़ियों को निरंतर अभ्यास करते हुए राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर जनपद का नाम रोशन करने की शुभकामनाएं दीं तथा उज्ज्वल भविष्य की कामना की।तीन आयु वर्गों में हुआ प्रतियोगिता का आयोजनजनपद स्तर पर आयोजित इस बॉलीबॉल प्रतियोगिता में14 वर्ष आयु वर्ग,16 वर्ष आयु वर्ग एवं17 वर्ष से अधिक आयु वर्गके खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया।

प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विजेता एवं प्रतिभागी खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया।खेल प्रतिभाओं को मिलेगा प्रोत्साहनजिलाधिकारी ने कहा कि जिला प्रशासन द्वारा खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने हेतु हर संभव सहयोग किया जाएगा, जिससे ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों के युवा खिलाड़ी बेहतर मंच प्राप्त कर सकें। उन्होंने खेल विभाग को निर्देश दिए कि उभरती प्रतिभाओं को प्रशिक्षण एवं प्रतियोगिताओं के अधिक अवसर उपलब्ध कराए जाएं।इस अवसर पर संबंधित अधिकारी, खेल विभाग के पदाधिकारी, प्रशिक्षक एवं खिलाड़ी उपस्थित रहे।

शाहजहांपुर में जमीन विवाद को लेकर महिला ने आत्मदाह की कोशिश की

शाहजहांपुर (उप्र), (भाषा) उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर में जमीन विवाद को लेकर 26 वर्षीय महिला ने कथित रूप से खुद को आग लगा ली जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी।

पुलिस अधीक्षक (एसपी) राजेश द्विवेदी ने बताया कि रोजा थाना क्षेत्र के सैटेलाइट बस स्टैंड के पास रहने वाली पीड़िता फरहाना की शिकायत के आधार पर मंगलवार को मामला दर्ज कर लिया गया।

एसपी ने बताया कि फरहाना के चाचा नौशाद की मृत्यु के बाद भूमि के बंटवारे को लेकर विवाद खड़ा हुआ, जिसमें महिला को संपत्ति में कथित तौर पर उसका हिस्सा नहीं दिया गया। उनके मुताबिक, संपत्ति उसके पिता केवल पुरुष वारिसों में बांटना चाहते थे। उन्होंने बताया कि फरहाना ने इस फैसले का विरोध किया था।

फरहाना ने आरोप लगाया कि उसके पिता ने पहले उसे धारदार हथियार से जान से मारने की कोशिश की, लेकिन उसकी मां और बहन ने उसे बचा लिया।

उसने दावा किया कि उस पर कथित तौर पर ज्वलनशील पदार्थ डालकर आग लगा दी गई, जिसके कारण वह गंभीर रूप से झुलस गई।

हालांकि, पुलिस की प्रारंभिक जांच से पता चला है कि महिला ने खुद को आग लगा ली थी। द्विवेदी ने कहा, ''उसने ऐसा क्यों किया, इसकी जांच की जा रही है।''

पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 109(2) (हत्या का प्रयास) और 118(1) (आग लगाना) के तहत मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है।

पुलिस ने बताया कि घायल महिला को सरकारी मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है और उसका इलाज किया जा रहा है।

तुलसीपुर ब्लॉक के ग्राम पुरेछीटन में सामुदायिक शौचालय बंद, संचालन के नाम पर हर माह खर्च हो रहे 9 हजार रुपये

नेशनल एक्सप्रेस ब्यूरो

बलरामपुर। विकास खंड तुलसीपुर के ग्राम पंचायत पुरेछीटन में स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत निर्मित सामुदायिक शौचालय लंबे समय से बंद पड़ा है,जबकि इसके संचालन एवं रखरखाव के नाम पर प्रत्येक माह लगभग नौ हजार रुपये की धनराशि नियमित रूप से निकाली जा रही है। यह स्थिति सरकारी धन के दुरुपयोग और जिम्मेदारों की उदासीनता को उजागर करती है।

ग्रामीणों के अनुसार सामुदायिक शौचालय प्रायः ताले में बंद रहता है,जिससे स्थानीय लोगों,विशेषकर महिलाओं,बुजुर्गों और राहगीरों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। शौचालय बंद होने के कारण ग्रामीणों को खुले में शौच के लिए मजबूर होना पड़ रहा है, जो स्वच्छ भारत मिशन के उद्देश्यों के पूर्णतः विपरीत है। चौंकाने वाली बात यह है कि शौचालय के उपयोग में न होने के बावजूद सफाईकर्मी मानदेय,देखरेख एवं अन्य मदों में हर माह 9,000 का भुगतान कागजों में दर्शाया जा रहा है। इससे यह संदेह गहराता जा रहा है कि बिना वास्तविक संचालन के ही धनराशि का आहरण किया जा रहा है।ग्रामीणों का कहना है कि इस संबंध में कई बार ग्राम पंचायत स्तर पर शिकायत की गई,लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। न तो शौचालय को नियमित रूप से खोला गया और न ही जिम्मेदारों पर कोई जवाबदेही तय की गई।इस पूरे मामले ने ग्राम पंचायत,संबंधित सचिव और विकास खंड अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए,दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई हो तथा सामुदायिक शौचालय को तत्काल चालू कर ग्रामीणों को सुविधा उपलब्ध कराई जाए।अब देखना यह है कि प्रशासन इस गंभीर मामले को कितनी गंभीरता से लेता है और सरकारी धन के दुरुपयोग पर कब तक अंकुश लगाया जाता है।

फिरोजाबाद की रिंकी मधुमक्खी पालन से कमा रही हैं लाखों, बनीं आत्मनिर्भर

नेशनल एक्सप्रेस/तहसील रिपोर्टर ।

फिरोजाबाद। जनपद की एक महिला ने घर पर रहकर ऐसा बिजनेस शुरू किया कि आज वह हर साल लाखों रुपये की कमाई कर रही है। मधुमक्खी पालन को अपनाकर महिला न सिर्फ आत्मनिर्भर बनी है, बल्कि अन्य महिलाओं के लिए भी प्रेरणा बन गई है।

फिरोजाबाद के मदनपुर ब्लॉक में रहने वाली रिंकी ने नेशनल एक्सप्रेस से बातचीत में बताया कि उन्होंने वर्ष 2023 में मधुमक्खी पालन का काम शुरू किया था। पहले वह घर तक ही सीमित थीं, लेकिन महिलाओं के स्वयं सहायता समूह के बारे में जानकारी मिलने के बाद उन्होंने आगे बढ़ने का फैसला किया। रिंकी ने आरसेटी से मधुमक्खी पालन की ट्रेनिंग ली और करीब एक लाख रुपये की लागत से अपने घर से ही इस व्यवसाय की शुरूआत की। मेहनत और सही मार्गदर्शन के चलते कुछ ही समय में उनका काम चल पड़ा और वह शुद्ध शहद तैयार कर बाजार में बेचने लगीं। व्यवसाय को और आगे बढ़ाने के लिए रिंकी ने सरकार की मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना का लाभ लिया, जिसके तहत उन्हें 5 लाख रुपये की आर्थिक सहायता मिली। इसमें 50 हजार रुपये की सब्सिडी भी शामिल रही।

400 प्रति किलो बिकता है शहद

रिंकी ने बताया कि उनके शहद की कीमत ?400 प्रति किलो है। अधिक मात्रा में खरीद करने पर कीमत में कुछ कमी भी की जाती है। इस कारोबार से उनकी सालाना कमाई करीब 4 से 5 लाख रुपये तक पहुंच गई है।

200 बॉक्स से हो रही अच्छी पैदावार: आज रिंकी के पास करीब 200 मधुमक्खी पालन के बॉक्स हैं। प्रत्येक बॉक्स से लगभग 15 से 20 किलो शहद का उत्पादन हो रहा है। तैयार शहद को वह सीधे व्यापारी को बेच देती हैं, जिससे उन्हें अच्छा मुनाफा मिल रहा है।

नगला जाट में 'रेनेसां इंटरनेशनल स्कूल' का भव्य भूमि पूजन संपन्न

नेशनल एक्सप्रेस/तहसील रिपोर्टर।

जसराना : क्षेत्र के शैक्षिक विकास को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के उद्देश्य से ग्राम नगला जाट में 'रेनेसां इंटरनेशनल स्कूल' के भव्य परिसर का विधिवत भूमि पूजन संपन्न हुआ। इस अवसर पर क्षेत्र के गणमान्य नागरिक और जनप्रतिनिधि बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। विद्यालय के संस्थापक प्रिय बबलू राजपूत द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में बताया गया कि आने वाले समय में यह विद्यालय सभी आधुनिक सुविधाओं से युक्त एक भव्य और सुरक्षित परिसर में संचालित होगा। इस संस्थान का मुख्य लक्ष्य ग्रामीण क्षेत्र के छात्रों को विश्वस्तरीय और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना है, ताकि उनका भविष्य उज्ज्वल और सशक्त बन सके।कार्यक्रम में मुख्य रूप से जसराना के पूर्व विधायक रामगोपाल पप्पू लोधी एवं मुकेश प्रधान शामिल हुए। पूर्व विधायक ने विश्वास जताया कि यह स्कूल क्षेत्र के छात्रों के लिए मील का पत्थर साबित होगा और शिक्षा के क्षेत्र में एक नया अध्याय लिखेगा । भूमि पूजन के इस शुभ अवसर पर दामोदर सिंह प्रधान, रामबाबू प्रधान, गौरव डीलर , ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह प्रधान, आलोक कुमार क्षेत्र पंचायत सदस्य , जितेंद्र सिंह लोधी, अमलेश लोधी मंडल अध्यक्ष, राजीव प्रधान प्रतिनिधि, अनूप मिश्रा समेत कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती को समर्पित तीन दिवसीय भव्य समारोह

नेशनल एक्सप्रेस ब्यूरो। शिकोहाबाद । नगर में चल रहे डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती को समर्पित तीन दिवसीय भव्य समारोह का आज राष्ट्रभक्ति के संदेश के साथ समापन हो गया। संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम का मुख्य लक्ष्य युवाओं को डॉ. मुखर्जी के अखंड भारत के संकल्प और उनके राष्ट्रवादी विचारों से रूबरू कराना था। कार्यक्रम के अंतिम दिन का शुभारंभ मुख्य अतिथि, शिक्षाविद एवं समाजसेवी देवेन्द्र सिंह ने माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलित कर किया। आयोजन के दौरान वक्ताओं ने डॉ. मुखर्जी की शिक्षा के प्रति दूरदृष्टि पर प्रकाश डाला। समापन अवसर पर छात्र-छात्राओं ने विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से भारतीय मूल्यों और देशप्रेम का सशक्त संदेश दिया। इससे पहले, कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में ठउऊ सदस्य डॉ. राम कैलाश यादव सहित कई गणमान्य अतिथियों ने डॉ. मुखर्जी के ₹एक राष्ट्र, एक विधान₹ के सिद्धांत को वर्तमान पीढ़ी के लिए प्रेरणास्त्रोत बताया था।

स्टेट चैंपियनशिप में फिरोजाबाद का दमखम, 4 पदक के साथ ऐतिहासिक आगाज

नेशनल एक्सप्रेस ब्यूरो ।

फिरोजाबाद। बरेली में आयोजित स्टेट बेंचप्रेस चैंपियनशिप में पहली बार उतरी फिरोजाबाद की पावरलिफ्टिंग टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 2 गोल्ड और 2 सिल्वर मेडल जीते। श्वेता ने ह्यस्ट्रॉन्ग वुमन ऑफ यूपीह्व का खिताब हासिल कर जिले का नाम रोशन किया।

बरेली में हुई स्टेट बेंचप्रेस चैंपियनशिप में फिरोजाबाद की पावरलिफ्टिंग टीम ने अपने पहले ही राज्य स्तरीय मुकाबले में जबरदस्त प्रदर्शन किया। टीम के 7 खिलाड़ियों में से 4 ने पदक जीतकर जिले को गौरवान्वित किया। 63 किलो जूनियर वर्ग में श्वेता ने गोल्ड मेडल जीतते हुए ह्यस्ट्रॉन्ग वुमन ऑफ उत्तर प्रदेशह्व का प्रतिष्ठित खिताब अपने नाम किया। वहीं 66 किलो सीनियर वर्ग में होशियार सिंह ने गोल्ड, जबकि कौशल यादव और हर्ष यादव ने अपने-अपने वर्गों में सिल्वर मेडल हासिल किए।

खिलाड़ियों की इस उपलब्धि पर पावरलिफ्टिंग एसोसिएशन के पदाधिकारियों और खेल प्रेमियों ने बधाई दी। राष्ट्रीय रिकॉर्ड होल्डर आनंद यादव के नेतृत्व और कोच अरुण राज के मार्गदर्शन में टीम ने यह ऐतिहासिक सफलता दर्ज की।

अहिल्याबाई होल्कर की प्रतिमाएं हटाने पर उबाल

धनगर महासभा ने प्रदर्शन कर सौंपा ज्ञापन

नेशनल एक्सप्रेस ब्यूरो ।

फिरोजाबाद । जनपद में बुधवार को उस समय भारी राजनीति गमार्ती नजर आई जब धनगर महासभा के बैनर तले सैकड़ों लोग जिला मुख्यालय पर एकत्र होकर विरोध प्रदर्शन करने लगे । यह विरोध काशी के मणिकर्णिका घाट और फिरोजाबाद के टूंडला स्टेशन रोड से लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर जो की प्रतिमाओं को हटाए जाने के खिलाफ किया गया। बता दें कि बुधवार को धनगर महासभा के प्रदेश अध्यक्ष भंवर सिंह धनगर एडवोकेट के नेतृत्व में जिला मुख्यालय पर लोगों ने उपस्थित होकर जमकर नारेबाजी करते हुए विरोध प्रदर्शन किया जिसके बाद उन्होंने जिलाधिकारी से मुलाकात की। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को संबोधित एक ज्ञापन सौंपा गया। महासभा ने कड़े शब्दों में मांग की है कि हटाई गई प्रतिमाओं को उनके मूल स्थान पर ससम्मान पुनः स्थापित किया जाए। वहीं इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने कहा कि प्रतिमाओं को हटाकर लोकमाता जी के सम्मान और जनभावनाओं के साथ खिलवाड़ किया गया है। भंवर सिंह धनगर ने कहा, ₹यह न केवल समाज का अपमान है, बल्कि इतिहास के गौरव को मिटाने की कोशिश है। इस कृत्य के लिए जिम्मेदार अधिकारियों को चिह्नित कर उनके खिलाफ सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई की जानी चाहिए।₹ इस विरोध प्रदर्शन में समाज के गणमान्य लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। मुख्य रूप से लखपत सिंह धनगर, राम नरेश प्रधान, विक्रम सिंह प्रधान, अवनीश, डॉ. एस. के. पाल धनगर, मानपाल सिंह एडवोकेट, रमेश चंद्र धनगर और अन्य वरिष्ठ सदस्य उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

अवैध तमंचे संग युवक गिरफ्तार

नेशनल एक्सप्रेस/क्राइम रिपोर्टर । टूंडला। थाना पुलिस ने मंगलवार देर शाम चेकिंग के दौरान बन्ना रोड स्थित पक्की समाधि के पास से एक युवक को गिरफ्तार किया। थाना प्रभारी अनिल कुमार सिंह के अनुसार आरोपी विशांत, निवासी बसई थाना टूंडला है। तलाशी में उसके पास से एक तमंचा व कारतूस बरामद हुआ। पुलिस ने आरोपी को न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

जुआ खेलते सात गिरफ्तार

नेशनल एक्सप्रेस/क्राइम रिपोर्टर । टूंडला। थाना टूंडला पुलिस ने चेकिंग के दौरान मंगलवार को गांव सलेमपुर नगला खार के पास भावसिंह के खंडहर से सात लोगों को जुआ खेलते हुए गिरफ्तार किया। थाना प्रभारी अनिल कुमार सिंह के अनुसार पकड़े गए आरोपियों के कब्जे से 4,780 रुपये बरामद किए गए हैं। सभी आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया है।

बाइक सवार को अज्ञात ऑटो ने मारी टक्कर, घायल

नेशनल एक्सप्रेस/तहसील रिपोर्टर । सिरसागंज। थाना क्षेत्र के अंतर्गत सोथरा चौराहे के पास नरसिंह प्लाजा के सामने बाइक सवार को अज्ञात ऑटो चालक ने टक्कर मार दी। जिससे वह घायल हो गया । सोनू कुमार पुत्र नरेंद्र सिंह निवासी ग्राम खोडखेरा थाना सिरसागंज जिला फिरोजाबाद मंगलवार देर शाम अपनी बाइक से घर जा रहा था। वह जैसे ही सोथरा चौराहे के पास नरसिंह प्लाजा होटल के सामने पहुंचा , तभी सामने से आ रहे अज्ञात ऑटो ने बाइक सवार को टक्कर मार दी। जिससे सोनू के सिर में चोट लग गई और वह घायल हो गया तथा बाइक बुरी तरह छतग्रस्त हो गई। राहगीरों ने बाइक सवार घायल सोनू को इलाज के लिए अस्पताल भेजा। बाद में सूचना पाकर परिजन भी मौके पर आ गए ।

रुद्राक्ष के पौधे लगाकर मनाया जन्मदिन

नेशनल एक्सप्रेस/तहसील रिपोर्टर । सिरसागंज। स्वदेशी समाज सेवा समिति के संस्थापक, सचिव विवेक यादव ने अपने जन्मदिन पर रुद्राक्ष के पौधे लगाकर जन्मदिन मनाया है। विवेक यादव ने बुधवार को एफएस विश्वविद्यालय शिकोहाबाद में अपना जन्मदिन बड़ी धूमधाम से मनाया और उन्होंने रुद्राक्ष के पौधे लगाकर लोगों को एक नया संदेश दिया । इस मौके पर प्रो. अजब सिंह यादव, डॉ. दिलीप यादव, राहुल यादव, अरुण यादव आदि गणमान्य लोग मौजूद रहे।

जिला स्तरीय निगरानी समिति की बैठक हुई आयोजित

नेशनल एक्सप्रेस ब्यूरो । फिरोजाबाद । जिलाधिकारी रमेश रंजन के मार्ग निर्देशन में विकास भवन सभागार में जिला स्तरीय निगरानी समिति की बैठक आयोजित की गई, इस बैठक में जनपद के जनप्रतिनिधियों और जिला स्तरीय वरिष्ठ अधिकारियों ने प्रतिभाग किया, इस बैठक का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण विकास योजनाओं की समीक्षा करना और उनमें गति लाना था, सर्वप्रथम परियोजना निदेशक सुभाष चंद्र त्रिपाठी ने प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) और मुख्यमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के बारें में विस्तार से जानकारी साझा की, उन्होंने कहा कि पात्र लाभार्थियों को बिना किसी विलम्ब के किस्तों का भुगतान सुनिश्चित किया जा रहा है और चयन प्रक्रिया में पूरी पारदर्शिता बरती जा रही है, उपस्थित जन प्रतिनिधियों ने धरातल पर आने वाली समस्याओं से समिति को अवगत कराया, सदस्यों ने कहा कि नागरिकों के कार्य में विलंब न किया जाए और उनकी समस्याओं का तुरंत समाधान किया जाए, समिति को आश्वस्त किया गया की प्राथमिकता के आधार पर नागरिकों की समस्याओं का समाधान होगा, इसी तरह पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी ने पेंशन योजना एवं शादी अनुदान के बारे में विस्तार से लोगों को अवगत कराया, इस बैठक के दौरान ब्लाक प्रमुख फिरोजाबाद , समस्त खंड विकास अधिकारी इत्यादि उपस्थित रहे ।

राष्ट्रीय जूडो में टूंडला की सपना उतरेंगी मैट पर

नेशनल एक्सप्रेस ब्यूरो ।

टूण्डला। 69वीं राष्ट्रीय विद्यालयी जूडो प्रतियोगिता में अंडर-19 वर्ग से टूंडला की छात्रा सपना दिल्ली में जनपद का प्रतिनिधित्व करेंगी।

राजकीय बालिका इंटर कॉलेज, टूंडला की छात्रा कुमारी सपना का चयन 69वीं राष्ट्रीय विद्यालयी जूडो प्रतियोगिता के लिए हुआ है। यह प्रतियोगिता 30 जनवरी से 3 फरवरी 2026 तक त्यागराज स्टेडियम, नई दिल्ली में आयोजित की जाएगी। सपना अंडर-19 बालिका वर्ग में अपने खेल कौशल का प्रदर्शन करेंगी।

प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए सपना क्रीड़ा संस्थान, अयोध्या से दिल्ली के लिए रवाना हो चुकी हैं। इस अवसर पर संयुक्त शिक्षा निदेशक आगरा मंडल मुकेश अग्रवाल, जिला विद्यालय निरीक्षक धीरेन्द्र यादव, विद्यालय की प्रधानाचार्या मुदिता पाण्डे, शारीरिक शिक्षिका कुमकुम गुप्ता, क्रीड़ा सचिव दिनेश चाहर सहित विद्यालय के शिक्षकों व स्टाफ ने छात्रा को शुभकामनाएँ दीं और उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

पेट्रोल पंप पर फर्जी ऑनलाइन पेमेंट का खेल, दो शातिर दबोचे

नेशनल एक्सप्रेस/क्राइम रिपोर्टर ।

फिरोजाबादः । जनपद के थाना उत्तर क्षेत्र अंतर्गत जलेसर रोड क्रॉसिंग पर स्थित गणपति फिलिंग स्टेशन पर बुधवार को साइबर धोखाधड़ी का मामला प्रकाश में आया है। शातिरों ने पेट्रोल भरवाने के बाद ऑनलाइन पेमेंट का फर्जी मैसेज दिखाकर पंप कर्मियों को ठगने का प्रयास किया। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पैट्रोल पंप संचालक ने सुनार बुधवार 28 जनवरी 2026 की दोपहर तीन मोटरसाइकिलों पर सवार होकर 5 युवक पंप पर पहुंचे। उन्होंने अपनी गाड़ियों में 500 रुपये का पेट्रोल डलवाया। भुगतान के समय उन्होंने नकद देने के बजाय ऑनलाइन पेमेंट करने की बात कही। पेट्रोल डलवाने के बाद युवकों ने अपने मोबाइल पर एक पेमेंट स्क्रीनशॉट कर्मचारी को दिखाया, जिसमें सफल भुगतान का विवरण था। हालांकि, जब सतर्क कर्मचारी ने पंप की पेमेंट हिस्ट्री और मैसेज चेक किए, तो वहां कोई ट्रांजेक्शन दिखाई नहीं दिया। शक होने पर जब कर्मचारी ने कड़ाई से पूछताछ की, तो सच्चाई सामने आ गई। इसके बाद मामले की सूचना तत्काल पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही थाना उत्तर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने मौके से दो आरोपियों को हिरासत में ले लिया, जबकि उनके अन्य साथी भागने में सफल रहे। पुलिस फरार आरोपियों की तलाश के लिए सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है।

यूजीसी बिल के विरोध में ब्राह्मण महासभा ने सौंपा ज्ञापन

नेशनल एक्सप्रेस /क्राइम रिपोर्टर ।

फिरोजाबाद। जिला ब्राह्मण महासभा फिरोजाबाद ने यूजीसी बिल को सवर्ण समाज के हितों के खिलाफ बताते हुए राष्ट्रपति से इसे वापस लेने की मांग की है। फिरोजाबाद में यूजीसी बिल के विरोध का सिलसिला तेज होता जा रहा है। जिला ब्राह्मण महासभा पंजीकृत फिरोजाबाद के अध्यक्ष पंडित शिवकुमार शर्मा एडवोकेट के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने उप जिलाधिकारी शिकोहाबाद के माध्यम से महामहिम राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में कहा गया है कि प्रस्तावित यूजीसी बिल से समाज में असंतोष बढ़ेगा और यह सवर्ण समाज के साथ अन्याय को बढ़ावा देगा। इससे सामाजिक सौहार्द प्रभावित होने के साथ-साथ आपसी मतभेद और विभाजन की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। महासभा ने राष्ट्रपति से जनभावनाओं को ध्यान में रखते हुए बिल को तत्काल वापस लेने की अपील की है।

अवैध तमंचे के साथ कुख्यात अपराधी गिरफ्तार, एक दर्जन से अधिक मुकदमे दर्ज

नेशनल एक्सप्रेस/क्राइम रिपोर्टर ।

फिरोजाबाद। थाना एका पुलिस टीम ने एक शातिर व कुख्यात अपराधी को अवैध असलहे के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ फिरोजाबाद और अलीगढ़ जनपदों में एक दर्जन से अधिक आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। क्षेत्राधिकारी जसराना के नेतृत्व में थाना एका पुलिस टीम 27 जनवरी 2026 को संदिग्ध व्यक्तियों व वाहनों की चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर पुलिस ने ग्राम जेडा की ओर, जेडा तिराहा क्षेत्र से विपिन उर्फ शौर्य पुत्र रामकिशोर उर्फ मुन्नालाल, निवासी जेडा, थाना एका को गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के दौरान अभियुक्त के कब्जे से एक तमंचा 315 बोर और एक जिंदा कारतूस 315 बोर बरामद किया गया।

पुलिस के अनुसार आरोपी एक शातिर किस्म का अपराधी है, जिसकी गतिविधियां लंबे समय से आपराधिक रही हैं। इस संबंध में थाना एका पर अभियोग संख्या 16/26 धारा 3/25 आयुध अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। गिरफ्तार अभियुक्त को आवश्यक कानूनी कार्रवाई के बाद न्यायालय में पेश कर जेल भेजा।

यूजीसी एक्ट के विरोध में श्री राजपूत करणी सेना का ज्ञापन

नेशनल एक्सप्रेस/क्राइम रिपोर्टर ।

टूंडला। तहसील में राजपूत करणी सेना ने यूजीसी एक्ट को सवर्ण समाज के छात्रों के भविष्य के लिए घातक बताते हुए विरोध दर्ज कराया। टूंडला तहसील परिसर में राजपूत करणी सेना के नेतृत्व में यूजीसी एक्ट के विरोध को लेकर जोरदार प्रदर्शन करते हुए राष्ट्रपति व प्रधानमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा गया। इस दौरान सैकड़ों की संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे। जिला अध्यक्ष संजय सिंह परमार ने कहा कि प्रस्तावित यूजीसी एक्ट सवर्ण समाज के उन छात्रों के भविष्य को प्रभावित करेगा जो विश्वविद्यालयों में उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि यह कानून शिक्षा परिसरों में जातिगत तनाव, भेदभाव और अशांति को बढ़ावा दे सकता है।उन्होंने कहा कि सरकार एक ओर ह्लसबका साथ, सबका विकासह्व की बात करती है, वहीं दूसरी ओर ऐसे कानून लाकर समाज में समरसता को नुकसान पहुंचा रही है। करणी सेना ने स्पष्ट किया कि यदि यह कानून वापस नहीं लिया गया तो संगठन के राष्ट्रीय नेतृत्व के निर्देश पर आगे और उग्र आंदोलन किया जाएगा। इस अवसर पर सवर्ण समाज के अनेक प्रतिनिधियों ने कंधे से कंधा मिलाकर विरोध प्रदर्शन में भाग लिया।

30 साल पुराने दुष्कर्म प्रयास मामले में दोषी को 5 साल की सजा

नेशनल एक्सप्रेस/क्राइम रिपोर्टर ।

फिरोजाबाद। ऑपरेशन कन्विक्शन के तहत पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। वर्ष 1995 में दर्ज नाबालिग से दुष्कर्म के प्रयास के मामले में न्यायालय ने आरोपी को दोषी ठहराते हुए 5 वर्ष के कारावास और 14 हजार रुपये के जुमार्ने की सजा सुनाई है। घटना के समय पीड़िता की उम्र मात्र 11 वर्ष थी। वर्षों बाद पीड़िता और सेवानिवृत्त पुलिसकर्मियों को खोजकर न्यायालय में पेश किया गया, जिससे मामले की सुनवाई संभव हो सकी। विशेष न्यायाधीश एससी/एसटी कोर्ट ने पुलिस की प्रभावी पैरवी और विवेचना के आधार पर फैसला सुनाया।

पुलिस लाइन में समाजसेवी शहजाद खान का सम्मान

नेशनल एक्सप्रेस ब्यूरो।

फिरोजाबाद। पुलिस लाइन में आयोजित कार्यक्रम के दौरान मण्डल आयुक्त शैलेंद्र कुमार सिंह ने टूण्डला के समाजसेवी शहजाद खान को सामाजिक एकता और शांति व्यवस्था में योगदान के लिए सम्मानित किया। पुलिस लाइन में आयोजित एक सम्मान समारोह में मण्डल आयुक्त शैलेंद्र कुमार सिंह ने टूण्डला क्षेत्र के समाजसेवी शहजाद खान को सम्मान प्रदान किया। शहजाद खान द्वारा जिले में विभिन्न समाजों के कार्यक्रमों में सक्रिय सहभागिता निभाते हुए आपसी सौहार्द, भाईचारे और सामाजिक समरसता को मजबूत करने का कार्य किया जा रहा है। उनकी भूमिका समाज में शांति व्यवस्था बनाए रखने और सभी वर्गों को सम्मान देने की दिशा में सराहनीय मानी जा रही है। प्रशासनिक स्तर पर उनके सामाजिक योगदान को देखते हुए यह सम्मान प्रदान किया गया।

यह भारत में कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय की गतिविधियों के लिए एक केंद्रीय मंच के रूप में काम करेगा

कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय ने भारत में अपनी पहुंच का विस्तार करते हुए नया शोध केंद्र शुरू किया

लंदन, (भाषा) ब्रिटेन के प्रतिष्ठित कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय ने भारत में अपनी पहुंच का विस्तार करते हुए एक नए शोध केंद्र की शुरुआत और शीर्ष स्तर के स्नातक छात्रों के लिए अतिरिक्त प्रवेश मार्गों की घोषणा की है।

विश्वविद्यालय ने मंगलवार को बताया कि 'कैम्ब्रिज-इंडिया सेंटर फॉर एडवांस्ड स्टडीज' (सीएएस) नवाचार, शोध और शिक्षण पर केंद्रित होगा तथा ब्रिटेन के अग्रणी विश्वविद्यालय और भारत की तेजी से बढ़ती ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था के बीच एक सेतु के रूप में कार्य करेगा।

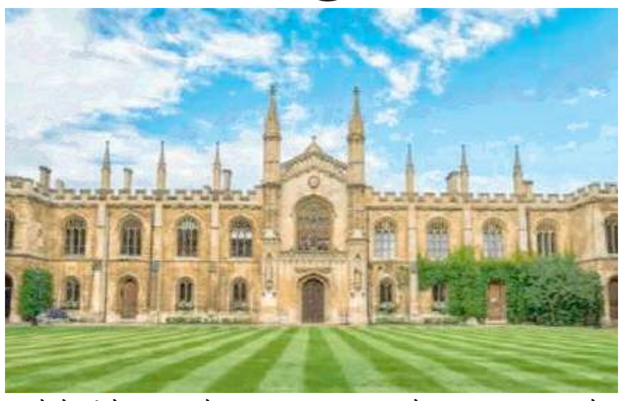

यह नया केंद्र भारत में कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय की गतिविधियों के लिए एक केंद्रीय मंच के रूप में काम करेगा और बौद्धिक आदान-प्रदान, नीति निर्माण में योगदान और सामाजिक प्रभाव को बढ़ावा देगा। कैम्ब्रिज की कुलपति डेबोरा प्रेंटिस ने कहा, "कैम्ब्रिज-इंडिया सीएएस भारत के श्रेष्ठ शोधकर्ताओं और नवोन्मेषकों के साथ सहयोग स्थापित करने और इस तेजी से बढ़ती ज्ञान अर्थव्यवस्था के साथ संबंध मजबूत करने का एक रोमांचक अवसर है।"

इस सप्ताह दिल्ली आए वरिष्ठ प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहीं प्रोफेसर प्रेंटिस ने यह भी घोषणा की कि विश्वविद्यालय कुछ स्नातक पाठ्यक्रमों के लिए अतिरिक्त आवश्यकताओं के साथ सीबीएसई की 12वीं कक्षा की योग्यता को मान्यता देगा। इसी क्रम में विश्वविद्यालय ने कैम्ब्रिज इंडिया रिसर्च फाउंडेशन की स्थापना भी की है, जो एक कंपनी के रूप में कार्य करेगा। इसके माध्यम से आम नागरिक, कैम्ब्रिज के पूर्व छात्र और अन्य हितधारक भारत से कैम्ब्रिज में अध्ययन करने वाले छात्रों के छात्रवृत्ति, शुल्क और अन्य खर्चों के लिए, धन उपलब्ध करा सकेंगे, साथ ही शोध साझेदारियों को भी समर्थन मिलेगा। इसका उद्देश्य भारत के प्रतिभाशाली छात्रों के लिए छात्रवृत्तियों के नए परोपकारी अवसर तलाशना है। भारत में ब्रिटिश उच्चायुक्त लिंडी कैमरन ने कहा, "शिक्षा यूके-इंडिया विजन 2035 के केंद्र में है। ये पहले शोध और शिक्षा के क्षेत्र में दोनों देशों को और करीब ला रही हैं।"

कैम्ब्रिज-इंडिया सीएएस को विभिन्न कार्यक्रमों के लिए एक 'शीर्ष' मंच के रूप में तैयार किया गया है, जो पिछले दशकों में भारत और कैम्ब्रिज के बीच बने द्विपक्षीय संबंधों पर आधारित होगा। यह केंद्र किसी एक भौतिक स्थान तक सीमित न रहकर भारत के विभिन्न हिस्सों में गतिविधियों को जोड़ने का ढांचा प्रदान करेगा।

अन्य घोषणाओं के तहत, कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय की पुरुष क्रिकेट टीम मार्च 2026 में 15 वर्षों के अंतराल के बाद पहली बार भारत का दौरा करेगी। महिला टीम के भारत दौरे की भी योजना बनाई जा रही है।

विश्वविद्यालय ने भारत के साथ अपने 150 वर्षों से अधिक पुराने संबंधों को रेखांकित करते हुए कहा कि जगदीश चंद्र बोस, श्रीनिवास रामानुजन, एम.एस. स्वामीनाथन और जयंत नार्लीकर जैसे महान वैज्ञानिक कैम्ब्रिज में अध्ययन कर चुके हैं।

नोबेल पुरस्कार विजेता सुब्रह्मण्यम चंद्रशेखर, वेंकी रामकृष्णन और अमर्त्य सेन के साथ-साथ पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू, राजीव गांधी और मनमोहन सिंह और पूर्व राष्ट्रपति शंकर दयाल शर्मा तथा सुभाष चंद्र बोस जैसे नेता अन्य जाने-माने भारतीय पूर्व छात्रों में शामिल हैं।

कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय ने कहा कि वह इन ऐतिहासिक संबंधों के आधार पर भारत के साथ नए और गतिशील साझेदारी संबंध विकसित करना चाहता है।

अमेरिका : टेक्सास ने विश्वविद्यालयों और एजेंसियों में एच-1बी वीजा पर लगाई रोक

ह्यूस्टन, (भाषा) अमेरिका में टेक्सास प्रांत के गवर्नर ग्रेग एबॉट ने सरकारी एजेंसियों और सार्वजनिक विश्वविद्यालयों को नए एच-1बी वीजा आवेदनों को तुरंत रोकने का आदेश दिया है। गवर्नर ग्रेग एबॉट के इस आदेश के मुताबिक करदाताओं के पैसे से वित्त पोषित संस्थानों में भर्ती नियमों को सख्त किया गया है। इस कदम से भारतीय पेशेवरों के प्रभावित होने की संभावना है।

एच-1बी वीजा आवेदनों पर यह रोक मई 2027 तक लागू रहेगी। मंगलवार को जारी निर्देश में कहा गया है कि टेक्सास की एजेंसियों और सार्वजनिक विश्वविद्यालयों को टेक्सास वर्कफोर्स कमीशन से लिखित मंजूरी प्राप्त किए बिना एच-1बी वीजा की नयी याचिकाएं दाखिल करना बंद कर देना चाहिए।

अमेरिका के टेक्सास प्रांत में हजारों की संख्या में ऐसे लोग रहते हैं, जिनके पास एच-1बी वीजा है। गवर्नर का यह आदेश ऐसे समय आया है जब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन ने वीजा कार्यक्रम को नया रूप देने के लिए कदम उठाना शुरू कर दिया है। एबॉट ने कहा, ''मैं प्रांत की सभी एजेंसियों को इस पत्र के अनुसार नए एच-1बी वीजा आवेदनों को तत्काल रोकने का निर्देश दे रहा हूं। संघीय सरकार द्वारा इस कार्यक्रम की समीक्षा के बीच यह कदम उठाया गया है।''

पत्र में कहा गया है कि संस्थानों को एच-1बी वीजा के इस्तेमाल के बारे में भी रिपोर्ट देनी होगी, जिसमें संख्या, नौकरी की भूमिकाएं, मूल देश और वीजा की समाप्ति तिथियां शामिल हैं।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पिछले साल 19 सितंबर को 'कुछ गैर-अप्रवासी श्रमिकों के प्रवेश पर प्रतिबंध' संबंधी एक घोषणापत्र पर हस्ताक्षर किए थे।

घोषणापत्र के तहत उन श्रमिकों के अमेरिका में प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया गया था जिनके एच-1बी आवेदनों के साथ 1,00,000 अमेरिकी डॉलर का भुगतान नहीं किया गया था या उसे इसमें शामिल नहीं किया गया था।

उत्तरी नेपाल के पहाड़ी इलाकों में भारी हिमपात

काठमांडू, (भाषा) उत्तर-पश्चिमी नेपाल के विभिन्न हिस्सों में हुए भारी हिमपात से कई इलाकों में दो-दो फुट तक बर्फ जम गई और कुछ स्थानों पर सड़कें अवरुद्ध हो गई हैं। एक अधिकारी ने बुधवार को बताया कि मंगलवार रात हुई बर्फबारी से पहाड़ियां और पर्वत बर्फ से ढक गए, जबकि अधिकांश स्थानों पर बारिश भी हुई। भारी हिमपात के कारण कागबेनी-कोराला मार्ग अवरुद्ध हो गया है।

घोराप्झोंग ग्रामीण नगरपालिका के कृषि अनुभाग के प्रमुख रोशन ठाकाली के अनुसार, कुछ जगहों पर दो-दो फुट तक बर्फ जमा हो गयी है। इसी तरह करनाली प्रांत के हुम्ला, मुगु, डोल्पा, जुमला और कालीकोट जिले में भी हिमपात हुआ। जिला पुलिस कार्यालय के प्रमुख शंकर खड़का के अनुसार, दो-दो फुट तक जमा बर्फ के कारण लिमी, न्यालु, यारी और हिल्सा क्षेत्रों में सड़क अवरुद्ध हो गयी। अधिकारियों के अनुसार, इसी तरह सुदूर पश्चिम प्रांत के बैतादी और बाजुरा जिलों के विभिन्न हिस्से भी भारी हिमपात की चपेट में हैं।

यूरोपीय संघ के साथ व्यापार समझौते से भारत को सबसे ज्यादा लाभ होगा : अमेरिका

न्यूयॉर्क, (भाषा) यूरोपीय संघ के साथ व्यापार समझौते पर ट्रंप प्रशासन की पहली प्रतिक्रिया में अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जैमीसन ग्रीर ने कहा कि भारत ''आगे'' रहा और इस समझौते से भारत को खूब लाभ होगा। ग्रीर मंगलवार को भारत और यूरोपीय संघ के बीच हुए व्यापार समझौते के बारे में पूछे गए एक सवाल का जवाब दे रहे थे, जिसे अब तक का सबसे बड़ा समझौता बताया जा रहा है।

ग्रीर ने 'फॉक्स बिजनेस' को दिए एक साक्षात्कार में कहा, ''मैंने अब तक इस सौदे के कुछ विवरण देखे हैं। सच कहूं तो मुझे लगता है कि इसमें भारत को सबसे ज्यादा फायदा होगा। उसकी यूरोपीय बाजार में पहुंच बढ़ेगी।'' उन्होंने कहा, ''ऐसा लगता है कि भारत को कुछ अतिरिक्त आव्रजन अधिकार मिले हैं। मुझे पक्का तो नहीं पता, लेकिन यूरोपीय संघ की अध्यक्ष उर्सुला फॉन डेर लायन ने भारतीय कामगारों के यूरोप में आवागमन के बारे में बात की है। इसलिए मुझे लगता है कि कुल मिलाकर भारत को इससे काफी फायदा होगा।'' उन्होंने कहा कि ऐसा लगता है कि यूरोपीय संघ वैश्वीकरण पर और अधिक जोर दे रहा है, जबकि अमेरिका ''वैश्वीकरण की कुछ समस्याओं को यहीं अमेरिका में ठीक करने'' की कोशिश कर रहा है।

रूस से तेल खरीदने पर भारत पर लगने वाले 25 प्रतिशत अमेरिकी शुल्क के बारे में पूछे गए एक सवाल के जवाब में, ग्रीर ने कहा कि नयी दिल्ली अब भी ये शुल्क चुका रही है। जब उनसे पूछा गया कि क्या भारत अब भी रूसी तेल खरीद रहा है, तो ग्रीर ने कहा, ''उन्होंने इस दिशा में काफी प्रगति की है। मैं भारत में अपने समकक्ष के साथ लगातार संपर्क में हूं। उनके साथ मेरे अच्छे कामकाजी संबंध हैं, लेकिन इस मामले में उन्हें अब भी काफी आगे जाना है।''

म्यांमा में एक फरवरी 2021 को निर्वाचित सरकार को अपदस्थ कर सैन्य शासन लागू किया गया था।

म्यांमा में तख्तापलट के पांच साल बाद भी राजनीतिक, आर्थिक, सामाजिक संकट बरकरार

एडिलेड (आस्ट्रेलिया), (द कन्वरसेशन) म्यांमा में सेना द्वारा तख्तापलट किए जाने के पांच साल पूरे होने के बाद भी देश आज गंभीर राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक संकट से जूझ रहा है। म्यांमा में एक फरवरी 2021 को निर्वाचित सरकार को अपदस्थ कर सैन्य शासन लागू किया गया था। इसके बाद लोकतांत्रिक नेताओं को गिरफ्तार किया गया, निर्वासित किया गया या उन्हें भूमिगत होना पड़ा।

तख्तापलट के बाद से म्यांमा की अर्थव्यवस्था लगातार कमजोर होती गई है। विदेशी निवेशक देश छोड़ चुके हैं और वैध आर्थिक गतिविधियां लगभग ठप हो गई हैं। इसके विपरीत, घोटाले, मादक पदार्थों की तस्करी और अन्य आपराधिक गतिविधियां फल-फूल रही हैं, जिनसे केवल सीमित वर्ग को लाभ मिल रहा है। मुद्रा का मूल्य गिरकर पांच साल पहले के मुकाबले लगभग एक-चौथाई रह गया है, जबकि महंगाई लगातार बढ़ रही है। सैन्य जुंटा ने नागरिक और राजनीतिक स्वतंत्रताओं पर कड़े प्रतिबंध लगाकर सत्ता बनाए रखी है। जबरन सैन्य भर्ती के जरिए सेना ने अपनी ताकत बढ़ाई है जिसमें बच्चों को भी सेना में भर्ती किया जाना शामिल है। इसके बावजूद उसे देश के कई हिस्सों में जातीय और लोकतंत्र समर्थक सशस्त्र समूहों के कड़े प्रतिरोध का सामना करना पड़ रहा है। हाल में संपन्न हुए एक महीने लंबे चुनावों को स्वतंत्र और निष्पक्ष नहीं माना जा रहा है। मतदान केवल उन्हीं क्षेत्रों में कराया गया, जो सेना के नियंत्रण में हैं, जबकि विपक्ष के समर्थन वाले इलाकों में चुनाव नहीं हुए। इससे बड़ी संख्या में मतदाता अपने मताधिकार से वंचित रह गए। प्रमुख विपक्षी दल 'नेशनल लीग फॉर डेमोक्रेसी' (एनएलडी) पर प्रतिबंध है और आंग सान सू ची सहित इसके शीर्ष नेता जेल में हैं। चुनाव की आलोचना करना भी अपराध की श्रेणी में रखा गया है।

इन परिस्थितियों में सैन्य समर्थित 'यूनियन सॉलिडैरिटी एंड डेवलपमेंट पार्टी' (यूएसडीपी) का सत्ता में आना लगभग तय माना जा रहा है।

विश्लेषकों का कहना है कि ये चुनाव केवल सैन्य प्रशासन को वैधता का एक दिखावटी आधार देंगे, जिससे कुछ देश उसके साथ संबंध सामान्य करने का प्रयास कर सकते हैं। देश के भविष्य को लेकर सबसे बड़ी चिंता उसके संभावित विघटन को लेकर है। तख्तापलट के बाद कई क्षेत्र पूरी तरह विपक्षी और जातीय सशस्त्र समूहों के नियंत्रण में चले गए हैं। कुछ समूहों द्वारा स्वतंत्रता या स्वायत्तता की घोषणाएं भी सामने आई हैं, जिससे म्यांमा के विभिन्न हिस्सों में बिखराव का खतरा बढ़ गया है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी हालात जटिल बने हुए हैं।

म्यांमा की सेना अंतरराष्ट्रीय न्यायालय में रोहिंग्या मुस्लिम अल्पसंख्यकों के खिलाफ नरसंहार के आरोपों का सामना कर रही है, लेकिन वैश्विक शक्तियों के रुख को देखते हुए इन मामलों का व्यावहारिक असर सीमित माना जा रहा है। वहीं, आसियान के कुछ देश अब जुंटा के प्रति नरमी दिखाते नजर आ रहे हैं।

अच्छा होगा कि आपकी अपनी प्रक्रिया हो, आपको हमेशा किसी की निगरानी में नहीं रहना पड़े।

क्या टेनिस खिलाड़ियों के साथ चिड़ियाघर के जानवरों जैसा व्यवहार किया जा रहा है?

मेलबर्न, (एपी) इगा स्वियातेक ने बुधवार को यहां उसी विषय को आगे बढ़ाया जिसे कोको गॉफ ने ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट में मंगलवार को उठाया था। अमेरिका की 21 वर्षीय खिलाड़ी गॉफ का क्वार्टर फाइनल में हारने के बाद कोर्ट के बाहर एकांत जगह पर निराशा में रैकेट तोड़ने का वीडियो वायरल हो गया था जिस पर उन्होंने नाराजगी जताई थी। गॉफ ने कहा था कि उन असीमित पहुंच वाले कैमरों के बारे में विचार करने की जरूरत है जो खिलाड़ियों को लॉकर रूम से लेकर कोर्ट तक और बीच में लगभग हर जगह ट्रैक करते हैं।

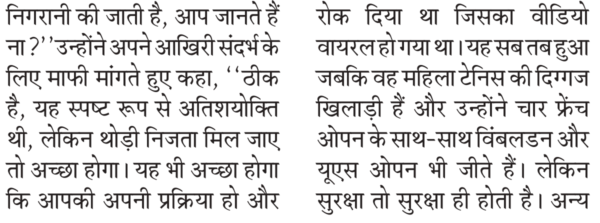

स्वियातेक से बुधवार को पांचवीं वरीयता प्राप्त एलेना रयबाकिना से क्वार्टरफाइनल में 7-5, 6-1 से हारने के बाद पूछा गया कि खिलाड़ियों के लिए ऐसे क्षेत्रों की कमी के बारे में वह कैसा महसूस करती हैं जहां कैमरों की नजर ना हो। स्वियातेक ने कहा, ''सवाल यह है कि हम टेनिस खिलाड़ी हैं या हम चिड़ियाघर के जानवरों की तरह हैं, जहां उनकी शौच करते समय भी निगरानी की जाती है, आप जानते हैं ना?'' उन्होंने अपने आखिरी संदर्भ के लिए माफी मांगते हुए कहा, ''ठीक है, यह स्पष्ट रूप से अतिशयोक्ति थी, लेकिन थोड़ी निजता मिल जाए तो अच्छा होगा। यह भी अच्छा होगा कि आपकी अपनी प्रक्रिया हो और आपको हमेशा किसी की निगरानी में नहीं रहना पड़े।''

स्वियातेक के पहचान पत्र भूल जाने के बाद सुरक्षाकर्मियों ने उन्हें रोक दिया था जिसका वीडियो वायरल हो गया था। यह सब तब हुआ जबकि वह महिला टेनिस की दिग्गज खिलाड़ी हैं और उन्होंने चार फ्रेंच ओपन के साथ-साथ विंबलडन और यूएस ओपन भी जीते हैं। लेकिन सुरक्षा तो सुरक्षा ही होती है। अन्य प्रतियोगिताओं में भी खिलाड़ियों की गतिविधियों पर कैमरे की नजर होती है और ऑस्ट्रेलियाई ओपन इस मामले में अपवाद नहीं है।

स्टेडियम के गैर सार्वजनिक क्षेत्रों के कुछ दृश्य हमेशा प्रसारित नहीं होते हैं, लेकिन खिलाड़ियों को यह याद दिलाने की जरूरत नहीं है कि कैमरे में कैद होने वाले कुछ पल प्यारे, जानकारीपूर्ण या फिर बेहद नाटकीय होने के कारण वायरल हो जाते हैं। विश्व में दूसरे नंबर की खिलाड़ी स्वियातेक ने कहा कि उनके खेल के कुछ ऐसे पहलू हैं जिनका अभ्यास वह मैच के लिए कोर्ट में उतरने से ठीक पहले करना चाहती हैं और इसलिए ''यह अच्छा होगा अगर उन्हें कोई ऐसी जगह मिल जाए जहां वह कैमरे की नजर में आए बिना ऐसा कर सकें।'' पोलैंड की इस 24 वर्ष की खिलाड़ी ने कहा, ''हम टेनिस खिलाड़ी हैं और हमें कोर्ट और मीडिया में देखा जाना चाहिए। यह हमारा काम है। यह हमारा काम नहीं है कि जब आप अपना एक्रीडिटेशन (पहचान पत्र) भूल जाएं तो उसकी मीम बन जाए।'' विश्व में तीसरे नंबर की खिलाड़ी और दो बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन गॉफ ने क्वार्टर फाइनल में एलिना स्वितोलिना से हारने के बाद 'प्लेयर्स एरिया' के पास कंक्रीट के फर्श पर अपना रैकेट सात बार पटका। पता चला कि रॉड लेवर एरिना में लॉकर रूम को छोड़कर शायद ही कोई ऐसी जगह हो जो कैमरों की पहुंच से बाहर हो।

गॉफ ने इसके बाद कहा था, ''ऐसा ही कुछ मेरे साथ यूएस ओपन के फाइनल में एरिना (सबालेंका) के खिलाफ मैच के बाद हुआ था। मुझे लगता है कि इसका प्रसारण करने की जरूरत नहीं थी। मैंने ऐसी जगह जाने की कोशिश की जहां मुझे लगा कि कैमरा नहीं है क्योंकि मुझे अपनी निराशा जगजाहिर करना पसंद नहीं है।''

रोहित ने कहा टी20 विश्व कप में अर्शदीप और हार्दिक होंगे सफलता की कुंजी

नयी दिल्ली, (भाषा) टी20 विश्व कप विजेता कप्तान रोहित शर्मा का मानना है कि आगामी टूर्नामेंट में हरफनमौला हार्दिक पंड्या और बायें हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह भारत की सफलता की कुंजी होंगे। गत चैम्पियन भारत प्रबल दावेदार के रूप में टूर्नामेंट में उतरेगा।

रोहित ने जियो हॉटस्टार से कहा, ''जसप्रीत बुमराह और अर्शदीप सिंह दोनों का साथ में होना हमारे लिये बहुत सकारात्मक है क्योंकि दोनों विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। अर्शदीप नयी गेंद से स्विंग कराने में माहिर है और शुरुआती विकेट लेता है। वह नयी गेंद से और डैथ ओवरों में गेंदबाजी करता है। शुरुआत और अंत बहुत महत्वपूर्ण हैं और वह दोनों में मजबूत है।''

उन्होंने कहा,'' वह नयी गेंद को स्विंग कराके बायें हाथ के बल्लेबाजों को स्लिप में कैच आउट करा सकता है और दाहिने हाथ के बल्लेबाजों के पैड को निशाना बना सकता है। नयी गेंद के गेंदबाजों के लिये यह कौशल काफी अहम है। वह हमेशा विकेट लेने की कोशिश करता है और यही वजह है कि वह पहला ओवर डालता है।'' रोहित ने कहा,'' टी20 विश्व कप 2024 के फाइनल में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ उसने शानदार गेंदबाजी की। मुझे अभी भी याद है कि क्विंटोन डि कॉक को क्रीज पर जमने के बाद उसने आउट किया और 19वें ओवर में दो या तीन रन ही दिये जिससे दक्षिण अफ्रीका दबाव में आ गई।'' उन्होंने कहा,'' वह टी20 विश्व कप 2026 में भी भारत के लिये अहम साबित होगा।''

भारत ने वेस्टइंडीज और अमेरिका में रोहित की कप्तानी में टी20 विश्व कप जीता जिसके बाद रोहित ने इस प्रारूप से विदा ले ली। हार्दिक की भूमिका के बारे में रोहित ने कहा,'' हार्दिक पंड्या जब भी टीम में होते हैं तो उसकी भूमिका बड़ी होती है। वह बल्लेबाजी और गेंदबाजी में निरंतरता से खेलता है। टीम दबाव में होती है तब उसकी बल्लेबाजी अहम होती है। अगर 15 या 16 ओवर में हमारा स्कोर 160 है और हार्दिक क्रीज पर है तो वह 210 या 220 तक ले जा सकता है। हमारे चार विकेट भी 50 रन पर गिरे हों तो वह पारी को संभाल सकता है।''

रोहित ने कहा कि कुलदीप यादव और वरुण चक्रवर्ती दोनों को अंतिम एकादश में रख पाना मुश्किल होगा।

उन्होंने कहा,'' कप्तान सूर्यकुमार यादव और कोच गौतम गंभीर के सामने सबसे बड़ी चुनौती होगी कि कुलदीप और वरुण दोनों को साथ में कैसे उतारें। दो तेज गेंदबाजों को ही उतारने पर यह संभव है। वैसे मैं होता तो दोनों को टीम में रखता क्योंकि दोनों विकेट लेते हैं और बल्लेबाज उन्हें भांप नहीं पाते।'' टी20 विश्व कप भारत और श्रीलंका में सात फरवरी से आठ मार्च के बीच होना है।

सिनर खिताबी हैट्रिक से दो जीत दूर, जोकोविच भाग्य के सहारे सेमीफाइनल में

मेलबर्न,(एपी) विश्व के दूसरे नंबर के खिलाड़ी और पिछले दो बार के चैंपियन यानिक सिनर ने बुधवार को यहां सीधे सेटों में जीत दर्ज करके ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश किया जबकि रिकॉर्ड 10 बार के विजेता नोवाक जोकोविच भाग्य के सहारे अंतिम चार में जगह बनाने में सफल रहे।

जोकोविच पहले दो सेट हार गए थे और वह घर वापस लौट के बारे में सोचने लग गए थे लेकिन तभी भाग्य ने पलटी खाई क्योंकि पांचवीं वरीयता प्राप्त लोरेंजो मुसेटी चोट के कारण टूर्नामेंट से हट गए। सिनर ने एक अन्य मैच में अमेरिका के आठवीं वरीयता प्राप्त बेन शेल्टन को दो घंटे 23 मिनट तक चले मैच में 6-3, 6-4, 6-4 से पराजित किया। वह लगातार तीसरी बार खिताब जीतने वाले खिलाड़ियों की सूची में शामिल होने से केवल दो जीत दूर हैं। जोकोविच दो बार यह कारनामा कर चुके हैं। सिनर को सेमीफाइनल में अधिक तरोताजा जोकोविच का सामना करना है जिन्हें चौथे दौर में वाकओवर मिला था। पुरुष वर्ग का अन्य सेमीफाइनल विश्व के नंबर एक खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज और तीसरे वरीय अलेक्जेंडर ज्वेरेव के बीच खेला जाएगा।

महिला वर्ग में पांचवीं वरीयता प्राप्त एलिना रयबाकिना और छठी वरीयता प्राप्त जेसिका पेगुला ने सेमीफाइनल में प्रवेश किया जहां उनका आमना सामना होगा। रयबाकिना ने विश्व में दूसरे नंबर की खिलाड़ी इगा स्वियातेक को 7-5, 6-1 से जबकि छठी वरीय पेगुला ने हमवतन अमेरिकी खिलाड़ी और यहां चौथी वरीयता प्राप्त अमांडा अनिसिमोवा को 6-1, 7-6 (6-1) से हराया। मुसेटी ने जोकोविच के खिलाफ पहले दो सेट 6-4, 6-3 से जीते। उन्होंने तीसरे सेट के तीसरे गेम में अपने दाहिने पांव के ऊपरी हिस्से में चोट लगने के कारण मेडिकल टाइमआउट लिया। इसके बाद उन्होंने एक और गेम खेला, लेकिन फिर आगे नहीं खेल सके।

जब मुसेटी ने मैच से हटने का फैसला किया तब जोकोविच तीसरे सेट में 3-1 से आगे चल रहे। इस तरह से 38 वर्षीय जोकोविच ने ऑस्ट्रेलियाई ओपन में अपना 11वां खिताब और कुल 25वां ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने की कवायद जारी रखी, लेकिन उनका कहना है कि इस बार वे भाग्यशाली रहे।

जोकोविच ने कहा, ''मुझे उसके लिए बहुत दुख हो रहा है। वह आज मुझसे कहीं बेहतर प्रदर्शन कर रहा था। आज के दिन मेरी छुट्टी होने वाली थी। खेल में इस तरह की चीजें होती रहती हैं। मेरे साथ भी ऐसा हुआ है।''

पांचवें गेम में डबल फॉल्ट करने के बाद जोकोविच को ब्रेकप्वाइंट का एक और मौका मिला। मुसेटी ने अपने चेहरे पर हाथ फेरा, वह नेट की ओर गए और फिर अपना हेडबैंड उतार दिया। उन्होंने जोकोविच से हाथ मिलाया और कोर्ट से बाहर चले गए। पिछले साल फ्रेंच ओपन के सेमीफाइनल में भी मुसेटी बाएं पैर की चोट के कारण मैच से हट गए थे। तब उन्होंने आखिर में चैंपियन बने कार्लोस अल्काराज से एक सेट जीत लिया था। जोकोविच को पिछले दौर में यकूब मेनसिक के चोट के कारण मैच से एक दिन पहले हट जाने से वाकओवर मिला था। महिला वर्ग में अन्य सेमीफाइनल एरिना सबालेंका और एलिना स्वितोलिना के बीच खेला जाएगा। शीर्ष वरीयता प्राप्त सबालेंका पिछले चार साल में अपना तीसरा ऑस्ट्रेलियाई ओपन खिताब जीतने की कवायद में जुटी है जबकि स्वितोलिना पहली बार इस ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंची हैं।

पेगुला ने पिछले दौर में 2025 की चैंपियन मैडिसन कीज को हराया और फिर अनिसिमोवा के लगातार तीसरे ग्रैंड स्लैम फाइनल में पहुंचने की उम्मीद पर पानी फेर दिया। पेगुला को उम्मीद है कि वह पिछले साल यहां कीज के प्रदर्शन को दोहराते हुए ऑस्ट्रेलिया में अपना पहला ग्रैंड स्लैम खिताब जीतेंगी। उन्होंने कहा, ''मैं उस समय का इंतजार कर रही थी जब मैं अपनी प्रतिभा को निखार सकूं। मुझे लगता है कि मैं यहां अच्छा प्रदर्शन करती हूं।''

सूर्यकुमार आईसीसी टी20 रैंकिंग में सातवें स्थान पर पहुंचे

दुबई, (भाषा) भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव न्यूजीलैंड के खिलाफ चल रही पांच मैचों की घरेलू श्रृंखला में शानदार प्रदर्शन के बाद बुधवार को आईसीसी (अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद) की पुरुष टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में बल्लेबाजों के वर्ग में पांच पायदान ऊपर चढ़कर सातवें स्थान पर पहुंच गए। भारत ने अभी तक पांच मैच की इस श्रृंखला के पहले तीनों मैच जीते हैं। पूर्व में नंबर एक रहे सूर्यकुमार ने इन मैच में 32, नाबाद 82 और नाबाद 57 रन बनाए, जिससे वह रैंकिंग में आगे बढ़ने में सफल रहे।

भारत के सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा टी20 विश्व कप से पहले बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर बने हुए हैं जबकि तिलक वर्मा तीसरे स्थान पर हैं। तिलक वर्मा चोटिल होने के कारण इस श्रृंखला में नहीं खेल रहे हैं। रायपुर में खेले गए दूसरे मैच में 32 गेंदों पर 76 रन बनाने वाले ईशान किशन ने 64वें स्थान पर रैंकिंग में फिर से प्रवेश किया है। शिवम दुबे (नौ स्थान ऊपर 58वें स्थान पर) और रिंकू सिंह (13 स्थान ऊपर 68वें स्थान पर) को भी अपने अच्छे प्रदर्शन का इनाम मिला है। दुबई में वेस्टइंडीज के खिलाफ 2-1 से श्रृंखला जीतने के दौरान शानदार प्रदर्शन करने वाले अफगानिस्तान के सलामी बल्लेबाज इब्राहिम जादरान दो पायदान ऊपर चढ़कर 13वें और रहमानुल्लाह तीन पायदान ऊपर चढ़कर 15वें स्थान पर पहुंच गए हैं। प्लेयर ऑफ द सीरीज रहे दरवेश रसूली 29 पायदान ऊपर चढ़कर 87वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

राज्य सरकार उत्तर प्रदेश की पूरी आबादी को एक परिवार मानती है और समावेशी एवं सतत विकास की भावना से काम करती है। मुख्यमंत्री ने कहा, ''समाज को बांटकर विकास हासिल नहीं किया जा सकता। इसे एक व्यापक दृष्टिकोण के साथ और बिना किसी भेदभाव के आगे बढ़ाना होगा

योगी आदित्यनाथ, मुख्यमंत्री उ.प्र.

नई दिल्ली, गुरुवार 29 जनवरी 2026

नेशनल एक्सप्रेस

हर खबर समय पर

FRONT PAGE 2

दयाशंकर सिंह को बैरिया में बाबू मैनेजर सिंह मैराथन 2026 के पुरस्कार वितरण कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश सरकार के खेलकूद एवं युवा कल्याण मंत्री गिरीश चंद्र यादव के साथ सम्मिलित होकर प्रतिभागी खिलाड़ियों को पुरस्कार वितरित करने का अवसर प्राप्त हुआ।

पार्श्व नाथ प्लैटिनम स्वर्णनगरी ग्रेटर नोएडा ने राष्ट्रभक्ति से मनाया गणतंत्र दिवस गणतंत्र दिवस

युवा पीढ़ी देश की आजादी की कीमत समझे, गुलामी में जीना अभिशाप है: विपिन गुप्ता

नेशनल एक्सप्रेस ब्यूरो

ग्रेटर नोएडा। विकास दिवस भारतीय गणतंत्र के 77वीं वर्षगांठ पर जहां सारे आज देश ने 77वां गणतंत्र दिवस मनाया वही पूरे उल्लास और जोश से ग्रेटर नोएडा की लोकप्रिय पार्श्व नाथ प्लैटिनम में राष्ट्रभक्ति से वह स्रोत युवा, बच्चे, महिलाओं और बुजुर्गों ने गणतंत्र दिवस का पर जन्मांगन के साथ तिरंगा झंडा फहराकर मनाया।

इस अवसर पर एयर वाइस मार्शल श्री जॉन साहब ने झंडा रोहण करते हुए जन गण मन अधिनायक... के राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम की शुरुआत की इस अवसर पर आप पार्श्व नाथ प्लैटिनम (parwa) के अध्यक्ष राजेश खन्ना तथा पूर्व अध्यक्ष मोहित जैन व कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि नेशनल एक्सप्रेस प्रकाशन

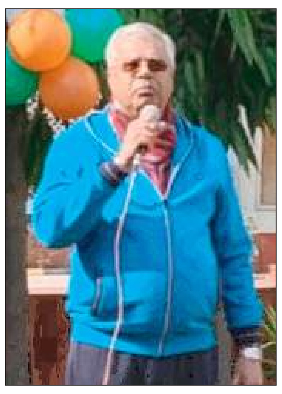

समूह के संस्थापक तथा भारतीय मतदाता संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष विपिन गुप्ता, एवं गुरु गोविंद दर्शन पत्रिका की संपादिका श्रीमती रजनी गुप्ता सहित सभी पदाधिकारी मौजूद रहे, सभी में उत्साह और जोश भरा हुआ दिखाई दिया इसी के साथ-साथ ग्रेटर नोएडा की पारस नाथ प्लैटिनम सोसाइटी में भव्य आयोजन किया गया। समिति के गणमान्य व्यक्ति सुरक्षाकर्मी महिलाएं बच्चे सभी उपस्थित हुए झंडा रोहण किया गया

और सोसाइटी के अध्यक्ष श्री राजेश खन्ना द्वारा पूरी सोसाइटी को संदेश दिया गया कि हमारी जिम्मेदारियां क्या है और कैसे हमने समिति के अध्यक्ष रहते हुए सोसाइटी में लिफ्ट से लेकर सफाई व पार्कों के विकास को प्राथमिकता दी है, और देश को आगे बढ़ाना है और इसके बाद बच्चों ने देशभक्ति के सुंदर-सुंदर कार्यक्रम किया ऐसा लगा की पूरा संसार आज इस रंग में डूबा हुआ है हम सभी से यह उम्मीद करते हैं की आने वाला समय हिंदुस्तान का हो, रिसोर्स पर विशिष्ट अतिथि विपिन गुप्ता ने कहा कि हमारे देश के लोगों को आजादी की कीमत समझनी चाहिए तथा अपने बच्चों को संस्कृत करें क्या तथा राष्ट्रभक्ति के साथ-साथ उनके जीवन में संस्कार और प्रेम और भाईचारा का बीज बोए ताकि हमारा देश महानतम विश्व गुरु बन सके, सब लोग खुशहाल हो प्रसन्न हो क्योंकि गुलामी में रहना किसी को भी पसंद नहीं है और आजादी की कीमत जब तक नहीं जानेंगे तब तक हम अपने राष्ट्र और समाज को ऊंचा नहीं उठा सकते हैं सभी परिवार के साथ स्वस्थ एवं प्रसन्न रहकर खुश रहे इस गणतंत्र दिवस के अवसर पर पार्श्व नाथ प्लैटिनम के सभी निवासियों को ढेर सारी शुभकामनाएं दी।

नेशनल एक्सप्रेस के संस्थापक विपिन गुप्ता ने नेशनल एक्सप्रेस द्वारा प्रकाशित ₹गांधी जीवन दर्शन और विचार₹ पुस्तक एयरवेज मार्शल श्री जॉन साहब पार्श्व नाथ प्लैटिनम के RWA अध्यक्ष श्री राजेश खन्ना को तिरंगा पटका पहना कर भेंट की1 इस अवसर पर यहां के इस अवसर पर यहां के निवासियों के छोटे-छोटे बच्चों ने तथा युवा प्रतिभाओं ने अपने शानदार राष्ट्रभक्ति के गीतों द्वारा सभी को प्रेरित किया।

विकास को जाति, धर्म या क्षेत्र के आधार पर बांटा नहीं जा सकता : आदित्यनाथ

सिद्धार्थनगर (उप्र), (भाषा) उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को कहा कि विकास को जाति, धर्म या क्षेत्र के आधार पर बांटा नहीं जा सकता और सरकार बिना किसी भेदभाव के एक समग्र दृष्टिकोण के साथ कल्याण और विकास कार्य के लिए प्रतिबद्ध है।

उन्होंने कहा कि भेदभाव रहित दृष्टिकोण राम राज्य (न्यायपूर्ण, नैतिक, जन-केंद्रित एक आदर्श शासन) को दर्शाता है। सिद्धार्थनगर में 1,052 करोड़ रुपये से अधिक की 229 विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करने के बाद एक जनसभा को संबोधित करते हुए आदित्यनाथ ने कहा कि राज्य सरकार उत्तर प्रदेश की पूरी आबादी को एक परिवार मानती है और समावेशी एवं सतत विकास की भावना से काम करती है। मुख्यमंत्री ने कहा, ''समाज को बांटकर विकास हासिल नहीं किया जा सकता। इसे एक व्यापक दृष्टिकोण के साथ और बिना किसी भेदभाव के

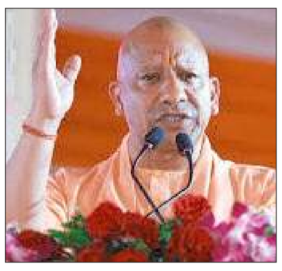

आगे बढ़ाना होगा - कोई 'मेरा' या 'तुम्हारा' नहीं, कोई जाति, धर्म, भाषा या क्षेत्रीय भेदभाव नहीं। केवल यही भेदभाव रहित दृष्टिकोण राम राज्य की सच्ची भावना को दर्शाता है।''

सिद्धार्थनगर महोत्सव के उद्घाटन के मौके पर आयोजित इस कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश विधानसभा में विपक्ष के नेता और इटावा विधायक माता प्रसाद पांडे, राज्य मंत्री अनिल राजभर, डुमरियागंज सांसद जगदंबिका पाल और अन्य जन प्रतिनिधि शामिल हुए।

आदित्यनाथ ने भगवान बुद्ध को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए सिद्धार्थनगर को एक पवित्र भूमि बताया जिसने दुनिया को करुणा और सद्भाव का संदेश दिया। उन्होंने महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार की कथित तौर पर एक विमान दुर्घटना में हुई मौत पर भी शोक व्यक्त किया और शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की। कभी आकांक्षी जिले के रूप में वर्गीकृत सिद्धार्थनगर के बदलाव पर प्रकाश डालते हुए आदित्यनाथ ने कहा कि यह क्षेत्र पहले खराब बुनियादी ढांचे, बीमारी और पलायन से जूझ रहा था। उन्होंने कहा कि एन्सेफलाइटिस, जिसने दशकों तक लोगों की जान ली थी, 2017 के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से प्रेरित होकर किए गए प्रयासों से कुछ ही वर्षों में खत्म हो गया। उन्होंने कहा, ''जिन लोगों की जान गई, वे हमारे लिए वोट बैंक नहीं थे। वे हमारे परिवार का हिस्सा थे, और सरकार ने अपनी ज़िम्मेदारी पूरी की।'' उन्होंने आगे कहा कि डुमरियागंज, बंसी और इटावा से गुज़रने वाला शामली-गोरखपुर कॉरिडोर इस इलाके के लिए 'विकास कॉरिडोर' का काम करेगा।

विमान दुर्घटना में अजित पवार की मृत्यु पर योगी, अखिलेश और मायावती ने जताया शोक

लखनऊ, (भाषा) उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव और बहुजन समाज पार्टी प्रमुख मायावती ने बुधवार को विमान दुर्घटना में महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार की मृत्यु पर शोक व्यक्त किया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, "महाराष्ट्र के बारामती में हुए दुर्भाग्यपूर्ण विमान हादसे में महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार जी एवं अन्य सदस्यों का निधन अत्यंत दुःखद एवं हृदयविदारक है। उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि।"

उन्होंने कहा कि उनकी संवेदनाएं शोकसंतप्त परिजनों के साथ हैं। मुख्यमंत्री ने कहा, "प्रभु श्रीराम से प्रार्थना है कि दिवंगत पुण्यात्माओं को सद्गति एवं शोकाकुल परिवार को यह अथाह दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करें। ओम शांति।"

समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भी इस घटना को "बेहद दुखद" बताते हुए 'एक्स' पर

पोस्ट कर कहा, "महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार का विमान दुर्घटना में निधन अत्यंत दुखद है। ईश्वर उनकी आत्मा को शांति दें। शोकसंतप्त परिजनों के प्रति गहरी संवेदनाएं। भावभीनी श्रद्धांजलि।"

बसपा प्रमुख मायावती ने अजित पवार को महाराष्ट्र की राजनीति के दिग्गज नेताओं में से एक बताते हुए कहा कि विमान दुर्घटना में उनकी मौत "बेहद दुखद" है। उन्होंने कहा, "महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री तथा महाराष्ट्र की राजनीति के दिग्गज नेताओं में से एक राकांपा नेता अजित पवार की आज बारामती में विमान हादसे में हुई मृत्यु अति-दुखद है। उनके परिवार तथा पार्टीजनों के प्रति मेरी गहरी संवेदना। ईश्वर सभी को यह दुख सहन करने की शक्ति दे।" अधिकारियों के अनुसार, महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार और चार अन्य लोगों की बुधवार सुबह पुणे जिले में एक विमान दुर्घटना में मौत हो गई। उन्होंने बताया कि यह हादसा तब हुआ, जब पवार (66) और अन्य लोगों को ले जा रहा विमान बारामती के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गया।

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री और एनसीपी नेता अजित पवार का दुःखद निधन देश के लिए अपूरणीय क्षति: जय भगवान गोयल

नेशनल एक्सप्रेस ब्यूरो

नई दिल्ली। यूनाईटेड हिन्दू फ्रंट के अंतर्राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष व राष्ट्रवादी शिवसेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जय भगवान गोयल ने शोक व्यक्त करते हुए कहा कि महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एवं राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के वरिष्ठ नेता श्री अजित पवार के आकस्मिक एवं दुःखद निधन का समाचार अत्यंत पीड़ादायक और स्तब्ध कर देने वाला है। उनका निधन केवल महाराष्ट्र ही नहीं, बल्कि पूरे देश के लिए एक अपूरणीय क्षति है।

श्री गोयल ने कहा कि श्री अजित पवार एक अनुभवी, कर्मठ एवं जनहित के प्रति समर्पित नेता थे। उन्होंने अपने लंबे राजनीतिक जीवन में प्रशासनिक दक्षता, स्पष्ट निर्णय क्षमता और जनसेवा के माध्यम से महाराष्ट्र के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उपमुख्यमंत्री के रूप में उनकी भूमिका सदैव स्मरणीय रहेगी।

उन्होंने आगे कहा कि श्री पवार का

असमय जाना भारतीय राजनीति के लिए एक बड़ा शून्य है, जिसकी भरपाई निकट भविष्य में संभव नहीं है। उनके निधन से उनके परिवार, सहयोगियों, समर्थकों एवं असंख्य शुभचिंतकों को गहरा आघात पहुँचा है। श्री गोयल ने दिवंगत नेता की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करते हुए शोक-संतप्त परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएँ व्यक्त कीं और ईश्वर से इस दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की कामना की।

भारत की बौद्धिक धुरी को पुनः भारत की ओर स्थापित करने की आवश्यकता: जे. नंदकुमार

● भक्ति, ज्ञान और कर्म का समन्वय समाज को दिशा देता है- रामबहादुर राय ● कला निधि प्रभाग आईजीएनसीए का हृदय है- डॉ. सच्चिदानंद जोशी ● IGNCA के कला निधि डिवीजन ने अपना 37वां स्थापना दिवस मनाया

नेशनल एक्सप्रेस ब्यूरो

नई दिल्ली, मंगलवार इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र (आईजीएनसीए) के कला निधि प्रभाग ने केन्द्र के समवेत सभागार में अपने प्रतिष्ठा दिवस (स्थापना) के अवसर पर एक गरिमामय शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे 'प्रज्ञा प्रवाह' के राष्ट्रीय संगठन सचिव श्री जे. नंदकुमार थे। विशेष अतिथि के रूप में दिल्ली प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (डीटीयू) के कुलपति प्रो. प्रतीक शर्मा तथा सम्माननीय अतिथि के रूप में आयुष मंत्रालय, भारत सरकार के सचिव वैद्य राजेश कोटेचा उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता आईजीएनसीए के अध्यक्ष श्री राम बहादुर राय ने की।

आईजीएनसीए के सदस्य सचिव डॉ. सच्चिदानंद जोशी ने उद्घाटन भाषण दिया, जबकि कलानिधि प्रभाग के निदेशक एवं प्रमुख तथा आईजीएनसीए के डीन प्रो. (डॉ.) रमेश चंद्र गौड़ ने स्वागत वक्तव्य प्रस्तुत किया। इस अवसर पर जेएनयू की एसोसिएट प्रोफेसर एवं एन्थ्रोपोस फाउंडेशन की अध्यक्ष डॉ. सुनीता रेड्डी भी उपस्थित रहीं। कलानिधि प्रतिष्ठा दिवस समारोह के अंतर्गत आईजीएनसीए द्वारा कई महत्वपूर्ण प्रकाशनों का लोकार्पण किया गया, जिनमें 'ग्रीन विज़डम : मणिपुर', 'रूट्स ऑफ विज़डम : सिक्किम' तथा 'व्हिस्पर्स ऑफ़ द फ़ॉरेस्ट : अरुणाचल प्रदेश' शामिल हैं, जिनके लेखक डॉ. सुनीता रेड्डी, प्रो. (डॉ.) रमेश चंद्र गौड़ सहित अन्य विद्वान हैं। इसके साथ ही, प्रो. (डॉ.) रमेश चंद्र गौड़ एवं उनकी टीम द्वारा सम्पादित डिजिटाइज़्ड पांडुलिपियों का सचित्र सूची-पत्र, खंड 8 से 13 (भाग 1–12) तथा आईजीएनसीए के अर्धवार्षिक जर्नल 'कलाकल्प' के वसंत पंचमी अंक, 2026 का भी विमोचन किया गया। इस अवसर पर "क्राउनिंग ज्वेल्सः द इलस्ट्रेटेड रेयर बुक्स" प्रदर्शनी का उद्घाटन भी किया गया। कार्यक्रम का समापन वसंत उत्सव पर आधारित सांस्कृतिक प्रस्तुति के साथ हुआ, जो आईजीएनसीए के शोध और जीवंत परम्पराओं के समन्वित दृष्टिकोण को दर्शाता है।

मुख्य अतिथि श्री जे. नंदकुमार ने कलानिधि प्रभाग के प्रतिष्ठा दिवस पर आईजीएनसीए को बधाई देते हुए कहा कि कला निधि प्रभाग लंबे समय से संस्थान की बौद्धिक रीढ़ रहा है, जो भारत की सभ्यतागत ज्ञान परम्परा का संरक्षण, व्याख्या और प्रसार करता आ रहा है। उन्होंने कहा कि आईजीएनसीए देश के विद्वानों और साधकों के संवाद का केंद्र है। दस्तावेज़ीकरण और शोध से परे, यह शोधकर्ताओं, विचारकों

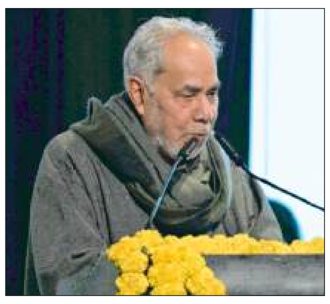

और पेशेवरों द्वारा और उनके लिए बनाए गए एक जीवंत विद्वत इकोसिस्टम को पोषित करता है, जबकि आईजीएनसीए खुद देश के विद्वानों और पेशेवरों के लिए एक चर्चा मंच के रूप में काम करता है। केंद्र का कार्य भारत-केंद्रित राष्ट्रीय शिक्षा नीति की भावना के अनुरूप है, जिसके तहत भारत की बौद्धिक धुरी को पुनः भारत की ओर स्थापित करने की आवश्यकता है।

पांडुलिपियों, सांस्कृतिक धरोहरों और मौखिक परंपराओं - जिनमें असम, मेघालय और नागालैंड की पारम्परिक औषधीय पद्धतियां भी शामिल हैं - का संरक्षण और उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है। उत्तर-पूर्व की पारम्परिक चिकित्सा पद्धतियों पर हाल में प्रकाशित तीन खंड इस बात का उदाहरण हैं कि समुदायों के सम्मान के साथ किया गया ज्ञान-लेखन भावी पीढ़ियों को प्रेरित करता है।

अध्यक्षीय वक्तव्य में श्री राम बहादुर राय ने कहा कि कलानिधि प्रभाग का प्रतिष्ठा दिवस उस समय आरम्भ हुआ था, जब सरस्वती पूजा की परम्परा सीमित थी। उन्होंने कहा कि भक्ति, ज्ञान और कर्म का समन्वय समाज को दिशा देता है। दूरस्थ क्षेत्रों में कार्यरत पारम्परिक चिकित्सक और देशज ज्ञानधारक हमारी परम्परागत विद्या के संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ऐसे ज्ञान को सुरक्षा, मान्यता और वैज्ञानिक ढांचे के अंतर्गत संरक्षित किया जाना आवश्यक है। उन्होंने भाषाओं में नए शब्दों और नए रूपों के सृजन पर भी बल दिया तथा देवी सरस्वती से ज्ञान की रक्षा और नवसृजन की प्रेरणा की कामना की। वैद्य राजेश कोटेचा ने कहा कि लंबे अनुभव के कारण हम कई बार ज्ञान को सीमित दृष्टि से देखने लगते हैं, जिससे औपनिवेशिक सोच हावी हो जाती है। उन्होंने भारतीय ज्ञान परम्परा को स्वदेशी दृष्टि से समझने और विशेषकर संस्कृत अध्ययन में बहुविध दृष्टिकोण अपनाने पर जोर दिया। उन्होंने जीवंत ज्ञान परम्पराओं के संरक्षण और समझ के महत्व को रेखांकित किया। श्री कोटेचा ने सभी प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया और भारत की जीवित ज्ञान परम्पराओं को संरक्षित करने, उन्हें व्याख्यायित करने और उन्हें समझने के महत्व को दोहराया।

प्रो. प्रतीक शर्मा ने कहा कि भारतीय परम्परा में गुरु-शिष्य परंपरा के तहत मानसिक, शारीरिक और आध्यात्मिक प्रशिक्षण एकीकृत रूप में दिया जाता था, जो कालांतर में खंडित हो गया। पश्चिमी सोच के उलट, जो बाह्य जगत पर प्रयोग करती है, भारतीय ज्ञान आंतरिक अनुभव के क्षेत्र का अन्वेषण करता है, जो कर्म, मन और चेतना को जोड़ता है। हमारे ऋषियों ने कला, संगीत, नृत्य, वास्तुकला और रीति-रिवाजों को मौखिक रूप से कोडिफाई किया, लेकिन दस्तावेज़ीकरण सीमित था, जिससे समय के साथ कुछ जानकारी लुप्त गई। स्वामी विवेकानंद और रामकृष्ण मिशन ने इस आत्मगौरव को पुनर्जीवित किया। भारतीय ज्ञान बाह्य प्रयोगों के बजाय आंतरिक अनुभव पर आधारित है। कलानिधि प्रभाग तकनीक के माध्यम से इन जटिल प्रणालियों को सुलभ बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति भी ज्ञान के खंडन को समाप्त कर विषयों के आपसी सम्बंध पर बल देती है। डॉ. सच्चिदानंद जोशी ने कहा कि गणतंत्र दिवस की तैयारियों के कारण कलानिधि प्रतिष्ठा दिवस, जो वसंतपंचमी को मनाया जाता है, इस वर्ष 27 जनवरी को मनाया गया। उन्होंने कलानिधि प्रभाग को आईजीएनसीए का हृदय बताते हुए इसके प्रकाशन और विद्वत गतिविधियों की सराहना की। उन्होंने यूनेस्को के 'मेमोरी ऑफ़ द वर्ल्ड कार्यक्रम' के अंतर्गत 2025 में श्रीमद्भगवद्गीता और नाट्यशास्त्र को मिली मान्यता उल्लेख करते हुए कलानिधि प्रभाग को बधाई दी।

डॉ. सुनीता रेड्डी ने कहा कि गैर-लिखित परम्पराओं से जुड़े पारम्परिक चिकित्सकों पर शोध अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि उनका ज्ञान औपचारिक अकादमिक और विश्वविद्यालयीन फ्रेमवर्क से इतर मौखिक परम्पराओं से आगे बढ़ता है। उन्होंने गुणात्मक और अनुभवजन्य शोध पद्धतियों की आवश्यकता पर बल दिया तथा पंचायत स्तर पर 'ज्ञान कुटीर' स्थापित करने और आयुष फ्रेमवर्क के अंतर्गत ग्राम-स्तरीय नीतियों की आवश्यकता बताई। प्रो. (डॉ.) रमेश चंद्र गौड़ ने कलानिधि प्रभाग के 37वें प्रतिष्ठा दिवस पर, इसके निरंतर प्रयासों की सराहना की। उन्होंने बताया कि यह प्रभाग आईजीएनसीए का पहला प्रभाग था, जिसे पुस्तकालय नहीं बल्कि संसाधन केंद्र के रूप में स्थापित किया गया। यहीं से पांडुलिपियों के संरक्षण, डिजिटलीकरण और सूचीकरण की शुरुआत हुई, जो आगे चलकर राष्ट्रीय पांडुलिपि मिशन और अब 'ज्ञान भारतम्' मिशन का आधार बनी। इस मिशन के अंतर्गत अब तक वर्णनात्मक कैटलॉग में 292,000 पांडुलिपियों को डॉक्यूमेंट किया गया है, जिससे विद्वानों और शोधकर्ताओं को वेद, गणित, खगोल विज्ञान, आयुर्वेद और कई अन्य क्षेत्रों जैसे विषयों तक पहुंच मिलती है। 2018 में, हर विषय के लिए एक अलग डिस्क्रिप्टिव कैटलॉग बनाने का फैसला किया गया था। कार्यक्रम के अंत में, श्वेता सिंह ने धन्यवाद ज्ञापन किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में विद्वान, शोधकर्ता और विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े लोग उपस्थित रहे।

स्वामी वी.पी.एल. मीडिया प्रा. लि. के लिए प्रकाशक व मुद्रक वेंकटेश गुप्ता द्वारा आर.डी प्रिंटर्स एवं पब्लिशर्स प्रा. लि. ए-41, सेक्टर 8, नोयडा, गौतमबुद्ध नगर से मुद्रित व फ्लैट सं. 7, एस 561, ग्रेटर कैलाश पार्ट 2, नई दिल्ली 110048 से प्रकाशित। DELHIN/2015/65411, संपादक : विपिन कुमार गुप्ता।
संपादकीय कार्यालय- फ्लैट सं. 7, एस 561, ग्रेटर कैलाश पार्ट 2, नई दिल्ली 110048, ईमेल -news.vpl@gmail.com फोन नं.-011 49066569। प्रसार व विज्ञापन विभाग -ईमेल vplmedia@yahoo.com, समस्त विवाद के लिए न्याय क्षेत्र नई दिल्ली ही मान्य होगा।